महाराग्नि में दिखेगा...

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

नीता अंबानी दोबारा...

■ वर्ष 29 अंक 32 | डाक/नगर संस्करण | ■ जबलपुर शुक्रवार 26 जुलाई 2024 | ■ पृष्ठ 12 ■ मूल्य रु. 3.00

126 करोड़ में जलेगा भोपाल का 'जहर'

5,000 से अधिक लोगों की गई थी जान

भोपाल।

40 साल बाद भोपाल में पड़े जहर को जलाया जाएगा। इसके साथ ही भोपाल गैस त्रासदी की यादें ताजा हो गईं, जिसमें 5000 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। यह जहरीला अवशेष उसी हादसे का है, जो भोपाल स्थित यूनियन कार्बाइड की फैक्ट्री में है। भोपाल गैस त्रासदी के बाद फैक्ट्री में 337 टन जहरीला कचरा है। इसे 40 साल बाद जलाया जाएगा। इसके लिए 126 करोड़ रुपए की राशि टेंडर लेने वाली कंपनी को दे दी गई है। हालांकि यह काम कब से शुरू होगा, इसकी तारीख तय नहीं हुई है। अब डर है कि जब इस जहर को नष्ट किया जाएगा, तब क्या इंदौर भी इसकी जद में आएगा। इसे इंदौर के पास पीथमपुर की रामकी कंपनी में जलाया जाएगा। इस काम के लिए 126 करोड़ रुपये खर्च होंगे और यह काम गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग की देखरेख में होगा। इस जहरीले कचरे को नष्ट करने का काम आसान नहीं है। सबसे पहले इसे भोपाल से 250 किलोमीटर दूर पीथमपुर तक ले जाना होगा। यह काम बेहद सावधानी से करना होगा ताकि रास्ते में कोई हादसा न हो। फिलहाल, विभाग और रामकी कंपनी के अधिकारी इस काम को कैसे अंजाम देना है, इस पर चर्चा कर रहे हैं।

2015 से चल रही कवायद

यह पहली बार नहीं है, जब इस कचरे को नष्ट करने की कोशिश की जा रही है। 2015 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर इस कचरे के कुछ हिस्से को रामकी कंपनी में ही जलाकर देखा गया था। यह प्रयोग सफल रहा था और उसकी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को सौंप दी गई थी। उसके बाद तय हुआ कि बाकी कचरे को भी यहीं नष्ट किया जाएगा, लेकिन राशि केंद्र सरकार देगी। अब केंद्र सरकार ने पैसे दे दिए हैं और जल्द ही इस काम को शुरू किया जाएगा।

कंपनी पर उठ रहे सवाल

हालांकि, कुछ पर्यावरण कार्यकर्ताओं को इस प्रक्रिया पर आपत्ति है। उनका कहना है कि रामकी कंपनी के पास इतनी बड़ी मात्रा में जहरीले कचरे को नष्ट करने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। मीडिया से बात करते हुए पर्यावरण कार्यकर्ता ने कहा कि कार्बाइड के कचरे को जलाने के लिए रामकी कंपनी में पर्याप्त संसाधन उपलब्ध नहीं है। इसे लेकर हम लंबे समय से आवाज उठा रहे हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बदले दो हॉल के नाम

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन के अशोक हॉल और दरबार हॉल का नाम बदल दिया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ये फैसला लिया है।

राष्ट्रपति भवन के दो महत्वपूर्ण हॉल दरबार हॉल और अशोक हॉल का नाम बदलकर क्रमश: गणतंत्र मंडप और अशोक मंडप कर दिया गया है। राष्ट्रपति भवन की तरफ से जारी विज्ञप्ति में इस बात की जानकारी दी गई है। दरबार हॉल में कई अहम कार्यक्रम आयोजित होते थे। यहां राष्ट्रीय अवॉर्ड दिए जाते थे। प्रेस रिलीज में कहा गया है कि दरबार हॉल का इस्तेमाल कोर्ट और विधानसभाओं के लिए भारतीय शासक और ब्रिटिश करते थे।

केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 8 अगस्त तक बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीएम अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 8 अगस्त तक बढ़ा दी। उन्हें तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया। ईडी के मनी लॉन्ड्रिंग केस में भी उन्हें 31 जुलाई तक जेल में ही रहना होगा। दरअसल, 12 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को जमानत दे दी थी, लेकिन उनकी तरफ से अभी तक बेल बॉन्ड नहीं भरा गया है।

ऑपरेशन से डिलीवरी के बाद 4 महिलाओं की मौत

दमोह। दमोह सरकारीअस्पताल में 2 महिलाओं ने बच्चों को जन्म देने के कुछ समय बाद दम तोड़ दिया। वहीं, 2 की मौत इलाज के दौरान जबलपुर मेडिकल कॉलेज में 20 दिन बाद हुई। चारों की पहली डिलीवरी थी, जो ऑपरेशन से हुई। परिवार वालों का कहना है कि अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही ने दुधमुंहे बच्चों से मां का आंचल छीन लिया।

बांग्लादेश से 6,700 भारतीय छात्र लौटे

ढाका। बांग्लादेश में हिंसक झड़पों के बीच लगभग 6,700 भारतीय छात्र वहां से वापस लौट आए हैं। बांग्लादेश में प्रदर्शनकारी छात्रों के बीच घातक झड़पें हो रही हैं। वे शेख हसीना की सरकार से सरकारी नौकरी में कोटा सिस्टम समाप्त करने की मांग कर रहे हैं। कुछ सप्ताह पहले शुरू हुई झड़पों में अब तक 180 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं।

सुदर्शन ब्रिज पर हुए गड्ढे

राजकोट। द्वारका का सिग्नेचर ब्रिज (सुदर्शन ब्रिज) पांच महीने में ही अपनी खूबसूरती खो चुका है। कई जगहों से सीमेंट उखड़ गई है, नीचे लगीं लोहे की छड़ें दिखाई देने लगी हैं। कुछ जगहों पर तो साइड की दीवारों से प्लास्टर उखड़ चुका है। रेलिंग में भी जंग लग गई है। पीएम मोदी के इस ड्रीम प्रोजेक्ट की तस्वीरें सामने आने के बाद कलेक्टर से लेकर सांसद तक एक्टिव हो गए हैं। वहीं गुजरात कांग्रेस भी भाजपा पर हमलावर हो गई है। कांग्रेस ने

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से केंद्र को बड़ा झटका

टैक्स नहीं है खनिजों पर ली जाने वाली रॉयल्टी

9 जजों की संविधान पीठ ने बदल दिया 7 न्यायाधीशों की पीठ का फैसला

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को खनन पर लगने वाले रॉयल्टी को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि राज्यों को खनिज वाली जमीन पर टैक्स लगाने का अधिकार है। अदालत ने कहा है कि इस पर ली जाने वाली रॉयल्टी, टैक्स नहीं है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली नौ-जजों की सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने 8-1 बहुमत से अपने ही कई पुराने फैसलों को रद्द कर दिया, जिससे इन राज्यों को राहत मिली है। हालांकि, अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि संसद के पास निकाले गए खनिजों पर कर लगाने की सीमाएं, प्रतिबंध और यहां तक कि रोक लगाने की शक्ति है। जस्टिस बी वी नागरत्ना ने बहुमत के फैसले से असहमति जताई।

इन राज्यों को मिलेगी राहत

सीजेआई चंद्रचूड़ द्वारा लिखित फैसले पर जस्टिस हृषिकेश रॉय, एएस ओका, जेबी पारदीवाला, मनोज मिश्रा, उज्जवल भुयान, एससी शर्मा और एजी मसीह द्वारा सहमति व्यक्त की गई। इस फैसले में कहा गया है कि निकाले गए खनिजों पर रॉयल्टी कर नहीं है। इस फैसले से ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान जैसे खनिज संपन्न राज्यों को फायदा होगा। अब नौ-जजों की पीठ अगले बुधवार को फिर से विचार करेगी कि उनका फैसला पूर्वव्यापी होगा या नहीं। अगर यह फैसला पूर्वव्यापी लागू होता है तो केंद्र सरकार की तरफ से राज्यों के लिए भारी कर बकाया देना पड़ सकता है। राज्य चाहते हैं कि यह फैसला पूर्वव्यापी रूप से लागू हो, जबकि केंद्र सरकार इसे भविष्य के लिए लागू करना चाहती है।

1989 के फैसले को पलटा

सुप्रीम कोर्ट खनन और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 के तहत एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर सुनवाई कर रहा था। मामला यह था कि क्या खनिजों पर देय रॉयल्टी एक टैक्स है और क्या सिर्फ केंद्र सरकार के पास ही इस तरह का टैक्स लगाने का अधिकार है या राज्य सरकारें भी अपने क्षेत्र में खनिज भूमि पर लेवी लगा सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि सात जजों की संविधान पीठ का 1989 का फैसला गलत था, जिसमें कहा गया था कि खनिजों पर रॉयल्टी एक टैक्स है। चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने फैसला सुनाते हुए कहा कि संविधान की दूसरी सूची की प्रविष्टि 50 के तहत संसद को खनिज अधिकारों पर कर लगाने का अधिकार नहीं है।

क्या था 1989 का फैसला

साल 1989 में सात जजों की संविधान पीठ ने कहा था कि केंद्र सरकार के पास संघ सूची (सूची-।) की प्रविष्टि 54 के तहत एमएमडीआरए जैसे संसद द्वारा बनाए गए कानूनों के अनुसार खानों और खनिज विकास के नियमन पर प्राथमिक अधिकार है। राज्यों के पास केवल एमएमडीआरए के तहत रॉयल्टी एकत्र करने का अधिकार है और वे खनन और खनिज विकास पर कोई और कर नहीं लगा सकते हैं। कोर्ट ने यह भी कहा था, हमारा मानना है कि रॉयल्टी एक कर है, और जैसे कि रॉयल्टी पर उपकर, रॉयल्टी पर एक कर है, राज्य विधानमंडल की क्षमता से परे है क्योंकि केंद्रीय अधिनियम की धारा 9 क्षेत्र को कवर करती है।

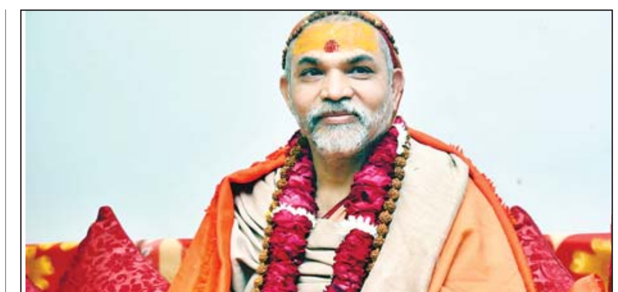

6 महीने में पीतल हो गया गर्भगृह का सोना

वाराणसी। ज्योतिर्मय मठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी महाराज ने एक बार फिर बड़ा दावा किया। दिल्ली में उन्होंने कहा- सिर्फ बाबा केदारनाथ धाम से ही नहीं, बाबा विश्वनाथ समेत देश के और कई मंदिरों से भी सोना घोटाला हुआ है। काशी विश्वनाथ के गर्भगृह में कैसा सोना है, जो 6 महीने में पीतल हो गया। भगवान के साथ अगर छल हुआ है, तो सामने आना चाहिए। 10 दिन पहले अविमुक्तेश्वरानंद ने केदारनाथ से 228 किलो सोना चोरी होने का खुलासा किया था। वे अपने उस दावे पर आज भी कायम हैं। उन्होंने कहा- प्रधानमंत्री ने अभी नहीं बोला है, मगर एक वक्त आएगा, बोलना ही पड़ेगा। बात सिर्फ केदारनाथ की नहीं, बात तो विश्वनाथ मंदिर की भी है। उनके गर्भगृह में भी सोना ऐसे ही लगाया गया है। और भी कई मंदिरों में इस तरह से सोना लगाया गया है। अब तो बात आगे बढ़ गई है। स्वामी एक निजी मीडिया से बात कर रहे थे। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा- ये क्या है, कोई व्यक्ति अचानक सामने आता है, वो सभी मंदिरों में जाकर सोना मढ़ देता है। हमारे राजा रणजीत सिंह ने काशी विश्वनाथ के ऊपर सोना मढ़वाया था। कितने साल हो गए? धूप लग रही है, ताप लग रही है। सोने की चमक कम नहीं हो रही है। लेकिन, गर्भगृह में लगे सोने की चमक कम हो गई है। हम इसकी जांच की मांग कर रहे हैं। लेकिन, हमें ही आरोपी बनाकर बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। भगवान के साथ अगर कहीं छल हुआ है, तो उसे सामने आना चाहिए। क्योंकि ध्यान दिलाने के बावजूद समितियां जांच करने को तैयार नहीं है।

काशी विश्वनाथ में भी घोटाले का आरोप

जैश से जुड़े आतंकियों के 2 मददगार गिरफ्तार

श्रीनगर।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में 8 जुलाई को आतंकियों के हमले में जूनियर कमीशंड ऑफिसर समेत 5 जवान शहीद हुए थे। इस हमले में आतंकियों की मदद करने वाले दो ओवर ग्राउंड वर्कर को गुरुवारए 25 जुलाई को गिरफ्तार किया गया। दोनों आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद से जुड़े हुए थे। दोनों आतंकियों को खाने-पीने की चीजों के साथ ही वाई-फाई मुहैया कराते थे, ताकि आतंकी सीमा पार बैठे अपने हैंडलर से बातचीत कर सकें। इन इलाकों के लोग आतंकियों की मदद करते हैं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान लियाकत और राज के रूप में हुई है। 8 जुलाई के बाद से आतंकियों को ढूंढने के लिए पुलिस ने 100 लोगों से पूछताछ की थी।

जुन्नारदेव को जिला बनाने की कवायद शुरू

राजस्व विभाग ने छिंदवाड़ा कलेक्टर से मांगा प्रतिवेदन

भोपाल। छिंदवाड़ा जिले से अलग कर एक और नया जिला बनाने की कवायद शुरू हुई है। राजस्व विभाग ने छिंदवाड़ा कलेक्टर से जुन्नारदेव को जिला बनाने का प्रतिवेदन मांगा है। पिछले साल विधानसभा चुनाव के पहले छिंदवाड़ा से अलग कर पांढुर्णा को जिला बनाया जा चुका है। छिंदवाड़ा लोकसभा में शामिल सात विधानसभा क्षेत्र पहले एक ही जिले में आतीं थीं अब पांढुर्णा के बाद यदि जुन्नारदेव जिला बना तो छिंदवाड़ा लोकसभा सीट तीन जिलों में विभाजित हो जाएगी। छिंदवाड़ा भाजपा के व्यापारी प्रकोष्ठ के जिला सह संयोजक बंटी (मनीष) साहू ने लोकसभा चुनाव के रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को जुन्नारदेव जिला बनाने का प्रस्ताव दिया था। इस प्रस्ताव में

जुन्नारदेव जिले में शामिल तहसीलों, क्षेत्रफल, कृषि भूमि, राजस्व के स्त्रोतों सहित तमाम जानकारी दी गई थी। उनके पत्र पर राजस्व विभाग ने छिंदवाड़ा कलेक्टर से जुन्नारदेव जिला बनाने संबंधी प्रतिवेदन मांगा है। जुन्नारदेव जिला बनाने का प्रस्ताव देने वाले बंटी साहू ने कहा- हम लोग लंबे समय से जुन्नारदेव को जिला बनाने की मांग कर रहे हैं। कई बार आंदोलन कर चुके हैं। कन्हान बचाओ-व्यापार बचाओ-जुन्नारदेव को जिला बनाओ इस नारे को लेकर लोग जिले की मांग को उठा रहे हैं। कन्हान क्षेत्र में फॉरेस्ट की एनओसी न मिलने से खदानें बंद पड़ी हैं। इस वजह से व्यापार ठप हो गया है। जिला बनने के कारण यहां प्रशासनिक अमला मौजूद रहेगा तो लोगों की समस्याएं जल्द सुलझेंगी। हम लोगों ने कन्हान क्षेत्र की खदानों की एनओसी दिलाने का मामला केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सामने भी उठाया था। उन्होंने इसका समाधान कराने का आश्वासन दिया था। राजस्व विभाग का पत्र मुझे मिल गया है। अब कलेक्टर से जल्दी यह प्रस्ताव शासन को भेजने का अनुरोध करेंगे।

नीट का रिवाइज्ड रिजल्ट जारी

नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने गुरुवार को मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट का रिवाइज्ड रिजल्ट जारी कर दिया है। परीक्षार्थी एप्लीकेशन नंबर व डेट ऑफ बर्थ डालकर इसे डाउनलोड कर सकते हैं। अब इसी के आधार पर काउंसिलिंग शुरू होगी। एनटीए ने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भौतिकी में पूछे गये प्रश्न नंबर 19 का सही जवाब देने पर अब 13 लाख छात्र की रैंक बदल जाएगी। इसके कारण पूरी मेरिट लिस्ट बदल जाएगी। ऑल इंडिया रैंकिंग में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। यहां तक कि कुल 720 में से 720 अंक पाने वाले 61 में से 44 छात्रों का अंक 715 रह जाएगा। नीट यूजी में 100 फीसदी अंक पाने वाले छात्रों की संख्या भी घट कर सिर्फ 17 रह जाएगी। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के बाद कई छात्र देश के शीर्ष मेडिकल कॉलेज एम्स में दाखिले की दौड़ से कई टॉपर बाहर हो सकते हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने मंगलवार को कहा था कि एनटीए संशोधित रिजल्ट दो दिनों में घोषित कर देगा। ऐसे में नतीजे आज आने के पूरे आसार हैं। परमाणु से संबंधित एक सवाल के सही उत्तर को लेकर आईआईटी दिल्ली के विशेषज्ञों की रिपोर्ट फिजिक्स के 19 नवंबर प्रश्न के विकल्प 4 को सही उत्तर मानते हुए नीट-यूजी 2024 के परिणाम को संशोधित करने और नये सिरे से जारी करने का आदेश दिया है।

44 टॉपर्स के 5 नंबर घटे, 13 लाख छात्र की रैंक बदली

संसद में भिड़े सांसद और केंद्रीय मंत्री

दोनों के बीच इस कदर बहस हुई कि लोकसभा को स्थगित करना पड़ा

अमृतसर।

लोकसभा में गुरूवार को पंजाब से केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और कांग्रेस सांसद चरणजीत चन्नी आमने-सामने हो गए। दोनों के बीच इस कदर बहस हुई कि लोकसभा को स्थगित करना पड़ गया। बजट भाषण पर प्रतिक्रिया देने खड़े हुए चन्नी ने केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू पर निशाना साधा। उन्होंने रवनीत बिट्टू को लेकर कहा- बिट्टू के दादा पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह शहीद हुए थे, लेकिन वह उस दिन नहीं मरे, वह तो उस दिन मरे, जिस दिन आपने कांग्रेस छोड़ी थी। इस दौरान सदन अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठी संध्या राय ने सीएम चन्नी को व्यक्तिगत टिप्पणी करने से रोका। लेकिन चन्नी ने जवाब दिया कि बिट्टू बीच में टोक रहे हैं और उन्हें परेशान कर रहे हैं। इसके बाद चन्नी ने आगे कहा- बीजेपी

और ईस्ट इंडिया कंपनी में कोई अंतर नहीं है। उनमें सिर्फ रंग का अंतर है। इसके जवाब में बिट्टू खड़े हो गए। उन्होंने कहा- मेरे दादा ने कांग्रेस के लिए नहीं, देश के लिए कुर्बानी दी थी। इसके साथ ही उन्होंने चन्नी पर पलटवार करते हुए कहा कि वह गरीबी की बात कर रहे हैं। पूरे पंजाब में देखा जाए तो उनसे ज्यादा अमीर और भ्रष्ट कोई आदमी नहीं है, तो वह अपना नाम बदल लें। उनका नाम मी-2 में है, सभी मामलों में उनका नाम है। हजारों करोड़ के मालिक यह चन्नी किसे गोरा कह रहे हैं। सोनिया गांधी पहले बताएं कि वह कहां से हैं।

केंद्रीय बजट पर साधा निशाना

गुरुवार को अपने शुरुआती भाषण से ही चरणजीत सिंह चन्नी आक्रामक नजर आए। उन्होंने सत्ता पक्ष पर सवाल उठाते हुए कहा कि सदन में बजट पर बहस हो रही है, लेकिन सदन में न तो मंत्री, न ही वित्त मंत्री और न ही प्रधानमंत्री मौजूद हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि इस बजट में पंजाब के लिए कुछ नहीं दिया गया है। जालंधर का चमड़ा और खेल उद्योग डूब रहा है। स्वास्थ्य सुविधाओं का बुरा हाल है।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में उदासीनता बरतने पर कमिश्नर ने वेतन रोकने के दिए निर्देश

सबसे ज्यादा स्कूलों और आंगनवाडी केन्द्रों का निरीक्षण करने वाले अधिकारियों को किया जाएगा सम्मानित

शहडोल

कमिश्नर शहडोल संभाग बीएस जामोद ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में पिछले सप्ताह राजस्व विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, नगरीय प्रशासन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, ऊर्जा विभाग, लोक निर्माण विभाग के अधिकारियें द्वारा सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण में शून्य प्रगति पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए जवाब देह अधिकारियें को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए संबंधित सभी अधिकारियों के वेतन रोकने के निर्देश दिए हैं। कमिश्नर ने जिला कोषालय अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि वह संबंधित सभी अधिकारियो का वेतन किसी भी स्थिति में आहरित नहीं करें। कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सीएम हेल्पलाइन कार्यक्रम अति महत्वपूर्ण है इसमे प्राप्त शिकायतों का निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ करना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने कहा है कि साप्ताहिक समीक्षा बैठक में पाया गया कि राजस्व विभाग सहित कई विभागों द्वारा सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण

में उदासीनता बरती जा रही है जो अत्यंत खेदजनक है। कमिश्नर ने अधिकारियों को ताकित किया है कि वे सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को अति गम्भीरता से लें। शिकायतों का निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ करें अन्यथा उनके विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। कमिश्नर ने समयावधि पत्रो की समीक्षा बैठक मे मनमाने तौर पर अनुपस्थित रहने पर अधीक्षण यंत्री लोक निर्माण विभाग एवं संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन को कारण बताओ नोटिस जारी करने और दोनो अधिकारियों के वेतन रोकने के निर्देश भी जिला कोषालय अधिकारी को दिए है। कमिश्नर ने उक्त निर्देश आज समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए।बैठक में कमिश्नर ने ऊर्जा विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को समुचित बिजली मुहैया कराएं। जिन क्षेत्रों में वोल्टेज की समस्या आ रही है उन क्षेत्रों में कम वोल्टेज की समस्या को शीघ्र ठीक कराएं। कमिश्नर ने निर्देश दिए हैं कि चंदिया, पाली, उमरिया और ब्यौहारी क्षेत्र से समुचित विद्युत प्रदाय नहीं करने की शिकायतें निरंतर मिल रही है कमिश्नर ने मुख्य अभियंता विद्युत वितरण कंपनी को निर्देश दिए कि वह क्षेत्र के लोगों की शिकायतो का निराकरण भी सुनिश्चित कराएं। बैठक में कमिश्नर ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह स्कूल और आंगनवाड़ी केद्रों का निरीक्षण करें और आंगनवाडी और स्कूलों का निरीक्षण कर बच्चों और छात्र-छात्राओं को मोटीवेट करें। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि जो अधिकारी आंगनवाड़ी केन्द्रों और स्कूलों का सबसे ज्यादा निरीक्षण करेंगें, स्कूलों में जाकर छात्र-छात्राओं और बच्चों को अच्छी शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित करेंगे ऐसे अधिकारियें को सम्मानित किया जाएगा। कमिश्नर ने निर्देशों के बावजूद अधिकारियों द्वारा स्कूलों और आंगनवाडी केन्द्रों का निरीक्षण नहीं करने पर नाराजगी व्यक्त की तथा कहा कि यह कार्य आपका नैतिक दायित्व है इससे स्कूलों के बच्चे प्रेरित हो कर आगे बढ़ने का प्रयास करेंगे।बैठक में कमिश्नर ने शासकीय छात्रावासों और आश्रमों की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि शिक्षा विभाग, जनजातीय कार्य विभाग एवं अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के अधिकारी छात्रावासों और आश्रमों का सतत रूप से निरीक्षण करें और छात्रावासों की व्यवस्थाओं को सुधारे। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि शासन द्वारा संचालित सभी छात्रावासों और आश्रमों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को बेहतर से बेहतर सुविधाएं मिलनी चाहिए। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि छात्रावासों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को उच्च गुणवत्ता की भोज्य सामग्री, अच्छा गणवेश, छात्रावासों में समुचित साफ-सफाई, लायब्रेरी, की सुविधाएं मिलनी चाहिए। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि जनजातीय कार्य विभाग, शिक्षा विभाग एंव अन्य पिछडा वर्ग के साथ-साथ संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारी भी छात्रावासों और आश्रमों का सतत रूप से निरीक्षण करेंगे। बैठक में कृषि विभाग, के कार्यों की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने निर्देश दिए कि कृषि अधिकारी किसानो को गुणवत्ता पूर्ण खाद एवं बीज मुहैया कराएं। कमिश्नर ने निर्देश दिए है कि किसी भी स्थित में किसानों को खाद बीज की कमी नहीं होनी चाहिए। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि कृषि विभाग के अधिकारी अमानक स्तर के खाद बीज बेचने वालें के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करें तथा समय-समय पर खाद बीज की दुकानों में जाकर खाद बीज का सैम्पल भी लें तथा गुणवत्ताविहीन खाद बीज मिलने पर संबंधित फर्म के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही करें। बैठक मे कमिश्नर ने लोक स्वास्थ्य यात्रिकी विभाग के कार्यों की भी समीक्षा की।

जिला स्तरीय खाद्य सुरक्षा सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न

शहडोल । मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजेश जैन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक दीवान की उपस्थित में कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में जिला स्तरीय सलाहकार समिति (खाद्य सुरक्षा प्रशासन) की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में खाद्य सुरक्षा अधिकारी रामेन्द्र कुमार सोनी ने खाद्य सुरक्षा विभाग की गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होनें बताया कि समस्त शासकीय हॉस्टल मेस, कैंटीन, मध्यान्ह भोजन में संलग्न स्वसहायता समूह, शासकीय उचित मूल्य की दुकानो आदि का रजिस्ट्रेशन कराना तथा सैम्पल एवं निरीक्षण कार्य को बढ़ाना है।उन्होने बताया कि खाद्य प्रतिष्ठानों को गुणवत्ता एवं मानको के आधार पर हाईजीन रेटिंग एवं ईट राईट कंम्पस सर्टीफिकेशन देने का कार्य एवं खाद्य व्यापारकर्ताओं को फॉस्टेक ट्रेनिंग देने का कार्य, चौपाटी को क्लीन स्ट्रीट फूड हब के रुप में विकसित करने की जानकारी दी। धार्मिक संस्थानों को भोग सर्टीफिकेशन तैयार करना, इसके साथ ही आम नागरिको को गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना एवं खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करना है। बैठक में अनुविभागीय अधिकारी सोहागपुर अरविंद शाह, डी.एच.ओ स्वास्थ्य विभाग डॉ.आर.के. शुक्ला, एन.आर.एल.एम. विभाग अजय सिंह, सी.डी.पी.ओ महिला एवं बाल विकास विभाग आनंद अग्रवाल, सहित कृषि विभाग, शिक्षा विभाग, खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

केवीके में वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। जिले के राणा हनुमान सिंह कृषि विज्ञान केन्द्र बड़गांव में बुधवार को वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. टीआर शर्मा ने आगामी समय में केवीके द्वारा की जाने वाली गतिविधियों व शासन की मंशा के बारे में कहा कि भारत शासन द्वारा तिलहन व दलहन तथा प्राकृतिक खेती को बड़ावा देने के लिए बजट प्रदान किया गया है। इसलिए हमें तिलहन, दलहन एवं प्राकृतिक खेती को बड़ावा देने की जरूरत हैं। आगामी समय में केवीके द्वारा आयोजित होने वाली गतिविधियों में ऐसी नीति बनानी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने एक पेड़ मॉ के नाम में नये पौधे अनार, खिरनी, जामुन, बेर, बेल, इमली आदि फल वाले पौधे लगाने का आग्रह किया। ताकि इनका संरक्षण किया जा सकें। इसके अलावा जिले में बकरी पालन को बड़ावा देने के लिए कृत्रिम गर्भाधान की आवश्यकता हैं।बैठक के प्रारम्भ में केवीके के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आरएल राऊत ने रबी व खरीफ 2024 में सम्पादित व चल रहे कार्यो के विषय में अवगत कराया गया। कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ. एनके बिसेन ने धान रोपाई में श्रमिकों की कमी से बचने के लिए धान बुवाई की डीएसआर विधि के उपयोग के बारे में जोर दिया गया। आत्मा परियोजना संचालक अर्चना डोंगरे ने चना तथा धनिया की अंतरवर्तीय फसल उत्पादन पर जोर देने की बात कहीं। सहायक संचालक उद्यानिकी श्री क्षितिज कराड़े ने जिले में ड्रेंगन फरूट, फुलों की खेती तथा टपक विधि की जरूरत के बारे में बताया।

क्षेत्र के लिए सिरदर्द बना शातिर अपराधी सुमित सेन उर्फ गोलू गिरफ्तार

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में, टी.आई. अरुण पाण्डेय का एक और बडा धमाका?

ब्योहारी। क्षेत्र मे लगातार हो रही चोरियों से लोगो मे दहशत का माहौल ब्याप्त था रोज रोज के चोरियो की खबरो से पुलिस परेशान थी लोगो के जान माल की सुरक्षा के लिए इस शातिर चोर का पकड़ा जाना पुलिस के लिऐ बडी चुनौती पूर्ण कार्य था, लेकिन यहाँ के नगर निरीक्षक अरुण पाण्डेय को शायद ऐसे ही चुनौतिया पसन्द है मुखबिर लगाऐ पाच चोरियों का शातिर चोर आखिरकार पुलिश के हत्थे चढ गया पुलिस ने बताया कि आरोपी से 1 लाख से अधिक के सोने चांदी के जेवर एव अन्य सामग्री बरामद की गई है । प्रेस बिग्यप्ति जारी कर पुलिश ने बताया कि दिनाक 23.07.24 को सूचना दी गई की उसका परिवार घर से बाहर तीर्थ यात्रा पर चला गया था इसी बीच किसी अज्ञात व्यक्ति व्दारा घर का ताला तोड़कर घर मे घुसकर दिनाक 19.07.24 से 21.07.24 के मध्य चोरी कर ली गई है रिपोर्ट पर अपराध सदर कायम कर आरोपी सुमित सेन के कब्जे से चोरी गये सामान में से 01 सोने की लाकेट, 02 नग सोने की गुरिया, 01 जोड़ी घुघरुवाली चांदी का पायल, एक लकड़ी की बनी गुलक जिसके अन्दर पाँच एव दस रुपये का सिक्का रखा हुआ था कीमती 930 रुपये, पान मसाला, सिगरेट आदि कुल कीमती 80 हजार रुपये की सामग्री बरामद की गई है । दिनांक 29.05.2024 को अज्ञात आरोपी के व्दारा उसके घर मे घुसकर चोरी की गई है अपराध सदर कायम कर विवेचना की गई । दिनाक 19.05.24 की रात्रि मे किसी अज्ञात व्यक्ति व्दारा ताला तोडकर घुसकर एक मोबाईल एव नगदी रकम चोरी की गई है कायमी की गई थी । अज्ञात आरोपी की पतारसी कर उक्त आरोपी सुमित सेन के

कब्जे चोरी की गई नगदी रकम बरामद किया गया है। दसई पाल पिता पितरा पाल उम्र 70 वर्ष निवासी ग्राम सूखा की अज्ञात व्यक्ति व्दारा घर मे ताला तोड़कर दिनाक 05.05.24 की रात्रि मे घुसकर चोरी की गई है रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध दिनांक 06.05.2024 को अपराध सदर कायम कर विवेचना की गई । चोरी गई मशरूका मे से गिरफ्तार उक्त आरोपी के कब्जे से जेवरात, घरेलू बर्तन एव 06 नग साड़ी कुल कीमती करीब 10 हजार रुपये का मशरुका बरामद किया गया है । अंकित गुप्ता पिता प्रदीप गुप्ता उम्र 28 वर्ष निवासी वार्ड क्र. 08 ब्यौहारी की रिपोर्ट पर से अज्ञात व्यक्ति व्दारा घर मे घुसकर घरेलू खाने पीने का समान चोरी किया गया है फरियादी की रिपोर्ट पर अपराध सदर कायम कर विवेचना की गई विवेचना के आधार पर उक्त आरोपी के मेमोरण्डम से चोरी किया गया घरेलू खाने पीने का समान कीमती करीबन 5 हजार रुपये का जप्त किया गया है । प्रकरण मे अन्य साथी आरोपी की तलास जारी है । पूछताछ एव थाना रिकार्ड के अवलोकन पर आरोपी को पूर्व मे भी नकबजनी के प्रकरण मे बंद होना पाया गया है । थाना ब्यौहारी व्दारा उक्त आरोपी के कब्जे से एक लाख से अधिक का सोने चांदी के जेवर, बर्तन, घरेलू खाने का समान, साडीं आदि जप्त करने मे सफलता प्राप्त हुई है । उक्त कार्यवाही पुलिस अधीक्षक महोदय शहडोल के निर्देशन मे थाना ब्यौहारी पुलिस व्दारा की गई है जिसमे थाना प्रभारी ब्यौहारी निरीक्षक अरुण पाण्डेय, मोहन पड़वार, विजेन्द्र मिश्रा, रणबहादुर सिंह,नरेन्द्र उपाध्याय, अमृतलाल, गंगासागर गुप्ता की भूमिका रही है ।

राजस्व प्रकरणों का कराएं प्राथमिकता के साथ निराकरण: कलेक्टर

पटवारी अपने-अपने हल्का क्षेत्र में रहें, शिकायत न मिले, अन्यथा होगी कार्यवाही

शहडोल

कलेक्टर तरुण भटनागर ने तहसील ब्यौहारी कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि 31 अगस्त तक चलाए जा रहे राजस्व महा अभियान में नामांतरण, नक्शा तरमीम, बटांकन, अभिलेख दुरूस्ती जैसे अन्य राजस्व प्रकरणों का निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि राजस्व अधिकारी विशेष रूचि लेकर राजस्व अभियान में कार्य करें कोई भी राजस्व प्रकरण लंबित न रहे यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा की निराकृत प्रकरणों में आवेदक के हस्ताक्षर, तिथि व निराकृत

प्रकरणों की सूचना भी आवेदको को दे। कलेक्टर ने तहसील कार्यालय ब्यौहारी में फाइलो को सुव्यवस्थित संधारित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान राजस्व महा अभियान में किये गए नामांतरण, सीमाकंन, अभिलेख दुरूस्ती, नक्शा तरमीम, ई- केवाईसी, बटंवारे, नक्शा तरमीम के लंबित हल्केवार जानकारी, आरसीएमएस पोर्टल, बी-1 का वाचन जैसे राजस्व प्रकरणों के संबंध में तहसीलदार ब्यौहारी से जानकारी प्राप्त तथा राजस्व प्रकरण लंबित होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि राजस्व महा अभियान में बेहतर कार्य करें जिससे कोई भी राजस्व प्रकरण लंबित न रहें।साथ ही कलेक्टर तरुण भटनागर ने तहसील कार्यालय ब्यौहारी के सभागार में राजस्व अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए की राजस्व महा अभियान में बेहतर कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कृत किया जाएगा तथा कार्य न करने वाले राजस्व अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई भी की जाएगी।कलेक्टर ने पटवारी को निर्देश दिए की सभी पटवारी अपने-अपने हल्का क्षेत्र में उपस्थित होकर राजस्व के कार्य करें तथा किसी भी प्रकार की शिकायत न मिले अन्यथा कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि पीएम किसान सम्मन निधि योजना के पात्र हितग्राहियों के आवेदन भी लिए जाए। उन्होंने कहा कि नक्शा तरमीम हेतु पंजी का संधारण भी किया जाए। इसी प्रकार कलेक्टर ने राजस्व महा अभियान में बेहतर कार्य करने के अन्य आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नरेंद्र सिंह धुर्वे, तहसीलदार रोहित सिंह परिहार, आर. आई. पटवारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

साई अस्पताल में फायर सेफ्टी व्यवस्था में लापरवाही

शहडोल । कमिश्नर शहडोल संभाग बी.एस जामोद एवं कलेक्टर तरूण भटनागर के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ए.के. लाल के निर्देश में जिले में अवैध रूप से संचालित क्लीनिकों, पैथालॉजी, अस्पतालों एवं झोलाछाप चिकित्सों के विरुद्ध सतत कार्यवाही की जा रही हैं इसी तरताम्य में गत बुधवार को जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा एवं डॉ. एस.डी. कवर तथा मुख्य खण्ड चिकित्सा

अधिकारी बुढ़ार डॉ. आर. के. वर्मा एवं रूजोपचार टीम द्वारा अमलाई के श्रीवास्तव चौक में स्थित साई अस्पताल एवं वनर्जी होमोपैथी क्लीनिक की जाँच की तथा जाँच में पाया कि अस्पताल में फायर सेफ्टी अलार्म नहीं था साथ ही फायर सेफ्टी सिलेन्डर में अवसान तिथी अंकित नहीं थी अन्य व्यवस्था सही थी इस तरह बनर्जी होमोपैथी क्लीनिक में रजिस्ट्रेशन सहित अन्य व्यवस्थायें सही थी।

कलेक्टर ने सिविल अस्पताल ब्यौहारी का किया निरीक्षण, मरीजो से की चर्चा

शहडोल । कलेक्टर तरुण भटनागर ने सिविल अस्पताल ब्यौहारी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अस्पताल में आए मरीजों से चर्चा की तथा अस्पताल में दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। जिस पर मरीजों ने बताया की हमे समय-समय पर खाने की वस्तुए, दवा व समय पर डॉक्टरों द्वारा उपचार किया जा रहा है। कलेक्टर ने बीएमओ को निर्देश दिए की सिविल अस्पताल ब्यौहारी में आने वाले मरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो तथा मरीजो का उपचार समय पर कराया जाए। कलेक्टर ने ओपीडी पंजीयन कक्ष का निरीक्षण करते हुए कहा कि आने वाले मरीजों की सूची रखे तथा कंप्यूटर की स्थिति भी सही कराए। कलेक्टर ने दवा वितरण कक्ष, माइनर ऑपरेशन थिएटर, जनरल वार्ड, एन.बी.एस.यू.पी.एन.सी. वार्डो का निरीक्षण किया तथा एम्बुलेंस के संबध में भी जानकारी प्राप्त की तथा बीएमओ को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नरेंद्र सिंह धुर्वे, बीएमओ अमित कुमार चौधरी, तहसीलदार रोहित सिंह परिहार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

विकसित भारत का समावेशी बजट-2024 : हिमाद्री सिंह

शहडोल

भारत के लोगों ने बजट भाषण के प्रारम्भ में जब ध्वनि गूंजी तो ऐसा आभास हुआ है जैसे वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन ने विकसित भारत की संकल्पना का उद्घोष करते हुए भारतीय अर्थतंत्र को जनोन्मुखी बनाने के मोदी सरकार के संकल्प का शंखनाद किया हो । अंतरिम बजट से आगे संसद में मोदी सरकार के अपने पूर्ण बजट में समावेशी विकास की संकल्पना की गयी है। वैसे तो 2014 में जब पहली बार नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में सरकार गठित हुयी थी तभी से समाज के वंचित वर्ग के विकास को प्राथमिकता देते हुये देश के सर्वांगीण विकास का मॉडल तैयार किया था। मुझे स्मरण है कि अरूण जेटली ने अपने बजट भाषण में जो प्राथमिकताएं गिनाई थी सरकार ने लगभग सभी को पूर्ण किया है। वित्तमंत्री ने दस साल की सरकार का जो वित्तीय कथानक प्रस्तुत किया है उसमें इस सदी के भारत की विकास गाथा लिखी जायेगी। जब 5 ट्रिलीयन इकॉनामी का जिक्र किया जाता है तो इसे एक नारा नहीं समझना चाहिये। हम उस दिशा में लगातार और सधे हुये कदमों से आगे बढ़ रहे हैं, यह स्पष्ट गोचर होता है। मोदी सरकार ने विकसित भारत के लक्ष्य के लिये विस्तृत रोड मैप प्रस्तुत करने का वचन दिया था। इस कड़ी में 9 प्राथमिकतओं की परिकल्पना की गयी है- कृषि 2. रोजगार 3. मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय 4.विनिर्माण 5. शहरी विकास 6. ऊर्जा सुरक्षा 7. अधोसंरचना 8. नवाचार 9. अगली पीढ़ी में सुधार।सरकार ने समाज के 4 वर्गों गरीब, महिला, युवा और अन्नदाता पर ध्यान केन्द्रित किया है। किसानों को लागत पर कम से कम 50 प्रतिशत मार्जिन देने का वायदा पूरा किया गया है। देश के 80 करोड़ लोगों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना अगले 5 वर्षों के लिये बढ़ा दी गयी है, जिससे 80 करोड़ लोग प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होंगे। शिक्षा रोजगार और कौशल प्रशिक्षण हेतु 1.48 लाख करोड़ रूपये का

प्रावधान रखा गया है।प्राकृतिक खेती, दलहन-तिलहन उत्पादन, सब्जी उत्पादन झींगा उत्पादन जैसे क्षेत्रों में विशेष प्रावधान किये गये हैं।इस बजट में महिलाओं और बेटियों को लाभ देने हेतु रूपये 3 लाख करोड़ का प्रावधान रखा गया है जो आर्थिक विकास में महिलाओं की भूमिका बढ़ाने के प्रति मोदी सरकार की प्रतिबद्धता का संकेत है। वहीं जनजातीय वर्ग की सामाजिक आर्थिक स्थिति में सुधार करने के लिये जनजातीय बहुलता वाले गांवों और आकांक्षी जिलों में विशेष प्रावधान किया गया है। प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान के अन्तर्गत 63000 गांव शामिल होंगे और जनजातीय समुदाय के लगभग 5 करोड़ लोग लाभान्वित होंगे। सरकार ने टैक्स के बोझ को बढ़ाये बिना एक समावेशी बजट प्रस्तुत किया है। एक लोक कल्याणकारी सरकार ने आय के स्त्रोतों का सही नियोजन करते हुये जनता के कल्याण और देश के सरकार नई पेंशन योजना में संशोधन और सुधार पर भी कार्य कर रही है और कर्मचारियों के हितों को अक्षुण्ण रखने हेतु प्रतिबद्ध है। बजट से प्रतीत होता है कि ग्रामीण और शहरी विकास दोनों पर सरकार समान रूप से फोकस कर रही है और विकास की अवधारणा केवल भौतिक विकास नहीं होगा अपितु विकास भी विरासत भी का प्रतिबिम्ब दिखेगा।औषधियों और चिकित्सा उपकरणों को सीमा शुल्क से छूट का प्रस्ताव दिया गया है जो आम भारतीय के प्रति सरकार के दृष्टिकोण का परिचायक है। वहीं सरकार करों को सरल बनाने एवं कर दाता सेवाओं में सुधार करने का प्रयास करेगी।देश को सशक्त बनाने एवं देश वासियों की खुशहाली के लिये उच्चकोटि का वित्तीय प्रबंधन किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाकवि कालिदास की उस व्याख्या को चरितार्थ किया है जिसमें कहा गया है।प्रजानामेव भूत्यर्थं स ताभ्यो बलिम् अग्रहीत।सहस्त्रगुणमुत्स्त्रष्टुम् आदत्ते हि रसं रविः।।अर्थात् राजा अपनी प्रजा से उसी प्रकार कर लिया करते हैं जैसे सूर्य समुद्र से जल लेकर पृथ्वी को वापस कर देता है।

समस्या निवारण षिविर आज मैहर जिले के अमदरा में

सतना। मैहर जिले में राजस्व एवं अन्य समस्त विभागों से संबंधित मैदानी स्तर पर लंबित कार्यों, शिकायतों एवं प्रकरणों के निराकरण के लिए तीनों विकासखण्ड की क्लस्टर ग्राम पंचायतों में शिविर लगाये जा रहे हैं। 12 अगस्त को गोरसरी तथा 2 सितंबर को बाइटमा ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित होंगे।

इशितहार

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है की मेरे द्वारा पीएनबी मेट लाइफ से पॉलिसी क्रमांक 20853863 ली गई थी जिसमें त्रुटिवस मेरा नाम सावित्री की जगह सुवित्री नाम लिख दिया गया है जबकि मेरा आधार कार्ड वा बैंक पासबुक मेँ नाम आधार के हिसाब से दर्ज है अतः मेरी उक्त पॉलिसी में मेरा नाम सुवित्री की जगह सावित्री दर्ज किया जाये तथा मुझे इसी नाम से जाना वा पहचाना वा पढ़ा लिखा जाये

प्रार्थी
सावित्री

जर्जर मकान तोड़ने पहुंची नगर निगम की टीम, महिला ने किया हंगामा

बेघर करने के लगाए आरोप, संजीवनी नगर क्षेत्र का मामला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बारिश के मौसम में एक मकान को तोड़ने पहुंची नगर निगम की टीम को एक महिला के गुस्से का सामना उस दौरान करना पड़ा। टीम को देख महिला घर से बाहर निकलने को तैयार नहीं हुई, जिसके बाद नगर निगम की टीम ने महिला को जबरन घर से बाहर किया गया और फिर मकान तोड़ने की कार्रवाई की गई। जानकारी के मुताबिक नगर निगम कमिश्नर को सूचना मिली की संजीवनी नगर हरदौल मंदिर के पास एक जर्जर मकान में 45 वर्षीय महिला अकेले रह रहीं हैं। अगर महिला को बाहर नहीं निकाला गया तो बढ़ा हादसा हो सकता हैं। मकान कभी भी गिर सकता हैं। मामले की जानकारी लगते ही निगमायुक्त ने तुरंत एक टीम भेजी और महिला को घर से बाहर जाने को कहा। महिला का कहना था कि सिर छिपाने के लिए एक मात्र यहीं सहारा हैं। निगम अधिकारियों ने महिला को समझाया कि यहां रहना खतरे से खाली नहीं हैं। महिला को जर्जर मकान से बाहर निकालकर निगम ने मकान तोड़ने की कार्रवाई की।

नहीं बचा रहने का ठिकाना

महिला ने आरोप लगाते हुए कहा कि जिस मकान में वह रह रहीं थी, उसमें आधा जर्जर था और आधा ठीक था। लेकिन इसके बाद भी मकान को तोड़ा गया। महिला ने कहा कि निगम टीम ने सामान बाहर निकालने का मौका भी नहीं दिया। महिला का कहना हैं कि नोटिस देने के बाद निगम की टीम घर पहुंची और मकान तोड़ना शुरू कर दी। महिला मीरा ने बताया कि मकान टूटने के बाद अब उसके पास रहने को जगह नहीं बचा है।

निगमायुक्त ने की अपील

इधर मामले को लेकर निगमायुक्त प्रीति यादव ने कहा कि शहर में इन दिनों भारी बारिश हो रही है। जिसके चलते शहर में जर्जर मकानों को चिन्हित कर उन्हें जमींदोज करने का काम किया जा रहा है। बुधवार को सूचना मिली थी कि शाही नाका का हरदौल मंदिर के पास रहने वाली मीरा नाम की महिला एक जर्जर मकान में रह रही है जैसे कि तोड़ना जरूरी है। अगर मकान को नहीं तोड़ा गया तो कभी भी एक बड़ा हादसा हो सकता है लिहाजा नगर निगम की टीम जब मौके पर पहुंची तो देखा कि मकान पूरी तरह से जर्जर हो चुका था। जिसके चलते मकान को तोड़ा गया है । निगमायुक्त के मुताबिक महिला का मकान तोड़ने के बाद उन्हें फिलहाल सामुदायिक केंद्र में रखा गया। जल्द ही आवास योजना के तहत उन्हें मकान बनवा के दिया जाएगा। निगम कमिश्नर ने जबलपुर शहरवासियों से भी अपील की है कि कोई भी जर्जर मकान में अगर रह रहा है तो तुरंत इसकी सूचना नगर निगम को दे सकता है क्योंकि उनकी जरा सी लापरवाही के चलते बड़ा हादसा हो सकता है, इतना ही नहीं जान भी जा सकती है।

राहत शिविरों में लोगों का डेरा, उफान पर हिरण नदी

हरदी गांव का मामला, मौके पर तैनात टीमें

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। हरदी (कुकर्रा) गांव में बनी जलप्लावन की स्थिति में गुरूवार कुछ सुधार हुआ है। घरों में घुसा पानी कुछ कम जरूर हुआ, लेकिन सडकों में 3 से 4 फुट पानी भरा है। गांव में हालत सुधरने में एक दो दिन लग जाएंगे। जलप्लावन में फंसे 70 ग्रामीणों को कुम्ही हाई स्कूल में प्रशासन द्वारा बनाए गए राहत शिविर में सुरक्षित ठहराया गया है, जहां उन्हें मेडिकल टीम से दवाएं और ग्राम पंचायत से भोजन की व्यवस्था कराई गई है।

अभी भी डूबे कच्चे घर

हरदी (कुकर्रा) गांव में घरों में घुसा बारिश का पानी एक से 2 फुट ही कम हुआ है। कई कच्चे घर अभी भी डूबे हुए हैं। और कई गिर चुके हैं घरों में रखा अनाज, कपडे ओर गृहस्थी का दूसरा सामान बारिष के पानी में बर्बाद हो गया है। पीडित अपने घरों और सामान बर्बाद होने दुखी हैं। अभी भी हिरन नदी अपने रोद् रूप पर है, मझगवां घाट के पुराने पुल के ऊपर 20 फीट ऊपर पानी बह रहा है। जिस कारण सिहोरा तहसील के कई गांव प्रभावित हुए हैं। लोगों के धान के रोपा डूब चुके हैं भाई किस की परेशानी दुगनी हो गई है धान के रोपा भी नहीं लग पा रहे हैं।

प्रशासन-पुलिस का अमला तैनात

जलप्लावन और बाढ को देखते हुए एसडीएम रूपेष सिंघई के निर्देष पर नायब तहसीलदार जयभान सिंह उईके, पटवारी और आरआई के साथ सिहोरा एस डी ओ पी पारुल शर्मा मझगवां थाने का पुलिस बल हरदी (कुकर्रा) गांव में तैनात है। इसके साथ ही पीडित परिवारों को मेडिकल टीम द्वारा इलाज और दवाएं दी जा रही हैं। गांव के चारों तरफ कोटवारों की तैनानी की गई है, ताकि कोई जनहानि न हो।

मायके से वापस नहीं लौटी पत्नी पति ने जहर खाकर की आत्महत्या

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। एक 25 वर्षीय युवक ने ससुराल से लौटकर आत्महत्या कर ली। मृतक ने आत्महत्या से पहले वीडियो बनाकर मौत का जिम्मेदार सास–ससुर को ठहराया है। जानकारी के मुताबिक कटरा बेलखेड़ा गांव का रहने वाला संदीप चौधरी पेशे से मजदूर था। 4 साल पहले उसकी शादी जटवा गांव में हुई थी। डेढ़ साल का बेटा है। बताया जा रहा है कि 21 जुलाई को ससुराल से वह घर लौटा। परिजन ने घर के बाहर बेसुध हालत में देखकर उससे पूछताछ की, इसका वीडियो बनाया। संदीप ने परिवार से कहा, सास–ससुर के पीछे हमने जहर खा लिया। सास, ससुर, ममिया ससुर, मौसिया ससुर इसके जिम्मेदार हैं। इस मामले को लेकनर एएसपी सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि युवक के परिवार वाले पुलिस को बिना सूचना दिए इलाज के लिए पहले पाटन स्वास्थ्य केंद्र और फिर मेडिकल कॉलेज ले गए। यहां उसकी मौत हो गई। आज उसके पिता ने जानकारी दी है। मेडिकल कॉलेज से मर्ग डायरी मंगवाई जा रही है, इसके साथ पीएम रिपोर्ट को भी देखा जाएगा, अभी तक किसी ने इस मामले में शिकायत भी दर्ज नहीं करवाई है। पाटन थाना प्रभारी को जांच कर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं।

वीडियो बनाकर सास-ससुर को ठहराया जिम्मेदार, बेलखेड़ा का मामला

महाकोशल चेम्बर के पदाधिकारियों ने पुलिस कप्तान से की भेंट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। महाकोशल चेम्बर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष रवि गुप्ता के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल औद्योगिक क्षेत्र आधारताल में स्थित फैक्ट्री में हुई दुर्घटना के परिपेक्ष्य में पुलिस कप्तान से मुलाकात कर निवेदन किया गया कि औद्योगिक गतिविधियों में घटना–दुर्घटना अवश्यशम्भावी है। उद्योगपति अपराधी की श्रेणी में नहीं आता अतः पुलिस विभाग द्वारा सहानुभूतिपूर्वक व्यौवहारिक पक्ष को दृष्टिगत रखते हुए कार्यवाही करें द्य जबलपुर में कार्यरत हजारों उद्योगों में इस बात से चिंता एवं भय का वातावरण निर्मित है कि फैक्ट्री में कार्य के दौरान दुर्भाग्यपूर्ण घटना कहीं अपराध के तहत कार्यवाही का दायी न बन जायें द्य प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक महोदय से शीघ्र ही जांच एवं विवेचना कार्यवाही पूर्ण कर प्रकरण का निराकरण करने का अनुरोध किया है द्य पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा विवेचना कार्यवाही में संबंधित उद्योग से सहयोग प्रदान करने की अपेक्षा रखते हुए विभाग द्वारा उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया गया द्य चेम्बर प्रवक्ता हेमराज अग्रवाल द्वारा बतलाया गया कि विगत 18 जुलाई को अधारताल में सूर्या बायोटेक प्रोडक्टस फैक्ट्री जिसमें आयरन एवं स्टील के रीसाइकलिंग का कार्य होता है एवं कच्चे माल को शासकीयए अर्द्धशासकीय एवं प्राइवेट फैक्ट्री से अनुपयोगी वस्तु का क्रय कर विधिवत छंटाई आदि कर उनको रोलिंग मिलों को आवश्यकतानुसार लम्प्स बनाकर सप्लाई किया जाता है द्य इसी क्रम में 18 जुलाई को छंटाई के दौरान डिब्बें में विस्फोट में एक कार्यरत व्यक्ति घायल हुआ जिसकी चिकित्सा के दौरान मृत्यु हो गई जो कि दुखद घटना है। प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष रवि गुप्ता, उपाध्यक्ष हेमराज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष युवराज जैन गढ़वाल आदि ने पुलिस विभाग से औद्योगिक शांति एवं भयमुक्त वातावरण निर्मित करने की अपील की है।

विदाई समारोह का आयोजन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। हाल ही में गृह मंत्रालय भोपाल द्वारा जारी पदोन्नति सूची में पुलिस थाना गोसलपुर में पदस्थ रहे एसआई अनिल मिश्रा की टीआई पद पर पदोन्नति के पश्चात पुलिस थाना प्रभारी गोसलपुर के संयोजन में निजी होटल में विदाई समारोह आयोजित किया गया जिसमें समस्त पुलिस स्टाफ व क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों द्वारा विदाई दी गई। साथ ही उनके कार्यकाल व उपलब्धियां की चर्चा की गई। इस मौके पर टीआई अनिल मिश्रा ने कहा की मुझे इस बस्ती व क्षेत्र से जो स्नेह प्रेम और सहयोग मिला वह हमेशा याद रखा जावेगा। इस मौके पर थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह मर्सकोले, जनपद सदस्य धर्मेंद्र सिंह राजपूत आदि उपस्थित रहे।

मेडिकल कॉलेज के पास सट्टा-पट्टी लिखते पुलिस ने दबोचा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गढ़ा थाना प्रभारी नीलेश दोहरे ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि मेडिकल कॉलेज गेट नम्बर 2 के बाजू से टपरे में एक व्यक्ति अवैध रूप से सट्टा पट्टी लिखकर अवैध लाभ अर्जित कर रहा है। सूचना पर मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई। जहां मुखबिर के बताये हुलिये का व्यक्ति सट्टा पट्टी लिखते दिखा। जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया नाम पता पूछने पर अपना नाम संजय ठाकुर उम्र 51 वर्ष निवासी छोटीलाईन फाटक नरसिंह मंदिर के पास मदनमहल बताया, जिसके कब्जे से 4 नग सट्टा पट्टी एवं 4 हजार 900 रूपये जप्त करते हुये सट्टा पट्टी लिखने के संबंध में पूछताछ करने पर विजय यादव के कहने पर लगभग 10–12 दिन से सट्टा पट्टी लिखना एवं सट्टा पट्टी का पूरा हिसाब शाम को विजय यादव को देना जिसके एवज मे विजय यादव द्वारा 500 रूपये प्रतिदिन देना बताया। आरोपी विजय यादव की तलाश की गई जो नहीं मिला। सटोरियों के विरूद्ध कार्यवाही की गई।

31 को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक 31 जुलाई को दोपहर 12.30 बजे कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में होगी। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर दीपक सक्सेना करेंगे। सभी सबंधित विभागों के अधिकारियों को जरूरी जानकारियों सहित बैठक में अनिवार्य रूप से मौजूद रहने कहा गया है।

घर से सोने-चांदी के जेवर उड़ा ले गए चोर

जबलपुर । शहपुरा थाने में निरंजन सिंह राजपूत उम्र 51 वर्ष निवासी ग्राम ठूठा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि खेती किसानी करता है। विगत 24 जुलाई को रात के वक्त वह खाना खाकर परिवार सहित घर की परछी में सो गया था। सुबह लगभग 4 बजे उठकर देखा घर के कमरे का दरवाजा खुला था। अंदर जाकर देखा कमरे में रखी लकड़ी की आलमारी खुली थी और ताला टूटा था। आलमारी में रखे सोने के जेवरात चैक करने पर सोने के जेवर करधन, कंगन, बड़ा हार, चैन, चार जोड़ी कान के बाला, बाजू बंद, 4 अंगूठी, एक रानीहार, गायब थे कोई अज्ञात चोर घर मे घुसकर आलमारी का ताला तोड़कर चोरी कर ले गया है । पुलिस ने मामले को विवेचना में लिया है।

हाईस्कूल शिक्षकों के रिकॉर्ड पेश करने हाईकोर्ट का आदेश

जबलपुर। मध्यप्रदेश में हाईस्कूल शिक्षकों के रिकॉर्ड पेश करने मप्र हाईकोर्ट ने आदेश दिये है। दरअसल यह आदेश हाईकोर्ट में दायर एक याचिका पर दिए गए है। मामला शिक्षा विभाग एवं ट्राइबल वेलफेयर डिपार्टमेंट द्वारा की गई शिक्षकों की भर्ती से जुड़ा हुआ है। जानकारी के मुताबिक उच्च माध्यमिक शिक्षक के पदों पर हजारों नियुक्तियां हुई है। स्नातकोत्तर में 45 से 50 फीसदी अंक लाने वाले अभ्यर्थियों को भी नियुक्ति दे दी गई है। जिसको लेकर हईकोर्ट को याचिकाकर्ता ने बताया कि एनसीटीई के नियमों के विपरीत जाकर नियुक्ति की गई है। मप्र शिक्षक भर्ती नियम 2018 की संवैधानिकता को याचिका में चुनौती दी गई है। मामले में अगली सुनवाई 20 अगस्त को होगी।

78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां हुई तेज

अपर कलेक्टर ने की अधिकारियों के साथ बैठक

जबलपुर। स्वतंत्रता दिवस पर जिला मुख्यालय पर आयोजित किये जाने वाले जिले के मुख्य समारोह की तैयारियों को लेकर गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अपर कलेक्टर मिशा सिंह की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। बैठक में स्वतंत्रता दिवस समारोह के गरिमामय आयोजन को लेकर अधिकारियों को दायित्व सौंपे गये। बैठक में बताया गया कि राष्ट्र के 78वें स्वतंत्रता दिवस पर जिले का मुख्य समारोह जिला मुख्यालय स्थित पुलिस लाइन ग्राउंड पर आयोजित किया जायेगा। समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण किया जायेगा तथा परेड की सलामी ली जायेगी। समारोह में सुरक्षाबलों की टुकड़ियां मार्च पास्ट प्रस्तुत करेंगीए स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जायेगी तथा विशिष्ट उपलब्धियों के लिये कर्मचारियों–अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किये जायेंगे। अपर कलेक्टर ने बैठक में सभी अधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारियों को समय रहते पूरा करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने बारिश की संभावनाओं को देखते हुये समारोह स्थल पर सभी जरूरी व्यवस्थायें सुनिश्चित करने की हिदायत भी अधिकारियों को दी। समारोह में प्रस्तुत किये जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के चयन के लिये समिति बनाने तथा स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिये। अपर कलेक्टर ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं उनके परिजनोंए लोकतंत्र रक्षक सेनानियों तथा आमंत्रित एवं विशिष्ट अतिथियों की बैठक व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान की जरूरत बताई।

224 चार पहिया वाहनो से पुलिस ने निकलवाई ब्लैक फिल्म

वसूला एक लाख से अधिक का जुर्माना

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। अधिकांशत: आपराधिक घटनाओं में डार्क काली फिल्म वाले वाहनों का उपयोग किया जाता है। नियमानुसार फ्रंट एवं रीयर के शीशों पर 70 प्रतिशत एवं साईड के शीशों पर 50 प्रतिशत विजिबिलिटी होना चाहिये। जिसे ध्यान मे रखते हुये पुलिस कप्तान आदित्य प्रताप सिंह द्वारा अभियान के रूप में शहर में काली फिल्म लगाकर चलने वाले वाहनों के खिलाफ कार्यवाही किये जाने हेतु आदेशित किये जाने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर सोनाक्षी सक्सेना, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक समर वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) प्रदीप कुमार शेण्डे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण)सूर्यकांत शर्मा आदि के निर्देशन में थाना प्रभारियों कें द्वारा कार्यवाही कराते हुये 224 चार पहिया वाहनों में लगी ब्लैक फिल्म निकलवाते हुये वाहन चालको के विरूद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 1 लाख 12 हजार रूपये समन शुल्क वसूला गया है ।

अवैध रूप से शराब बेचते पुलिस ने पकड़ा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गढ़ा थाना प्रभारी नीलेश दोहरे ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि साहू मोहल्ला शारदा चौक के पास निक्की ब्वायेज हास्टल साहू मोहल्ला में छत के उपर एक व्यक्ति अपने पास थैले में शराब लिये बेचने की फिराक में खडा है सूचना पर मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई जहां मुखबिर के बताये हुलिये का व्यक्ति पास में थैला रखे खडा दिखा जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया जिसने नाम पता पूछने पर अपना नाम गौरव झारिया उर्फ अतुल उम्र 21 वर्ष निवासी साहू मोहल्ला निक्की रजक का मकान शारदा चौक बताया जिसके पास रखे थैले में देशी शराब के 159 पाव रखे मिले जिसे जप्त करते हुये आरोपी के विरूद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

राजस्व महाअभियान 2.0 की प्रगति का संभागायुक्त, कलेक्टर ने लिया जायजा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संभागीय कमिश्नर अभय वर्मा और कलेक्टर दीपक सक्सेना ने गुरूवार को तहसील आधारताल, सिहोरा और मझौली पहुंचकर राजस्व महाअभियान 2.0 की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि राजस्व महाअभियान के सभी घटकों में प्रगति लायें और रैंकिंग सुधारे। अभियान मुख्यन रूप से आम जनता से संबंधित है, अत: परेशानी को देखकर तत्परता से कार्य करें। लोगों के राजस्व संबंधी समस्याओं का निराकरण करें। नामांतरण, बटवारा, रिकॉर्ड सुधार, नक्शा तरमीम, न्यायालय का निरीक्षण और किसानों के ई–केवाईसी व खसरा लिंकिंग का कार्य 31 अगस्त के पूर्व सुनिश्चित कर लें। ई–केवायसी और खसरा लिंकिंग पर विशेष ध्यान देकर शतप्रतिशत पूरा करें। इस दौरान उन्होंने इस कार्य में आने वाली समस्याओं की जानकारी लेकर उनके समाधान के उपाय भी बताए। उन्हों ने कहा कि पटवारी गांव में जायें और ई–केवायसी और खसरा लिंकिंग करायेंए जिससे किसानों को सम्मोन निधि का लाभ मिल सके। उन्होंऔने कहा कि ई–केवायसी और खसरा लिंकिंग के कोई भी प्रकरण पेंडिंग नहीं रहना चाहिए। साथ ही अभियान अंतर्गत राजस्व प्रकरणों का निराकरण करें, क्योंकि यह सरकार की उच्चथ प्राथमिकता में है। इस दौरान कहा गया कि एमपी ऑनलाईन और सीएसके के कियोस्को में नि:शुल्क ई–केवायसी और खसरा लिंकिंग करायें। इसके लिए राजस्व विभाग द्वारा एमपीएसईडीसी के माध्यम से निर्धारित राशि 18 रूपये प्रदान की जायेगी।

लापरवाही बरतने पर गिरेगी गाज

निरीक्षण के दौरान संबंधित एसडीएम और तहसीलदारों से कहा कि वे शिविर आयोजित करें, पटवारियों की बैठक कर लक्ष्यस दें, उन्हें गांवो में भेजें और अभियान के उद्देश्यक को शतप्रतिशत पूरा करायें। उन्होंने कहा कि जो भी कर्मचारी–अधिकारी इसमें लापरवाही करेंगे उनके विरूद्ध सख्त अनुशासनात्मुक कार्यवाही की जायेगी।

3 मौतों का जिम्मेदार कौन ?

आईडीएसपी अनिल सिंह मीटिंग में रहे व्यस्त, कलेक्टर को जानकारी मिलने पर तुरंत भेजी टीम

छोटे कर्मचारी पर गिरी गाज. बड़ो को अभयदान

उमरिया (स्वतंत्र मत)।

गुरुवार 25 जुलाई को उस समय हड़कंप मच गया जब डायरियां बीमारी से 3 व्यक्ति की मौत का पता चला। कलेक्टर को मामले की जानकारी लगते ही तुरंत स्वास्थ्य विभाग को टीम के जाने का आदेश दिया।

जिले में करकेली जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम बेलसरा एवं करही मे डायरिया बीमारी के प्रकोप की सूचना मिलते ही कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने जिला स्तर से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा संतोष चौधरी तथा बीएमओ करकेली को दल बल तथा दवाईयों के साथ ग्राम बेलसरा तथा करही के लिए रवाना किया है। दल संबंधित ग्रामों मे पहुंचकर घर घर संपर्क कर चिकित्सा करना प्रारंभ कर दिए है । ग्राम बेलसरा एवं करही में डायरिया बीमारी के फैलने पर चिकित्सा हेतु वहां के ग्रामीण जन डिण्डौरी जिले के शहपुरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे चिकित्सा के लिए रवाना हुए है, उनमे से करही ग्राम के एक व्यक्ति की चिकित्सा के दौरान मृत्यु हो गई है। दो व्यक्ति की मौत ग्राम बेलसरा मे ही हुई हैं। कलेक्टर ने पूरी घटना की जांच तथा चिकित्सा व्यवस्था हेतु एसडीएम पाली टीआर नाग तथा तहसीलदार करकेली लक्ष्मी वर्मा , तहसीलदार नौरोजाबाद अभ्यानंद शर्मा को घटना स्थल पर पहुंचने के निर्देष दिए थे। सभी अधिकारी घटना स्थल पर पहुंचकर बचाव प्रारंभ कर दिया है। कलेक्टर व्दारा यह भी निर्देष दिए गए थे कि जो मरीज गंभीर रूप से पीडित है उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं जिला चिकित्सालय उमरिया एंबुलेंस के माध्यम से भेजा जाए। अभी तक चार मरीजों को जिला चिकित्सालय उमरिया मे भर्ती कराया गया है। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने डायरिया प्रकोप की समय पर सूचना नही देने के कारण संबंधित क्षेत्र के सेक्टर सुपरवाईजर तथा एएनएम के विरूध्द निलंबन की कार्यवाही करने के निर्देष मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दिए है।

जबकि ये काम जिला स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत संविदा एपिडेमियोलॉजीष्ट, आईडीएसपी अनिल सिंह का है जिनका काम गाँवो में फैल रही बीमारियों का सर्वे करे और आंकड़े एकत्रित कर अपने अधिकारियों को सूचित कर बीमारी को रोकने का उपाय और प्रयास करना चाहिए लेकिन उमरिया में तो ठीक इसके विपरीत हो रहा है और जिसका ये काम था उसे तो पता ही नही है उमरिया में बीमारी से 3 लोग मर गये..! जब गुरुवार 25 जुलाई को दोपहर लगभग 2 बजे स्वतंत्र मत ब्यूरो चीफ इस मामले की जानकारी लेने जिला चिकित्सालय गए तो अनिल सिंह मीटिंग में व्यस्त रहे .! क्योंकि सीएमएचओ चौधरी जी अब अनिल सिंह को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की कमान सौप दी है और वे अब साहब हो गए हैं और मीटिंग में व्यस्त है ऐसे में जो काम अनिल सिंह का था वो न करके मीटिंग मे व्यस्त हैं और स्वास्थ्य विभाग को 3 मौतों की जानकारी ही नही.! अब सवाल सीएमएचओ की कार्यप्रणाली पर भी उठ रहा है..! आखिरकार इन तीन मौतों का जिम्मेदार

कौन होगा..? सीएमएचओ याराना निभाने के चक्कर मे एक संविदा कर्मचारी को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की कमान सौंपी दी है। जबकि अनिल सिंह ने अपने वास्तविक कार्य न करके दायित्वों का निर्वाहन नही किया गया है..! जब सब काम कलेक्टर को ही करना है तो फिर स्वास्थ्य विभाग क्या कर रहा है..? कलेक्टर के कहने पर स्वास्थ्य विभाग जागा और सीएमएचओ 2 कर्मचारी को लेकर गए और आईडीएसपी मीटिंग में लगे रहे..! वही अब स्वास्थ्य विभाग अपने बचाव में लग गया है और इन मौतों की गाज छोटे स्वास्थ्य कर्मियों पर गिरनी तय है। वही कलेक्टर के आदेश पर अब स्वास्थ्य विभाग छोटे कर्मचारियों पर कार्यवाही कर बड़े और जिम्मेदार अधिकारियों को बचाने में जुड़ गया.!

सेक्टर सुपरवाईजर को कलेक्टर ने किया निलंबित

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने आर पी सिंह सेक्टर सुपरवाईजर सेक्टर घुलघुली को मध्यप्रदेष सिविल सेवा नियम मे प्रदत्त शक्तियो को प्रयोग मे लाते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी विकासखण्ड करकेली नियत किया गया है।

विदित हो कि जिले कें करकेली जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम बेलसरा मे दो व्यक्ति एवं करही मे एक व्यक्ति की मौत डायरिया बीमारी के प्रकोप हो गई है। जिसकी जांच हेतु स्वास्थ्य एवं राजस्व अधिकारियो की टीम भेजी गई। क्षेत्र मे डायरिया उल्टी दस्त व अन्य बीमारियो के प्रकोप के संबंध में सूचना करने का प्रथम दायित्व सेक्टर सुपरवाईजर का होता है, किंतु सेक्टर सुपरवाईजर सेक्टर घुलघुली व्दारा अपने पदीय दायित्वो का निर्वहन नही किया जाना पाया गया। आरपी सिंह सेक्टर सुपरवाईजर घुलघुली का उक्त कृत्य अपने पदीय दायित्वो के प्रति लापरवाही, उदासीनता, स्वेच्छाकारिता एवं अनुषासन हीनता का परिचायक है , जो मप्र सिविल सेवा आचरण नियम के विपरीत होकर कदाचरण की श्रेणी मे आता है।

कलेक्टर ने सीएचओ, एएनएम को तीन दिवस के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के दिए निर्देष

जिले कें करकेली जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम बेलसरा मे दो व्यक्ति एवं करही मे एक व्यक्ति की मौत डायरिया बीमारी के प्रकोप से होने पर कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने श्रीमती मीनाक्षी मालव संविदा एनएचएम विकासखण्ड करकेली, कंचन सिंह एएनएम (संविदा) एनएचएम सब हेल्थ सेंटर बोदली से कहा है कि उक्त कृत्य के लिए आपके संविदा शर्तो मे निहित प्रावधान अनुसार संविदा समाप्ति की कार्यवाही की जाए। इस संबंध में तीन दिवस के अंदर उत्तर समक्ष मे प्रस्तुत करने के निर्देष दिए गए है। उत्तर समाधान कारक नही पाए जाने पर एक पक्षीय कार्यवाही करते हुए संविदा सेवा समाप्त किए जाने की कार्यवाही की जाएगी। जिसके लिए आप स्वयं जिम्मेदार होगे ।

विदित हो कि जिले कें करकेली जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम बेलसरा मे दो व्यक्ति एवं करही मे एक व्यक्ति की मौत डायरिया बीमारी के प्रकोप हो गई है। श्रीमती मीनांक्षी मालव संविदा, कंचन सिंह एएनएम (संविदा) एनएचएम सब हेल्थ बोदली की एएनएम है। इस कार्य मे लापरवाही बरतने पर यह स्थिति निर्मित हुई है। इनके व्दारा उक्त स्थिति से वरिष्ठ कार्यालय को अवगत नही कराया गया। आपका उक्त कृत्य वरिष्ठ अधिकारियों के आदेष, निर्देषों की अवहेलना करने एवं अपने पदीय दायित्वो के प्रति लापरवाही, उदासीनता, स्वेच्छाकारिता एवं कर्तव्य विमुखता का परिचायक है जो मप्र सिविल सेवा आचरण नियम के विपरीत होकर कदाचरण की श्रेणी मे आता है।

नीट-यूजी घोटाले तथा जबरन बिजली मीटर बदलने के विरोध में 31 को कलेक्ट्रेट का घेराव करेगी कांग्रेस

उमरिया। नीट-यूजी परीक्षाओं मे हुए घोटाले तथा जबरन बिजली के मीटर बदले जाने के विरोध मे कांग्रेस द्वारा आगामी 31 जुलाई को पूर्वान्ह 11 बजे कलेक्ट्रेट का घेराव किया जायेगा। जिसमे सभी ब्लाकों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे। प्रदर्शन को प्रभावी ढंग से संपन्न कराने गत दिवस जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक अध्यक्ष अजय सिंह की अध्यक्षता मे संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि भाजपा के राज मे नीट, यूजी, नर्सिंग तथा यूपीएससी जैसी परीक्षाओं मे बडे पैमाने पर धांधलियां की जा रहीं है, जिसकी वजह से बच्चों का भविष्य संकट मे पड गया है। राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठापूर्ण परीक्षाओं मे गडबडियां होने से उनकी विश्वसनीयता कम हुई है, वहीं छात्रों तथा अभिभावकों मे धोर निराशा है। ऐसे मसले पर चर्चा कराने की बजाय मोदी सरकार आरोपियों को बचाने मे लगी हुई है। इतना ही नहीं ऐसे जघन्य कृत्य के विरूद्ध आवाज उठाने वाले कांग्रेस नेताओं पर बर्बर कार्यवाही की जा रही है। पूर्व विधायक अजय सिंह ने कहा कि एक ओर जनता मंहगाई से परेशान है तो दूसरी ओर सरकार लगातार उसका शोषण कर रही है। हाल ही मे मण्डल ने बिजली के मीटर बदलने की मुहिम शुरू की है। उन्होने बताया कि बिजली के ये मीटर अडानी जैसे उद्योगपतियों से खरीदे गये हैं। जो आम मीटर की तुलना मे चार गुना रफ्तार से दौडते हैं। जिन लोगों के यहां समार्ट मीटर लगे हैं, उनके बिल दोगुने हो गये हैं। कांग्रेस नेता का आरोप है कि बिजली विभाग के कर्मचारी घरों मे घुस कर जबरन पुराने मीटर उखाड कर नये ठोंक रहे हैं। इसका विरोध करने पर कनेक्शन काटने की धमकी दी जाती है। जनता के सांथ हो रहे अन्याय नीट-यूजी घोटाले तथा जबरन बिजली मीटर बदलने के विरोध मे कांग्रेस द्वारा 31 जुलाई को कलेक्ट्रेट के समक्ष धरना प्रदर्शन तथा घेराव किया जायेगा। विरोध प्रदर्शन मे जिले भर के कार्यकर्ता शामिल होंगे।

पार्टी की बैठक में हुआ निर्णय, सभी ब्लाकों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता होंगे प्रदर्शन मे शामिल

मादा एनाफिली मच्छर के काटने से होती है मलेरिया की बीमारी

सतना। मौसम में बदलाव से मच्छरजनित बीमारियों से बचाव के लिए जिले में निरंतर जन-जागरूगता कार्य किया जा रहा है। मच्छरजनित बीमारियों में मलेरिया सबसे प्रचलित बीमारी है। यह बीमारी मादा एनाफिली मच्छर के काटने से होती है। ठंड लगकर बुखार आना मलेरिया का प्रमुख लक्षण हैं। मलेरिया की जांच एवं दवाईयां सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में नि:शुल्क प्रदान की जाती है। मलेरिया के इलाज के लिए प्रमाणिक एवं सुरक्षित दवाएं उपलब्ध हैं। मच्छरों से होने वाली बीमारी डेंगू की पहचान सही समय पर ना किये जाने पर घातक रूप ले सकती है। यह बीमारी एडीज मच्छर के काटने से फेलती है। जब कोई एडीज मच्छर डेंगू के किसी रोगी को काटता है तो वह उस रोगी का खून चूसता है। खून के साथ डेंगू वायरस भी मच्छर के शरीर में प्रवेश कर जाता है। मच्छर के शरीर में डेंगू वायरस का कुछ और दिनों तक विकास होता है। जब डेंगू वायरस युक्त मच्छर किसी अन्य स्वस्थ व्यक्ति को काटता है तो वह डेंगू वायरस को उस व्यक्ति के शरीर में पहुँचा देता है । इस प्रकार वह व्यक्ति डेंगू वायरस से संक्रमित हो जाता है तथा कुछ दिनों के बाद उसमें डेंगू बुखार रोग के लक्षण प्रकट हो सकते हैं। जिस दिन डेंगू वायरस से संक्रमित कोई मच्छर किसी व्यक्ति को काटता है तो उसके लगभग 3-5 दिनों बाद ऐसे व्यक्ति में डेंगू बुखार के लक्षण प्रकट हो सकते हैं। यह संक्रामक काल 3-10 दिनों तक भी हो सकता है।

मलेरिया की जांच एवं दवाईयां सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में नि:शुल्क

मौसम में बदलाव से बीमारियों के लिए खतरा बनता है, जिनमें मच्छरों से होने वाली बीमारियां प्रमुख हैं। बारिश के मौसम में पानी के जमा होने एवं गंदगी होने के कारण मच्छरों का पनपना आसान होता है। मच्छरों के काटने से डेंगू, मलेरिया, चिकिनगुनिया जैसी बीमारियां होती हैं जो कि कई बार गंभीर भी हो सकती हैं। जिसके अंतर्गत डेंगू, चिकिनगुनिया, मलेरिया जैसी संक्रमण बीमारियों से बचाव के उपाय बताए जाएंगे। डेंगू बुखार के लक्षण इस बात पर निर्भर करेंगे कि डेंगू बुखार किस प्रकार का है। डेंगू बुखार तीन प्रकार के होते हैं। साधारण डेंगू बुखार, डेंगू हेनरेजिक बुखार, डेंगू शॉक सिन्ड्रोम, यदि डेंगू हेमरेजिक बुखार, डेंगू शॉक सिन्ड्रोम का तुरन्त उपचार शुरू नहीं किया जाता है तो वे जानलेवा सिद्ध हो सकते हैं। चिकिनगुनिया भी एडिज मच्छर से होने वाली बीमारी है। मच्छर को पनपने से रोकना एवं मच्छरों से स्वयं को बचाना इन बीमारियों से बचने का सबसे आसान उपाय है। पानी के भराव को रोकना, आसपास के परिवेश में स्वच्छता का निर्माण, मच्छरदानी का उपयोग इत्यादि बेहद सरल उपाय हैं जो कि मच्छरों से एवं उनसे होने वाली बीमारियों से बचाव कर सकता है।

मैहर अपर कलेक्टर ने जरियारी और डेल्हा ग्रामीण क्षेत्र का किया निरीक्षण

सतना। मैहर अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह ने गुरूवार को मैहर जिले के ग्रामीण क्षेत्र में ब?ते उल्टी दस्त के मामले को देखते हुए प्रभावित ग्रामीण क्षेत्र जरियारी और डेल्हा का औचक निरीक्षण किया। साथ ही अपर कलेक्टर ने पीड़ितों को डब्ल्यूओआरएस का घोल पिलाया। इस दौरान एक पीड़ित महिला को इलाज के लिए मैहर सिविल अस्पताल रेफर किया गया। सभी ग्रामीण क्षेत्रों को सावधानी बरतने और उल्टी दस्त के लक्षण दिखाई देने पर पीड़ितों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र भेजने की अपील की गई।

नपा अध्यक्ष ने सफाई कर्मचारियों को किया सम्मानित

उमरिया।

नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रश्मि सिंह ने कहा है कि शहर को स्वच्छ बनाने मे कर्मचारियों का अहम योगदान है। उनकी कड़ी मेहनत के कारण ही हम सभी को बेहतर वातावरण के साथ संक्रामक बीमारियों से सुरक्षा मिलती है। श्रीमती सिंह नगर पालिका प्रांगण मे आयोजित सफाई कर्मचारियों के सम्मान समारोह को संबोधित कर रही थीं। गुरुवार 25 जुलाई को नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रश्मि सिंह के मुख्य आतिथ्य मे हुए समारोह के दौरान नगर पालिक के सफाई कर्मचारियों का सम्मान, स्वास्थ परीक्षण एवं रैनकोट किया गया। इस अवसर नपा उपाध्यक्ष अमृतलाल यादव,

पार्षद त्रिभुवन प्रताप सिंह, संजय पांडेय, नसीर अंसारी, राजू कोल, श्रीमती विनीता तिवारी, श्रीमती फरीदा इरदीश खान, श्रीमती फहिमा नाज, श्रीमती सविता सोधिया, राजेंद्र कोल, इंजी. दीपक सोनी, अवधेश राय, अशोक गौंटिया, सुशील चंद्र रैदास, जनप्रतिनिधि सुजीत सिंह भदौरिया, शिवमंगल सिंह, मुकेश सिंह, शैलेंद्र सिंह चंदेल, संजय तिवारी, धर्मेंद्र रैदास आदि उपस्थित थे कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात मुख्य नगर पालिका अधिकारी किशन सिंह ठाकुर द्वारा फूल मालाओं से अतिथियों का स्वागत किया। अपने उद्बोधन मे अध्यक्ष ने सफाई कर्मचारियों के अथक परिश्रम की सराहना करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से परिषद स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 मे प्रथम आएगी। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारी सड़क की सफाई कर कचरा न निर्धारित स्थानों पर ही डालें। साथ ही कचरे को आग न लगाएं। क्योंकि इससे पर्यावरण पर विपरीत प्रभावित पड़ता है। समारोह मे सफाई कर्मचारियों को प्रमाण पत्र एवं बरसात से से बचने के लिए रैनकोट प्रदाय किए गए। इस दौरान सभी सफाई कर्मचारियों का स्वास्थ परीक्षण हुआ,।

डायरिया से तीन की हुई मौत,स्वास्थ्य विभाग की टीम दवाईयों के साथ मौके पर पहुंची

उमरिया ।

जिले में करकेली जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम बेलसरा एवं करही मे डायरिया बीमारी के प्रकोप से करही ग्राम के एक व्यक्ति की चिकित्सा के दौरान मौत होने तथा दो व्यक्ति की मौत ग्राम बेलसरा मे होने का समाचार प्रकाष में आया हैं।

डायरिया प्रकोप के फैलने की सूचना मिलने पर कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने जिला स्तर से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा संतोष चौधरी तथा बीएमओ करकेली को दल बल तथा दवाईयों के साथ ग्राम बेलसरा तथा करही के लिए

रवाना किया। दल संबंधित ग्रामों मे पहुंचकर घर घर संपर्क कर चिकित्सा करना प्रारंभ कर दिया। ग्राम बेलसरा एवं करही में डायरिया बीमारी के फैलने पर चिकित्सा हेतु वहां के ग्रामीण जन डिण्डौरी जिले के शहपुरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे चिकित्सा के लिए गये हुए है। उनमे से करही ग्राम के एक व्यक्ति की चिकित्सा के दौरान मृत्यु हो गई है। दो व्यक्ति की मौत ग्राम बेलसरा मे ही हुई हैं। मौके पर एसडीएम बांधवगढ रीता डेहरिया ने भी पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। मौके पर ही प्रकोप से ग्रसित ग्रामीणों को इलाज किया गया।

घटना की जांच के लिए कलेक्टर ने दिए निर्देष

कलेक्टर ने पूरी घटना की जांच तथा चिकित्सा व्यवस्था हेतु एसडीएम पाली टी आर नाग तथा तहसीलदार करकेली लक्ष्मी वर्मा, तहसीलदार नौरोजाबाद अभ्यानंद शर्मा को घटना स्थल पर पहुंचने के निर्देष दिए थे। सभी अधिकारी घटना स्थल पर पहुंचकर बचाव प्रारंभ कर दिया है। कलेक्टर व्दारा यह भी निर्देष दिए गए थे कि जो मरीज गंभीर रूप से पीडित है, उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं जिला चिकित्सालय उमरिया एंबुलेंस के माध्यम से भेजा जाए। अभी तक चार मरीजों को जिला चिकित्सालय उमरिया मे भर्ती कराया गया है।

सेक्टर सुपरवाईजर, एएनएम के विरूद्ध कार्यवाही किए जाने के निर्देष

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने डायरिया प्रकोप की समय पर सूचना नही देने के कारण संबंधित क्षेत्र के सेक्टर सुपरवाईजर तथा एएनएम के विरूध्द निलंबन की कार्यवाही करने के निर्देष मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दिए है।

मानपुर क्षेत्र में सरकार के आदेशों का नही हो रहा पालन

मानपुर

मध्यप्रदेश सरकार के यसस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी द्वारा सभी शास्कीय कार्यालय दैनिक और पूरे आठ घंटे अर्थात शुवह 10 से शाम छरू बजे तक संचालित करने के लिये शक्त निर्देश जारी किया गया है, जिसके उपरांत भी पंचाय विभाग द्वारा सरकार के निर्देशों को दरकिनार कर दुनियां को अपनी दबंगई दिखलाते हुये सायद सरकार को चुनौती दे रहे हैं, जबकि ग्राम पंचायत, हॉस्पिटल, विटनरी, कृषि, जनपद पंचायत जैसे कई ऐसे कार्यालय हैं जहां तकरीबन सभी वर्ग के लोगों को रिकार्ड सुधार हेतु, शास्कीय योजना से लाभ प्राप्त करने एवं जन समस्या निवारण जैसे कई काम पड़ते रहते हैं।

उमरिया जिला के मानपुर ब्लॉक क्षेत्रांतर गत 23 जुलाई मंगलवार को सुखदास, उमरिया, बड़छड़, बकेली जैसे कई ग्राम पंचायत कार्यालयों के मुख्य द्वार में ताला लटके दिखे, वहीं ग्रामीणों की माने तो ये कार्यालय कब कितने समये के लिये खुल जायें कोई नहीं जान सकता है, यहां आम सभा और ग्राम सभा जैसे कार्यक्रम कब होते हैं पंच के शिवाय किसी को जानकारी नही मिलपाती

है, क्षेत्र भृमण में उपयंत्री, एसडीओ, पीसीओ और मुख्य कार्यपालन अधिकारी सायद कभी आये हों जिसकी जानकारी स्वयं स्थानीय सभी पंच और मेट लोगों को भी नहीं हे पाती है, कई पंच इन अधिकारियों को पहचानने से भी मना करते हैं।

कार्यालय ग्राम पंचायत सुखदास भवन के सामने और चारो तरफकचरा गोवर से पटे गंदगी से ऐसा प्रतीत होता है जैसे यह कार्यालय महीनों से बंद पड़ा हो, इस भवन के बगल में बने उप स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक भवन की भी यही स्थित है..!

कार्यालय ग्राम पंचायत बड़छड़ में इसी माह बने बांउड्री बाल अभी से दरार मारने लगाहै इस भवन से संटे सामने एक खतरनाक विसाल जानलेवा गड्ढा खुगवाकर खुला छोड़ दिया गयाहै जिसके चारोतरफ नादान खेलते बच्चे और अंजान मवेसी विचरण करते रहतेहैं, वहां के प्रशासन की लापरवाही किसी के प्राण को भी संकट में डाल शक्ताहै, इसी वर्ष बड़छड़ में बनवाये गये समस्त तालाब और स्टाप डैम भ्रस्टाचार में डुबकी लगा रहे हैं जो शक्त जांच करवाने के आश में हैं..!

बड़े दुख की बात यह है कि पंचायत विभाग की यदि यही स्थित रही तो सरकार की मंशा और क्षेत्र का विकाश कैसे हो पायेगा ? मुख्य सड़क किनारे ग्राम पंचायत शुखदास निवासी दिनेश पाल जी को प्रधानमंत्री आवास का लाभ आज दिनांक तक नहीं मिला है जब कि इनका कच्चा घर पहले दिन के बर्षात में ही चारों तरफसे भारी पानी के भराव में डूबते नजर आरहा है, जिस घर का पानी निकालने में उस घर के सभी सदस्य थाली बाल्टी फावड़ा ले कर ब्यस्त दिख रहे थे, ऐसे कई मजबूर गरीब परिवार के लोगों को शुख स्वप्न में भी दुरलभ है, जो शाम सुवह सरकार का नाम लेते हुये बड़े उम्मीद के सहारे अपनी जिंदगी जी रहे हैं..!

कार्यालय नगर परिषद् मानपुर जिला-उमरिया (म.प्र.)

क्रमांक / 792 /न.परि. / 2024 — मानपुर, दिनांक 24.07.2024

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीय प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण बेवसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ई.एम.डी.	निविदा की अंतिम तिथि	निविदा आमंत्रण
1	2024_UAD_358840_1	Development of Green Space at Manpur Ward No. 07 Under Amrut 2.0 Scheme.	(1) 09 माह (2) 2747000/-	(1)5000/- (2) 20003/-	8/8/2024	द्वितीय निविदा
2	2024_UAD_358869_1	Water body Rejuvenation Work of Kunhai Pond Manpur Under Amrut 2.0 Scheme.	(1) 09 माह (2) 5114000/-	(1)10000/- (2) 38355/-	7/8/2024	द्वितीय निविदा
3	2024_UAD_359259_1	CM Infra 4th Phase C.C. Road Contruction (1) Prabhu Dayal Tiwari Field to Tahsil Office Ward No.07 (2) Somvati House to Govt. School Ward No. 04	(1) 06 माह (2) 16011967/-	(1)12500/- (2) 120090/-	24/8/2024	प्रथम निविदा

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन https://mptenders. gov.in की बेवसाइट पर ही किया जाएगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जाएगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद मानपुर
जिला उमरिया म.प्र.

पहले समीक्षा बैठक में किया आमंत्रित फिर अचानक बदला प्लान

बिछिया विधायक ने कहा वो आए और गए खत्म हुआ फंसाना

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजातीय आयोग के अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य जिन्हें केंद्रीय केबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त है का दो दिवसीय दौरा रहा जहां पर वे अनेक कार्यक्रमों में शामिल हुए। इसी बीच खबर मिली कि 25 जुलाई को अनुसूचित जनजातियों के लिये संवैधानकि सुरक्षा उपायों, कल्याण और विकास योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक ली जाएगी इस संबंध का पत्र कार्यालय सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग मंडला से 23 जुलाई को जारी किया गया। यह पत्र विधायक नारायण सिंह पट्टा को प्रेषित किया गया था जिसमें कहा गया कि 25 जुलाई को जिला मंडला मध्यप्रदेश में अनुसूचित जनजातियों के लिये संवैधानकि सुरक्षा उपायों, कल्याण और विकास योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक है जिसमें उन्हें आमंत्रित किया गया। विषयांकित संदर्भित पत्रानुसार अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य राष्ट्रीय अनुसूचित जनजातीय आयोग केंद्रीय केबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त नई दिल्ली का दौरा कार्यक्रम अनुसार जिले अंतर्गत 24 जुलाई एवं 25 जुलाई को दौरा कार्यक्रम प्रस्तावित है। प्रस्तावित कार्यक्रम अनुसार दिनांक 25 जुलाई को समय 11:45 बजे से जिला योजना भवन में समीक्षा बैठक आयोजित की गई है लेकिन बिना किसी सूचना के अचानक बैठक से जनप्रतिनिधियों को अलग कर दिया गया। जिस पर बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा ने सवाल खड़े किए है उन्होंने कहा कि सूचना मिलने के बाद वे अपने सारे कार्यक्रम दौरा रद्द कर जब मंडला पहुंचे तो उन्हें जानकारी मिली कि अब बैठक में केवल जिला प्रशासन के अधिकारी शामिल होंगे। हालाकि उन्होंने सर्किट हाऊस में आयोग अध्यक्ष से मुलाकात कर अनेक गंभीर विषयों पर ध्यान केन्द्रीत कराया है। वहीं स्वतंत्र मत से चर्चा के दौरान विधायक ने आरोप लगाए कि यह पूरा प्रोग्राम केवल खानापूर्ति का रहा है जबकि जिले में बिजली पानी के साथ भ्रष्टाचार की लगातार शिकायतें आ रही हैं। वहीं स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था पटरी से उतर चुकी है इस गंभीर मामलों पर आयोग अध्यक्ष का कड़ा रूख न लेना इस बात को प्रमाणित करता है कि केवल उनका आना एक कार्यक्रम महज है। वहीं 25 जुलाई को मीडिया को भी प्रेसवार्ता के लिए बुलाया गया जहां पर अचानक फेरबदल किए जाने की जुगत लगाई जा रही थी जैसे तैसे प्रेसवार्ता की गई लेकिन अनेक गंभीर सवालों से आयोग अध्यक्ष बचते नजर आए वहीं उन्होंने बैठक के दौरान कहा कि प्रदेश की विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय के लिए अनेक योजनाएं संचालित हैं। जिससे उनके आर्थिक, शैक्षणिक और सामाजिक स्तर में सुधार हो सके। प्रदेश में इन विशेष पिछड़ी जनजातियों के हितग्राहियों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ शासन की योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री जनमन योजना से विशेष पिछड़ी जनजाति परिवार के लिए पक्के आवास भवन बनाए जा रहे हैं। जिससे उनका पक्के मकान में रहने का सपना साकार हो सके। वहीं अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य बुधवार को ग्राम पड़रिया में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर प्रकाश उईके निज सचिव अनुसूचित जनजाति आयोग संदीप कुलस्ते जनजाति प्रदेश भाजपा कार्यालय मंत्री, सांसद प्रतिनिधि जयदत्त झा, एसडीएम जेपी यादव, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग साहेब सिंह जगेत, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मंडला आरके मंडावी सहित विभागीय अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे। अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य ने विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय के लोगों के लिए शासन द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आप अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दें। खेती किसानी का कार्य वैज्ञानिक पद्धति से करें। हमेशा नशा से दूर रहें। इससे आपके जीवन स्तर में सुधार होगा। उन्होंने विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय के लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए आगे आने को कहा।

आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों की समस्याओं को भी सुना गया। ग्राम पड़रिया में ग्रामीणों के द्वारा सीसी रोड, सोलर पेनल, खेतों में विद्युत कनेक्शन, प्रधानमंत्री वनधन योजना का लाभ, श्रीमती रेवती बाई के लिए सामाजिक सुरक्षा पेंशन और बराती लाल के खेतों तक सिचाई हेतु बिजली पहुंचाने की मांग की गई। अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य ने ग्रामीणों की उक्त मांगों को पूरा करने के निर्देश दिए। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य ने सीएम राईज स्कूल फूलसागर का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माणाधीन सीएम राईज स्कूल का कार्य गुणवत्तापूर्वक पूर्ण करने के निर्देश दिए। निर्माण कार्य का नियमित रूप से निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। निर्माण कार्य में लापरवाही बरतने पर संबंधितों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

मप्र राज्य कर्मचारी संघ ने सौंपा ज्ञापन

मण्डला (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ जिला आयुष शाखा जिलाध्यक्ष राधेलाल नरेटी ने बताया है कि विगत दिवस संघ के प्रतिनिधि मण्डल ने आयुष विभाग के कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर रोहित सिंह कौशिक संयुक्त संचालक कोष एवं लेखाधिकारी जबलपुर मप्र से भेंट कर उन्नयन वेतनमान फिक्सेशन में त्रुटिपूर्ण निर्धारण के संबंध में सुधार कराने का अनुरोध किया है कि औषधि संयोजकों को 1 जून 2019 की स्थिति में वेतन प्राप्त हो रहा था। नवीन नियुक्त औषधि संयोजकों को वेतनमान पर नियुक्त किया गया है तदानुसार ही वरिष्ठ औषधि संयोजकों की नियुक्ति मानी जाकर उन्नयन वेतनमान में पर होना चाहिए था किन्तु ऐसा न कर निर्देशों के विपरीत पे फिक्सेशन किया गया है जिसके कारण आर्थिक क्षति हो रही है। संभाग के अंतर्गत जबलपुर, बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा, कटनी, नरसिंहपुर जिलों में आयुष कर्मचारी कार्यरत औषधि संयोजकों को उन्नयन वेतनमान का निर्धारण किया गया है किन्तु जिले में कार्यरत औषधि संयोजकों को उक्त जिलों के अनुरूप लाभ न देते हुए जबलपुर संभाग के कोष एवं लेखा जिले के प्रभारी द्वारा फिक्सेशन के लाभ न दिया जाकर वेतन से वसूली दर्शाई गई है जिसके कारण विरोधाभास की स्थिति निर्मित होती है। इस दौरान जिले के प्रतिनिधि मंडल में दिलीप उइके, श्रीचंद कुड़ापे, रविशंकर पन्द्रे, चरणलाल धुर्वे आदि संघ पदाधिकारी उपस्थित रहें।

पुलिस ने हत्या का किया खुलासा

मण्डला/निवास(स्वतंत्र मत)। 12 जुलाई को ग्राम धनगांव में मृतक धरमसिहं पिता भद्देलाल मार्को उम्र 52 साल निवासी ग्राम भरद्धारा थाना निवास के साथ चैनसिंह उइके एवं नोहरसिंह उइके निवासी ग्राम दुपटा के द्वारा दादुलाल सरेयाम निवासी धनगांव के खेत में लाठी एवं पत्थर से मारपीट की गई थी मारपीट से चोटे आने के कारण जिला चिकित्सालय में ईलाज के दौरान धरमसिंह मार्को की मृत्यु हो गई थी। जो मर्ग जांच पर से अपराध 156/2024 धारा 103(1), 332(ठ), 115(2), 296, 3(5) भारतीय न्याय संहिता 2023 कायम कर विवेचना में लिया गया है। कार्यवाही का विवरण थाना निवास पुलिस टीम द्वारा आरोपी चैनसिंह उइके एवं नोहरसिंह उइके निवासी ग्राम दुपटा थाना निवास जो घटना दिनांक से लगातार फरार चल रहे थे की तलाश की जा रहीं थी। थाना निवास पुलिस टीम द्वारा उक्त दोनो आरोपियों को चेन्नई से अभिरक्षा में लेकर आये जिनसे पूछताछ की गई जिन्होने जादुटोना के शक में मुन्नालाल, राजकुमार एवं धरम मार्को के साथ लाठी से मारपीट करना एवं मृतक धरम मार्को को मुन्नालाल के घर से खिंच के दादुलाल सोयाम के खेत में ले जाकर लाठी डण्डे से मारपीट कर पत्थर पटक कर मारना बताया। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा रहा हैं। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक थाना प्रभारी पीके मुवेल, का.उनि.साबीर खान, का.सउनि. अरूण आर्मो, प्रआर राजेन्द्र सिह मरावी, आर अवधेश पासी, आर रवि मरावी, आर हरबंश ठाकुर, आर चन्द्रकिरण डोहरे, आर सुर्यचंद बघेल सायबर सेल, मआर संगीता धुर्वे, मआर सरिता पंद्राम की भूमिका रही।

आईटीआई में लगा लायसेंस शिविर

मण्डला(स्वतंत्र मत)।

परिवहन आयुक्त म.प्र. ग्वालियर एवं कलेक्टर के निर्देशन में यातायात जागरूकता हेतु परिवहन विभाग के तत्वाधान में 24 जुलाई को शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था आईटीआई में लर्निंग लायसेंस शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आईटीआई के प्राचार्य राजेन्द्र सिंह वरकड़े एवं स्टाफ के सहयोग से आईटीआई में अध्ययनरत 46 विद्यार्थियों के लर्निंग लायसेंस बनाये गये। शिविर में विद्यार्थियों को यातायात नियमों यातायात संकेतो की जानकारी दी गई साथ ही मोटरसाईकिल चलाते समय हेलमेट पहनने एवं कार चलाते समय सीटबेल्ट लगाने की उपयोगिता बताई गई। शिविर में आईटीआई के स्टाफ एवं परिवहन कार्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा।

चंद्रशेखर आजाद की मनाई जयंती

मण्डला(स्वतंत्र मत)।

नगर के समाजसेवियों द्वारा रानी दुर्गावती वार्ड में स्थित भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक पंडित चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर तिलक बंधन एवं माल्यार्पण कर आजाद की जयंती मनाई गई साथ ही देश की आजादी के लिए उनके द्वारा किए गए कार्यों एवं बलिदान को याद किया गया बहुत कम उम्र में देश के लिए अपना बलिदान देने वाले ऐसे महान क्रांतिकारी के चरणों में हम सब नत मस्तक होते हैं और हम सबको यह गर्व है की हम ऐसी मातृभूमि पर जन्म लिए हैं जहां ऐसे वीर सपूतों ने जन्म लिया है। कार्यक्रम में सुनील वाली, तरेंद्र चौरसिया, सुधीर कुमार मिश्रा, नरेश कछवाहा, पवन ज्योतिषी, सुनील कुमार मिश्रा, सचिन शर्मा, इंद्रेश खरया, शिरीष अग्रवाल, बृजेश चौरसिया, अशोक सोनी, राहुल दुबे, वरुण सिहारे, किशोर रजक, अरविंद जोशी, रामगोपाल पटेल उपस्थित रहे।

कुश्ती संघ की बैठक 28 को

मण्डला(स्वतंत्र मत)।

जिला भारतीय शैली कुश्ती संघ के सह सचिव सुमित सोनी पिंकू ने बताया कि जिला भारतीय शैली कुश्ती संघ कि सामान्य बैठक 28 जुलाई को टुकटुक मैरिज हॉल जनपद नारायणगंज में जिला अध्यक्ष गुलाब मरदरिया के निर्देशानुसार एवं सभी संरक्षकों की सहमति से किया जाना है जिला भारतीय शैली कुश्ती संघ के समस्त पदाधिकारी कुश्ती प्रेमी बैठक में उपस्थित होने अपील की गई है। बैठक में इण्डियन स्टाईल कुश्ती महासंघ भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एंव प्रांतीय महासचिव मध्यप्रदेश अर्जुन यादव की उपस्थिति में जिले की ग्रामीण क्षेत्रों में कुश्ती को बढ़ाने एवं युवाओं को नशा मुक्त रखने के लिए अखाड़ा परम्परा को बढ़ावा देने के लिए एवं कुश्ती से संबंधित अन्य विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया जावेगा।

माझी संघर्ष समिति ने सौंपा ज्ञापन

मण्डला(स्वतंत्र मत)।

मध्यप्रदेश मांझी जनजाति संयुक्त संघर्ष समिति भोपाल जिला इकाई मंडला के तत्वाधान में संवैधानिक प्रदत्त अधिकारों को लेकर अतर सिंह आर्य राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुसूचित जनजाति आयोग नई दिल्ली को ज्ञापन सौंपा गया जिसमें मांग की गई कि वर्ष 1949 -71 तक मांझी ढीमर भोई कहार केवट मल्लाह जनजाति सूची में थे लेकिन आज तक समाज को उसका संवैधानिक अधिकार नहीं मिल पाया सरकारें भी आश्वासन पर आश्वासन देती रही भारत सरकार के पत्र दिनांक 19- 12- 1949 में साफ स्पष्ट है कि मांझी की यह समानार्थी जाति को उनके मूल अधिकार नोटिफिकेशन वर्ष 1951 में मान्य एवं अधिकार प्राप्त जातियो को था इसी विषय को लेकर अध्यक्ष से पुहुपसिंह भारत प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि समाज भारतीय संविधान की धारा 13 (ग) के अंतर्गत रूढ़ि प्रथा का पालन करता है इसलिए संविधान के अनुच्छेद 342 के तहत हमें अनुसूचित जनजाति वर्ग का प्रमाण पत्र जारी किया जाना चाहिए। इस दौरान एसएल नंदा जिला अध्यक्ष अशोक नाविक उपाध्यक्ष बृजेश सिंगरहा सुनील नंदा लीलाधर सिंगरहा सेवानिवृत शिक्षक सुनील सिंधिया विजय, चंद्र मोहन नाविक उपस्थित रहे।

दिव्यांग बच्चों का समावेशी प्रशिक्षण सम्पन्न

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

मंडला विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की आवश्यकताओं को देखते हुए शैक्षिक गुणवत्ता एवं समावेश सुनिश्चित करने की दृष्टि से जिले के समस्त हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूल के एक-एक शिक्षकों का जिला स्तर का दो दिवसीय विकासखंड अनुसार प्रशिक्षण जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकड़े के निर्देशानुसार आयोजित हुआ। दिव्यांग बच्चों को शिक्षित करना व्यर्थ है वे समाज और राष्ट्र के लिए कोई खास योगदान नहीं दे सकते इस भेदभावपूर्ण व्यवहार को दूर किया जा सकेगा।

पाठ्यक्रम संबंधी बाधाएं दूर होगी,माता-पिता की सीमित भागीदारी को बढ़ाया जा सकेगा। सांस्कृतिक और भाषाई बाधाएं भी दूर हो सकेंगी दिनांक 23 जुलाई से 24 जुलाई तक प्रत्येक हाई और हायर सेकेंडरी स्कूल के एक-एक नोडल शिक्षकों को प्रशिक्षण दो दिवस का प्रदान किया गया राज्य से प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर सनातन प्रकाश सैनी एवं सुश्री अलका प्रजापति के द्वारा दो दिवस का प्रशिक्षण दिया गया, इसमें समावेशी शिक्षा, दिव्यांग बच्चों को पढ़ाने हेतु अंग्रेजी अल्फाबेट, मूक कहानी, साइन लैंग्वेज के द्वारा,बातें करना,राष्ट्र गान ,कक्षा प्रबंधन,सहायक सामग्री का उपयोग, दिव्यांग अधिनियम 2016, -2020 के प्रावधान नवाचार एवं अन्य सारगर्भित बातों से अवगत कराया गया इस प्रशिक्षण में जिले के.के.उपाध्याय, एल.एस.मसराम, घाघा हाईस्कूल प्राचार्य सुभाष चतुर्वेदी, सहायक संचालक एम.एस. सेंद्राम एवं सभी जनपद केंद्र के इरफान खान, संदीप सोनी, प्रशांत वैद्य की सक्रिय भूमिका रही। अंत मे अंकुश चौरसिया के द्वारा कक्षा 9 से 12 में अध्ययनरत दिव्यांग विद्यार्थियों को मिलने वाले सुविधा भत्ते एवं केन्द्रीय दिव्यांग छात्रवृत्ति के विषय में विस्तार से बताया गया।

प्रतिभागियों का टाटा मोटर्स में चयन

मण्डला/मोहगांव(स्वतंत्र मत)।

बीते दिनों आजीविका मिशन एवं जिला पंचायत के सहयोग से विकासखंड मोहगांव में मप्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जनपद पंचायत मोहगांव में टाटा मोटर्स की तरफ से क्यूस नामक संस्था के तत्वाधान में युवक युवतियों का रोजगार पंजीयन किया गया। जिसमें कुल पंजीयन 114 हुए जिसमें 46 प्रतिभागियों का चयन टाटा मोटर्स की तरफ रोजगार हेतू किया गया। जिसमें शैक्षाणिक योग्यता 12वीं पास के साथ दो वर्ष का आईटीआई डिप्लोमा मांगा गया था। रोजगार के तहत चयनित प्रतिभागियों को 12 हजार प्रतिमाह सहित भोजन व घर की सुविधा दी जाएगी।

आदिवासी समिति ने दिया ज्ञापन

मण्डला/नारायणगंज (स्वतंत्र मत)। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य बीजाडांडी आगमन पर संयुक्त आदिवासी संरक्षण समिति के अध्यक्ष गणराज गणेश भलावी ने प्रदेश एवं देश भर में 9 अगस्त विश्व आदिवासी मूल निवासी दिवस की छुट्टी को लेकर एवं जिले के शिक्षा स्वास्थ्य रोजगार भुखमरी पलायन विस्थापन के संबंध में ज्ञापन सौंपा है और जिले में रहने वाले जनजाति समूह की विभिन्न मांग एवं समस्याओं से अवगत कराया इस दौरान डुम्मी लाल उइके, सचिव रामचंद्र धुर्वे, सहसचिव सुनील धुर्वे, पूर्व जनपद अध्यक्ष अलका कुम्हरे, संगीता मरावी, गोंडवाना जन कल्याण सेवा समिति के दिनेश तुमराची, भूरा मरकाम, निखिल साहू एवं भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आगजनी बलवा में शामिल लोगों पर मामला दर्ज

मण्डला/अंजनिया(स्वतंत्र मत)।

विगत 16 जुलाई को अहमदपुर चौराहा में एक महिला दुर्गेश्वरी बल्को उम्र 22 वर्ष की मौत हो जाने के बाद भीड़ द्वारा घटना में शामिल ट्रक क्रमांक आरजे 11 जीबी 3646 को आग के हवाले कर दिया गया था। इसके बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी। पुलिस चौकी प्रभारी लाखन सिंह राजपूत ने बताया कि भीड़ द्वारा शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने शासकीय कर्मचारियों अधिकारियों के साथ गाली गलौज कर मारपीट करने एवं पुलिस अभिरक्षा में ट्रक को जलाने का मामला अंजनियां पुलिस द्वारा दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई थी। इस मामले में 19 लोगों को पहचान कर अब तक नामजद आरोपी बनाया गया है। पुलिस द्वारा सीसीटीवी कैमरे तथा अन्य माध्यमों से घटना में शामिल अन्य आरोपियों को चिन्हित करने का काम लगातार किया जा रहा है। चौकी प्रभारी ने बताया कि घटना के बाद अपराध क्रमांक 379/24 धारा 190, 191(1), 189(3), 195, 121(1), 132, 326, 324(5), 126(2) दर्ज कर घटना में शामिल अंजनियां निवासी 5 ,मेढ़ाताल निवासी 12, खामटीपुर निवासी 1एवं मगधा निवासी 1 व्यक्ति को प्रकरण में चिन्हित कर आरोपी बनाया गया है तथा उनके अन्य साथियों को भी पुलिस चिन्हित कर रही है।उन्होंने बताया कि घटना में शामिल सभी आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

इनका कहना

घटना में शामिल आरोपियों में से 19 लोगों की पहचान की जा चुकी है। सभी आरोपी के खिलाफ पुलिस कठोर कानूनी कार्रवाई कर रही है। **लाखन सिंह राजपूत चौकी प्रभारी अंजनियां**

विधायक से मिले अतिथि शिक्षक

मण्डला (स्वतंत्र मत)। जिले के अतिथि शिक्षक परिवार और मुख्य रूप से बिछिया विधानसभा क्षेत्र के अतिथि शिक्षकों ने बिछिया विधायक के निज निवास घुघरी 24 जुलाई बुधवार को पहुंचकर निवेदन संवाद यात्रा का शुभारंभ कर दिया है ।अब इस निवेदन संवाद यात्रा को संबंधित क्षेत्र के अतिथि शिक्षकों के द्वारा संपूर्ण मध्य प्रदेश के विधायकों के आवास पहुंच मध्य प्रदेश सरकार के मुखिया तक अपनी लंबित मांगों के शीघ्र निराकरण के लिए दूरभाष माध्यम से सीधा संवाद कराने अभियान चलाया जाएगा और पत्र माध्यम से भी संदेह पहुंचाने का निवेदन विधायकों से किये जाने की पहल की जाएगी। अतिथि शिक्षक परिवार से जिला अध्यक्ष पी.डी. खैरवार ने बताया है, कि जिले भर के अतिथि शिक्षकों ने सैकड़ों की संख्या में बुधवार 24 जुलाई को दोपहर 12 बजे घुघरी स्थित बिछिया विधायक आवास पहुंचकर विधायक नारायण सिंह पट्टा से भेंट कर मुख्यमंत्री से फोन पर चर्चा

थांवर पुल की मरम्मत के बाद आई बाढ़ से फिर पुल क्षतिग्रस्त

पिंडरई होकर केवलारी सिवनी का सफर करना पड़ रहा लोगों को महंगा

नैनपुर (स्वतंत्र मत) ।

क्षेत्र में लगातार हो रही अतिवर्षा से क्षेत्र के नदी नाले एक हो गये है । तीन दिवस से लगातार हो रही वर्षा से नगर की सीमा से लगी थांवर नदी ओर चकोर नदी में भारी बा? आ जाने से दूसरे नगरो का सम्पर्क टूट गया है। जिससे यात्रियों को भारी परेशानियां उठानी पड़ रही है। लोगों को नैनपुर से सिवनी नागपुर जाने पिंडरई से होते हुए केवलारी जाना पड़ रहा है। जिसके चलते यात्रियों को बस का किराया अधिक देना पड़ रहा है।

स्थानीय प्रशासन व सिवनी प्रशासन के द्वारा थांवर पुल का जायजा लिया गया। तत्पश्चात थांवर पुल का मरम्मत कार्य किया गया परंतु पुनः वारिस के चले थांवर नदी में बाढ आ जाने से क्षतिग्रस्त हो गया। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नैनपुर श्रीमति सोनल सेडाम, तहसीलदार विजय त्यागी सीएमओ एल एस सारस , राजस्व निरीक्षक अनिल कुमार उईके नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी व पार्षदो के द्वारा नगर के डूब क्षेत्र वार्डों का निरीक्षण किया जा रहा है। इसके अलावा एसडीओपी सुश्री नेहा पच्चिसीया, थानाप्रभारी बलदेव सिंह मुजाल्दा भी अपने दल-बल के साथ बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का लगातार जायज़ा ले रहे हैं।

बॉयज फुटबॉल नेशनल टीम में चयन

मण्डला (स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश फुटबॉल एसोसिएशन की जूनियर नेशनल कैंप 16 जुलाई से 23 जुलाई तक सीहोर जिले में लागया गया था। जिसमें मध्यप्रदेश के 80 से अधिक खिलाड़ियों ने चयन ट्रायल दिया था। डीएफए के खिलाड़ी अर्पित कोर्चे व मनीष धुर्वे के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर मध्यप्रदेश टीम में 20 खिलाड़ियों मैं चयन हुआ। दोनों ही खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए यह सिद्ध कर दिया कि मेहनत और लगन से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है जिला फुटबॉल संघ के पंकज उसराठे ने बताया कि जूनियर नेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट जिला नगाँव असम में 29 जुलाई से 9 अगस्त आयोजित किया जायेगा । जिसमें फुटबॉल स्पर्धा में भाग लेकर अर्पित व मनीष को अच्छे प्रदर्शन करने के लिये जिला फुटबॉल संघ अध्यक्ष डॉ. दिलीप शर्मा फुटबॉल संघ सचिव अनिल सोनी, खेल अधिकारी रविन्द्र ठाकुर, फुटबॉल संघ के सदस्य. राजेश पाठक, भीष्म द्विवेदी, प्राचार्य मोहगांव स्कूल दीपक कछवाहा ने उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कालो के काल महाकाल भोले बाबा के मंदिर में भक्तों का तांता

नैनपुर (स्वतंत्र मत)।

श्रावण मास के प्रारम्भ होते ही शुबह से शाम तक भक्त माताओं, बहनो उपासकों का शिवालयो मे तांता लगा दिखाई दे रहा है। प्रथम श्रावण सोमवार को भी नगर के शिवालयों में भक्त महिला पुरुषों ने विशेष अर्चना करने पूजा की थाल सजाकर भगवान ओघडदानी शिव जी की पूजा आराधना कर आर्शीवाद लिया। हर जगह मंदिरो, शिवालयों में हर हर महादेव जय जय शिव शंकर के उदघोष सुनाई देते रहे। शिवालयो में देर रात्रि तक पूजा आरती कीर्तन, रामायण पाठ का कम जारी रहा। श्रावण सोमवार का व्रत रख श्रद्धालुओं ने भगवान शिवनाथ जी का अभिषेक कर पूजा आराधना किया। मंदिरों मे विविध धार्मिक कार्यकमों का आयोजन कमशः भक्त जनों के द्वारा श्रवण मास में किये जा रहे है। नगर के प्रत्येक घरों में श्रीराम चरित्र मानस का पाठ किया जा रहा है। अनेक धार्मिक स्थलो में श्रावण सोमवार को कैलाश पति शिवजी की पूजा आरती कर मिष्ठान वितरण किया गया। श्रवण मास का प्रत्येक दिन देवी देवताओ के दरवार में अनेक धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन कर दान पुण्य किये जा रहे है। इस शुभ एवं महात्वपूर्ण अवसर पर बड़ी संख्या में पूरे माह उपवास रख एक वक्त भोजन ग्रहण कर शिव आराधना की जा रही है। श्रावण मास के प्रारम्भ दिवस सोमवार की दोपहर बाद से हनुमान गढ़ी बुधवारी बाजार में पूजा अर्चना कर अखण्ड श्रीराम चरित्र मानस पाठ का शुभारम्भ किया गया है। जहां बड़ी संख्या में भक्त जनों व माताओं बहनों के द्वारा हनुमान मंदिर पहुंच मानस पाठ किया जा रहा है। नगर व ग्रामीण अंचलों में भी रामायण पाठ का शुभारंभ किया गया है।

संपादकीय

मुद्दा-ए-एमएसपी

संसद चल रही है, अजीब तरीके से। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), महंगाई और बेरोजगारी समेत गरीबों की कोई चर्चा नहीं हो पा रही है। क्यों क्या ये विषय संसद में चर्चा-चिंतन-मंथन के नहीं हैं। नहीं हैं तो क्यों नहीं हैं? विपक्षी दलों ने इस पर जरूर चिंता जताई है। विपक्ष का काम ही है कि सत्ता-सरकार को सलाह दे। किसान आंदोलित हैं। दर्जन भर किसान नेताओं ने कांग्रेस पर भरोसा जताया है कि विपक्ष एमएसपी के मामले में आगे आएगा। आना भी चाहिए अथवा आना ही पड़ेगा, क्योंकि कृषि क्षेत्र देश के विकास में अपनी मजबूत हैसियत रखता है। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु और कर्नाटक के किसान नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को संसद भवन परिसर में राहुल गांधी से मुलाकात की। स्वाभाविक ही उन्होंने उनकी समस्याओं को संसद में उठाने का आग्रह किया, ताकि न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर सरकार पर दबाव बने। राहुल गांधी पहले से ज्यादा सक्रिय हैं और उनका लहजा, तेवर अब समझने - देखने लायक हैं। राहुल के अनुसार उन्होंने किसान नेताओं को संसद में मिलने बुलाया था, लेकिन उन्हें अंदर नहीं आने दिया गया तो मैं ही बाहर आ गया। उनकी टिप्पणी सही है, कहा- किसान मुझसे संसद भवन में आकर मिलें इसके लिए भी क्या प्रधानमंत्री से पूछना पड़ेगा। किसानों को एमएसपी के लिए अब क्या नये तौर-तरीके आजमाना पड़ेंगे। किसानों के लिए यानि समर्थन मूल्य दिलाने के लिए कानून बनाने की मांग पुरानी है। समर्थन मूल्य का उचित फायदा किसानों को अभी भी नहीं मिल पा रहा है। स्वामीनाथन कमेटी की सिफारिशें आधी-अधूरी ही मानी गई हैं। पिछला बड़ा किसान आंदोलन लोकसभा चुनाव के पहले, केन्द्र सरकार ने येन-केन-प्रकारेण समाप्त करा दिया था। आश्वासन देकर, लेकिन अभी तक मोदी सरकार ने कुछ किया नहीं। किसान आयोग, किसानों के लिए कानून बनाने तथा एमएसपी को कानून के दायरे में लाये जाने का कदम सार्थक होगा। किसान आंदोलन फिर से सक्रिय है। मीडिया में कभी कुछ दिख जाता है, अन्यथा किसान प्रचार से बाहर ही हैं। सरकार का दबाव इसके पीछे होना संभव है। बिना सांसदों की सलाह लिए अध्यादेश निकाल दिया जाता है, कोई भी कानून बनाने के लिए। मामला प्रवर समिति (स्टैंडिंग कमेटी) तक नहीं भेजा जाता। भाजपा की मोदी सरकार सिर्फ अपने बलबूते सत्ता में नहीं आई, उसे अपने गठबंधन के दलों को साथ लेना पड़ा। तनिक किसानों की ओर नजर डालें। उनकी बात सुनें और कोई अच्छा कदम उठाएं तो सरकार को कुछ और मजबूती मिलेगी। देखते जाना ही सम्प्रति विकल्प है। आगे की गतिविधियां रोमांचक भी होना संभव है।

खेती-किसानी महंगी होती जा रही है। रसायनिक उर्वरक, कीटनाशक, उपकरण आदि महंगाई की चपेट में हैं। एमएसपी को कानूनी दायरे में लाना चाहिए।

आंकड़ों में दूसरा यथार्थ भी छिपा है, सरकार के लिए चुनौती पेश करेंगे कुछ विरोधाभास

पिनाकी चक्रवर्ती

बीते नौ जून को सत्ता में आई नई राजग सरकार का यह पहला पूर्ण बजट है। यह बजट कई मायनों में खास है, जो अगले पांच वर्षों के दौरान आर्थिक प्रबंधन के लिए नीतिगत ढांचे का प्रतिबिंब है। बजट की शुरुआत दो सावधानियों के साथ होती है-बढ़ती वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और वैश्विक मुद्रास्फीति का बढ़ता जोखिम। बजट भाषण में वित्त मंत्री द्वारा इन दो वैश्विक जोखिमों का उल्लेख दर्शाता है कि भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था इन वैश्विक जोखिमों के प्रति कितनी संवेदनशील है। वित्त मंत्री ने जोर देकर कहा कि इन जोखिमों के बावजूद भारत के विकास की गति बनी रहेगी। लेकिन इसके लिए एक स्थिर व व्यापक आर्थिक व्यवस्था, टिकाऊ ऋण और घरेलू निवेश व उपभोक्ता मांग में बढ़ोतरी बेहद जरूरी है। वित्त मंत्री ने अपने भाषण में भारतीय अर्थव्यवस्था में रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए केंद्रीय बजट 2024-25 में नौ प्राथमिकताएं बताई हैं। इनमें उत्पादकता, नौकरियां, सामाजिक न्याय, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा, बुनियादी ढांचा, नवाचार और सुधार शामिल हैं। इन बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं।

हाल के वर्षों में बेरोजगारी एक बड़ी चुनौती रही है। वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में कहा कि इस बार बजट में रोजगार, कौशल विकास, लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम आकार के उद्यम (एमएसएमई) एवं मध्यवर्ग पर खास ध्यान दिया गया है। बजट में रोजगार बढ़ाने या निजी क्षेत्र में रोजगार को प्रोत्साहित करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। बजट में शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास, समावेशी मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय से संबंधित जिन पांच योजनाओं की घोषणा की गई है, वे समावेशी विकास और सामाजिक विकास के लिए सक्षम ढांचा बना सकती हैं। ये घोषणाएं इस तथ्य को भी रेखांकित करती हैं कि बेरोजगारी इस समय देश के सामने सबसे गंभीर एवं व्यापक आर्थिक समस्याओं में से एक है। कौशल विकास पारिस्थितिकी तंत्र और रोजगार के अवसरों के बीच अंतर को पाटने के लिए, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस मुद्दे को संबोधित करने के उद्देश्य से 2 ट्रिलियन (बीस खरब) रुपये के प्रधानमंत्री पैकेज के हिस्से के रूप में एक नई केंद्र प्रायोजित योजना की भी घोषणा की। 60 हजार करोड़ रुपये के परिव्यय वाली इस योजना का लक्ष्य राज्य सरकारों और उद्योग के सहयोग से अगले पांच वर्षों में बीस लाख से अधिक युवाओं को कौशल प्रदान करना है। कौशल के परिणाम और गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जो पाठ्यक्रम सामग्री और डिजाइन उद्योग की जरूरतों के अनुरूप है। 60 हजार करोड़ रुपये में से, राज्य सरकारें 20 हजार करोड़ रुपये और उद्योग जगत 10 हजार करोड़ रुपये का योगदान देगा, जिसमें उसके कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) फंड भी शामिल हैं।

इस बजट में अगली पीढ़ी के सुधारों से संबंधित कई घोषणाएं की गई हैं। ये सुधार भूमि, श्रम, पूंजी, केंद्र-राज्य समन्वय और प्रौद्योगिकी के उपयोग से संबंधित हैं। बजट में जलवायु अनुकूलन और शमन के लिए पूंजी की उपलब्धता बढ़ाने की खातिर सक्षम ढांचा बनाने पर भी जोर दिया गया है। इनमें से अधिकांश सुधारों का क्रियान्वयन राज्यों के अधिकार क्षेत्र में है। खास तौर से भूमि से संबंधित कोई भी सुधार राज्य सरकारों को ही करना होगा। संविधान की सातवीं अनुसूची के अनुसार, भूमि पर अधिकार, जमींदार और किरायेदार के संबंध सहित भूमि का स्वामित्व, और किराये का संग्रह; कृषि भूमि का हस्तांतरण तथा भूमि सुधार राज्य के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। पिछले दो दशकों में भूमि एवं भूमि बाजार में सुधार की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। कुछ राज्यों में भूमि अभिलेखों का डिजिटलीकरण एक बड़ी कामयाबी है। इस संबंध में राज्य स्तर पर व्यावहारिक भूमि संबंधी नीतिगत सुधारों के लिए विभिन्न राज्य स्तरीय नीतियों को समझना महत्वपूर्ण है। इस मामले में केंद्र सरकार केवल राज्यों को सक्षम बना सकती है। ये सुधार केंद्र सरकार द्वारा संचालित नहीं किए जा सकते। इसलिए ऐसे सुधारों के कार्यान्वयन की सफलता के लिए राज्य सरकारों के साथ परामर्श प्रक्रिया की शुरुआत करनी होगी।

इस बजट में आयकर ढांचे में इस तरह परिवर्तन किया गया है कि आयकर भुगतान के बाद लोगों के हाथों में ज्यादा पैसा बचा रहे। इसके लिए मूल छूट सीमा को बढ़ाया गया है, जिसके तहत वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए मानक कटौती को 50,000 रुपये से बढ़ाकर 75,000 रुपये कर दिया गया है। इसी तरह पेंशनभोगियों के लिए पारिवारिक पेंशन पर कटौती में छूट सीमा भी 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये कर दी गई है। बजट में आयकर अधिनियम, 1961 की व्यापक समीक्षा की भी घोषणा की गई है। चूंकि आधुनिक कर प्रणाली सरल और प्रशासन में आसान है, इसलिए आयकर अधिनियम की समीक्षा बेहद महत्वपूर्ण है। आयकर स्लैब में भी बदलाव किया गया है, जिससे आय वितरण के निचले छोर पर रहने वाले लोगों को मदद मिलेगी। हालांकि आयकर व्यवस्था वेतनभोगी और मध्यम वर्ग के हाथों में कर चुकाने के बाद अधिक आय प्रदान करती प्रतीत होती है। चूंकि ज्यादातर लोग नई कर व्यवस्था चुन रहे हैं, नए बजट के प्रावधानों के अनुसार, अब आम लोगों के हाथ में ज्यादा खर्च योग्य आय बचेगी, जिससे उन्हें महंगाई से निपटने में भी सहूलियत मिलेगी। लेकिन कैपिटल गेन टैक्स की दर में बदलाव, उन बदलावों के अनुरूप नहीं है, जो हाल के वर्षों में हमने वित्तीय बाजारों में देखे हैं।

भारत के वित्तीय बाजार में खुदरा निवेशकों की भागीदारी बढ़ने से बदलाव की संभावना है। पिछले तीन वर्षों में जब भी देश से पूंजी का बहिर्गमन हुआ है, खुदरा निवेशकों ने ही मदद की है। कैपिटल गेन टैक्स में वृद्धि निवेशकों को विरोधाभासी संकेत दे सकती है तथा शेयर बाजार के आधार को बढ़ाने के बड़े नीतिगत लक्ष्य के विरुद्ध दिख सकती है। मगर राजकोषीय हिसाब-किताब के लिहाज से बजट के आंकड़े प्रभावशाली हैं। राजकोषीय विवेक के साथ चलते रहना होगा और केंद्र सरकार के ऋण और घाटे को राजकोषीय जवाबदेही और बजट प्रबंधन अधिनियम के अनुरूप कम करना होगा।

ऑनलाइन स्टडी के चलते घबराहट और तनाव के शिकार होते बच्चे

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

देखा जाए तो कोरोना के बाद से बच्चों में डिप्रेशन और एंजाइटी का रोग तेजी से बढ़ता जा रहा है। कोरोना की दहशत के हालात, लॉकडाउन, वर्क फ्राम होम और बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई के साइड इफेक्ट सामने आने लगे हैं। ऑनलाइन स्टडी के चलते बच्चें मोबाइल के अधिकांश इस तरह के ऐप्स से रुबरु होने लगे जो बालपन को कहीं ना कहीं सीधे सीधे प्रभावित करने लगा। एक और जहां चाहे-अनचाहे आनलाइन गेमों की बच्चों में लत लगी वहीं सोशियल मीडिया साइट्स भी बच्चों में लत के रुप में लगने के साथ ही बच्चों के दिलों दिमाग पर नकारात्मक प्रभाव ड़ालने में सफल रही है। देखा जाए तो खेल खेल में बच्चें ना चाहते हुए भी तनाव और एंजाइटी के दौर में प्रवेश कर गए हैं। बदलती जीवनशैली और सामाजिक आर्थिक सिनेरियों में सर्दी जुकाम की तरह एंजायटी यानी कि घबराहट और डिप्रेशन यानी कि अवसाद आज के बच्चों में आम होता जा रहा है। जानी मानी साइक्रेटि्र्क मैगजीन जामा साइक्रेट्री में हालिया प्रकाशित एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। मनोवैज्ञानिकों ने अध्ययन के दौरान 11 से 15 साल के बच्चों के बीच अध्ययन किया और खासतौर से यह समझने की कोशिश की गई कि जिस तरह से सर्दी जुकाम संक्रामक बीमारी है और एक से दूसरे में फैल जाती है उसी तरह से एंजायटी या डिप्रेशन भी एक बच्चे से दूसरे बच्चे को प्रभावित कर सकता है क्या? अध्ययन में पाया गया कि घबराहट या एंजाइट प्रभावित बच्चें के लक्षण साथ वाले बच्चें में भी विकसित होने के देखे गए हैं। यह अध्ययन भी एक दो नहीं बल्कि सात लाख बच्चों में किया गया है। चिंता की बात यह है कि सर्दी जुकाम संक्रामक रहा है व संपर्क में आने वालों को गिरफ्त में लेने की प्रबल संभावनाएं रहती है, लगभग यही हालात एंजाइटी और डिप्रेशन को लेकर देखी जाने लगी है।

हालात की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि फिनलैंड विश्वविद्यालय के शोधार्थियों के अध्ययन में यह साफ हुआ है कि छह में से एक व्यक्ति बैचेनी यानी कि एंजायटी से प्रभावित रहने लगा है। कोरोना के बाद इस तरह के मरीजों की संख्या में 60 फीसदी तक की बढ़ोतरी देखी जा रही है।

यदि अध्ययन कर्ताओं की मानें तो कोविड 19 अर्थात् कोरोना के बाद हालात तेजी से विकट हुए हैं। खासतौर से पैसों वालों व बुजुर्गों की बीमारी से बच्चें प्रभावित होने लगे हैं। बैचेनी, घबराहट, हाथों में कंपन, नींद ना आना, चिडचिडापन, तनावग्रस्त, कुंठा आदि लक्षण दिखने लगते हैं। इससे बच्चों में नकारात्मकता भी आती जा रही है। अधिक चिंता की बात यह है कि यह बीमारी बच्चों में संक्रामक रोग की तरह फैलती जा रही है। कोराना के लॉकडाउन के साथ ही पेरेंट्स की अंधी प्रतिस्पर्धा और अधिक से अधिक पाने की लालसा, बच्चों के बीच परस्पर सहयोग, समन्वय, मित्रता, सहभागिता के स्थान पर संवेदनहीनता और गलाकाट प्रतिस्पर्धा के परिणाम सामने आने लगे हैं। बच्चों में कुंठा तो आम होती जा रही है। रही सही कसर सोशियल मीडिया ने पूरी कर दी है। सोशियल मीडिया जो परस्पर संवाद का माध्यम बन सकता है चह तनाव का प्रमुख कारण बनता जा रहा है। लाइक अनलाइक और कमेंट्स बालमन को नकारात्मक रुप से प्रभावित करता जा रहा है। ऑनलाइन अध्ययन के चलते बच्चों में मोबाइल का शोक लग गया है और उसका नकारात्मक असर वीडियो गेम्स के रुप में देखा जा सकता है जो बच्चों को गेम के चक्कर में डिप्रेशन में जाते हुए देखा जा सकता है। गेम्स बच्चों में तनाव का कारण बनते जा रहे हैं। ओटीटी प्लेटफार्म भी अपना असर दिखाता जा रहा है। रील्स का तो कहना ही क्या? लगता है बच्चों के बालमन को नकारात्मक रुप से प्रभावित करने वाले सभी कारक सामने आते जा रहे हैं। शिक्षण संस्था हो या परिवार खासतौर से एकल परिवार के हालात हालात और भी गंभीर करते जा रहे हैं। हालात यहां तक होते जा रहे हैं कि बच्चें आक्रामक होते जा रहे हैं। बात बात पर झगड़ना या इस तरह का रिएक्शन की सामने वाला कोई भी हो लिहाज तो कहीं देखने को ही नहीं दिखता। मानों बालपन तो कहीं दिखाई नहीं देने लगा है।

समाज विज्ञानियों के सामने यह गंभीर समस्या दस्तक दे रही है। हालात बद से बदतर हो उससे पहले ही समस्या की गंभीरता को समझना होगा। दादा-दादी और नाना-नानी कहीं पीछे छूट रहे हैं, पेरेंट्स अवकाश भी परिवार के साथ बिताने के स्थान पर कहीं घूमने जाना पसंद करने लगे हैं जिससे परिवार और परिवार से मिलने वाले संस्कार खोते जा रहे हैं। एकल परिवार और एक ही बच्चें के कारण कई पारिवारीक संबंध तो इतिहास की बात बन जाएं तो कोई असंभाव्यता नहीं होगी। हालात दिन प्रतिदिन बदतर होते जा रहे हैं और इसके परिणाम आए दिन सामने आते जा रहे हैं। अत्यधिक तनाव के कारण बच्चों को आत्महत्या जैसे कदम उठाते देखा जा रहा है। वहीं बदले की भावना, बात बात में गुस्सैल होना, तुनक मिजाजी आदि तो बस पूछो ही मत। अत्यधिक महत्वाकांक्षा भी तनाव का कारण बनती जा रही है। फिर दूसरे के बच्चों की उन्नति से अपने बच्चें को प्रेरित करने के स्थान पर इस तरह का रिएक्शन देना कि बच्चा प्रोत्साहित होने के स्थान पर निरुत्साहित होने लगे हैं। ऐसे में समाज विज्ञानियों और मनोविज्ञानियों के सामने अधिक चुनौती पूर्ण समय आ गया है। समय रहते इसका समाधान खोजना ही होगा नहीं तो दुनिया के देशों में जिस तरह से बच्चों को छोटी उम्र में ही हिंसक होते देखा जा रहा है उसमें कमी होने के स्थान पर गंभीरता पूर्वक हालात बदतर ही होंगे। इसका समाधान खोजना होगा नहीं तो आने वाली पीढ़ी किसी भी हालत में हमें माफ नहीं करेगी।

दरअसल यह समस्या इसलिए और अधिक गंभीर हो जाती है कि संक्रामक रोग की तरह इसके असर देखे जा रहे हैं। कहते हैं ना कि संगत का असर पड़ता है तो यह सीधे सीधे साथ वाले बच्चों को प्रभावित करने लगा है। लाख प्रयासों के बावजूद बच्चों का बालसुलभ मन कहीं खोता जा रहा है। यह समाज के लिए बडी चुनौती है और इसका समाधान घर से ही खोजना होगा।

आज कारगिल विजय दिवस पर विशेष

एक असंभव विजय

अनिरुद्ध सिंह 'कुसुम'
लेखक/पत्रकार

बैटल ऑफ करगिल से पहले हम इस क्षेत्र के जोखिम को समझते हैं। ये पहाड़ी इलाका सुरु नदी की घाटी में बसा है, जो लेह लद्दाख को भारत के अन्य क्षेत्रों से जोड़ता है एनएच 1 के द्वारा। कारगिल,सीधे खड़ी चोटियों वाला एक बेहद दुर्गम क्षेत्र है। हजारों फिट ऊंची चोटियों में भारत पाक के बीच लड़ी गई लड़ाई , दुनिया की बेहद खतरनाक लड़ाइयों में एक है। इतनी ऊंचाई पर भीषण ठंड तो होगी ही साथ में ऊंचाई पर जवानों को ऑक्सीजन की कमी से भी जूझना पड़ता है। अर्थात यहां पर दुश्मन के साथ मौसम से भी जूझना पड़ता है,। दुश्मन पंद्रह हजार फिट उंचाई पर और भारतीय सेना 4 हजार फिट नीचे। इतनी उंचाई पर चढ़ते हुए एक सीमा में वजन ले जा सकते हैं, उसमे खाना भी है, और गोली भी है, गोली कम तो दुश्मन मार देगा, और खाना कम तो भी मरना है। आप समझ गए होंगे की करगिल विजय असंभव क्यूं थी। फौज में एक कहावत है पहाड़ फ़ौज को खा जाते हैं। मैदानी इलाके में जब लड़ाई होती है तो आक्रामक फौज को रक्षात्मक फौज की अपेक्षा तीन गुना होना चाहिए। और जब लड़ाई पहाड़ों पर हो तो ये अनुपात 9 गुना हो जाता है। इस लिहाज़ से कारगिल की ऊंची चोटियों पर बैठे एक दुश्मन को मारने के लिए 27 भारतीय जवानों की जरुरत थी। टाइगर हिल, तोलोलिंग हिल और प्वाइंट 5140 , और 4875 चोटियां से घिरे लगभग 100, किलोमीटर के दायरे में लड़ा गया था।

कारगिल की साजिश एक बेहद सोची समझी रणनीति के तहत रची गई थी। इसकी तैयारी मुशर्रफ़ वर्षों से कर रहे थे। मुशर्रफ़ ने अपनी किताब इन द लाइन ऑफ फायर मे लिखते हैं कि कारगिल में हमारी इतनी पुख्ता तैयारी थी कि, हिंदुस्तान को हमारी चौकियों में 8 से 10 जवानों को हटाने के लिए पूरी ब्रिगेड, (ब्रिगेड में लगभग 3000 हजार सैनिक होते हैं लगानी पड़ी। दरअसल 1984 में मुशर्रफ़ जब पाकिस्तानी सेना के कमांडो फोर्स में मेजर हुआ करते थे, और उसी समय भारत ने ऑपरेशन मेघदूत के जरिए सियाचिन में नियंत्रण किया तभी से मुशर्रफ़ के दिल मे सियाचिन पर कब्जे की आग दिल मे सुलगती रही और इसके लिए उन्होंने कोशिश भी की मगर नाकामयाब रहे। ज़ाहिर है मुशर्रफ़ कारगिल में कब्ज़ा करके सियाचिन को हासिल करना चाहते थे। मुशर्रफ़ के इस ख़्वाब को हिंदुस्तान के 527, जवानों ने आपने प्राणों की आहुति देकर, मुशर्रफ़ के ख़्वाब को ख़्वाब ही रहने दिया। इस लड़ाई में हिंदुस्तान के 1300 जवान घायल भी हुए। वहीं पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ़ के अनुसार पकिस्तान के 2700 से लेकर 4000 सैनिकों को जान से हाथ धोना पड़ा।

कारगिल मे घुसपैठ की जानकारी सबसे पहले ताशी नामग्याल नामक चरवाहे ने सबसे पहले दी, जो की कारगिल के बाल्टिक सेक्टर में अपने याक को ढूंढते हुए पाकिस्तान की आजम चौकी तक पहुंच गए थे, जिन्हे चौकी पर बैठे 6 नार्दन लाइट इन्फेंट्री के कैप्टन इफ्तखोर ने कुछ चरवाहों को देखा और उन्हें कैद करने की चर्चा की लेकिन जब उन्होंने देखा की कैद करने की सूरत में चरवाहे उनका राशन खा जायेंगे इसलिए उन्हें जाने दिया। बाद मे उन्ही चरवाहों मे से एक चरवाहे ताशी नामग्याल भारतीय सैनिकों के साथ वहां पहुंच गए और पाकिस्तान के घुसपैठ की पोल खुल गई। इसके बाद भारतीय सेना के अधिकारियों को मामले की गम्भीरता को समझने में देर नहीं लगी लेकिन हकीकत ये है कि देर ही नहीं बहुत देर हो चुकी थी , यहां एक चूक ये हुई की अभी भी भारतीय सेना के अधिकारियों को यही अंदाज़ा था की घुसपैठ को अपने स्तर पर सुलझा लेंगे इसलिए राजनीतिज्ञों को घटना की जानकारी नहीं दी गई। जबकि दुश्मन 8 से 9 किलोमीटर एल ओ सी से अंदर आ चुका था और हमारी खुफिया एजेंसियों को भनक तक नहीं लगी, वो तो जब दुश्मन की फ्रंट लाइन पर मूवमेंट और तोपखाने की तैनाती से भारतीय एजेंसियों को पता चला की घुसपैठ कितनी बड़ी है। यहां गौर करने वाली बात है कि रक्षा मंत्री को घुसपैठ की जानकारी भी बड़ी रोचक तरीके से मिली, मानवेंद्र सिंह जो की जसवंत सिंह के बेटे थे और कभी इंडियन एक्सप्रेस संवाददाता रह चुके हैं, उनके एक दोस्त जो उस रक्षा कार्यालय कवर करते थे, उनका फोन मानवेंद्र सिंह के पास आया की वो उनसे मिलना चाहता है, मानवेंद्र सिंह दोस्त से मिलने पहुंचे उसने बताया कि सीमा पर कुछ गड़बड़ है, एक पूरी पलटन को सीमा पर सीक्रेट जगह मे हैलीकॉप्टर से भेजा है, घुसपैठ रोकने के लिए,साथ ही कंपनी को अलर्ट मोड पर रहने को कहा है। अगली सुबह मानवेंद्र सिंह ने अपने पिताजी जसवंत सिंह से घुसपैठ की बात बताई। जसवंत सिंह ने उस समय के रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडिस से बात कर जानकारी दी घुसपैठ की जॉर्ज जो उस समय रूस दौरे पर जाने वाले थे, उन्होंने दौरा रोक कर घुसपैठ की जानकारी ली, इस तरह पहली बार राजनीतिज्ञों को घुसपैठ की जानकारी मिली।

उस समय भारत के शीर्ष नेतृत्व प्रधानमंत्री अटल जी को जब पाकिस्तानी घुसपैठ का पता चला तो उन्हें गहरा धक्का लगा। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री खुर्शीद महमूद कसूरी ने अपनी बायोग्राफी नीदर ए हाक नार अ डव में लिखा है कि उन्होंने फोन पर नवाज़ शरीफ़ से बात की और उन्होने कहा मियां आपने हमारे साथ अच्छा सुलूक नही किया। एक ओर आप हमसे शांति का समझौता लाहौर में कर रहे थे और दूसरी तरफ आपके जनरल कारगिल में साज़िश रच रहे थे। नवाज़ शरीफ़ ने घबरा कर कहा मुझे कुछ भी जानकारी नहीं है, मैं मुशर्रफ़ से बात करता हूं। इधर भारतीय सेना की एक पूरी डिवीजन कारगिल में लगा दी और माउंटेन डिवीजन भी बुला ली गई। भारत ने अपनी पहली टुकड़ी में 15 सैनिक भेजे, जिसे पाकिस्तान ने कैद कर लिया और मार दिया। पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल हरचरणजीत सिंह पनाग कहते हैं कि 3, मई से लेकर जून के पहले हफ्ते भारतीय सेना का प्रदर्शन बिलो पार था, लेफ्टिनेंट जनरल पनाग बेहिचक कहते हैं, दुर्भाग्य से प्रदर्शन शर्मनाक था लेकीन 8 वीं डिवीजन की तैनाती के बाद हालात बदले, और फिर इसी बेहतर प्रदर्शन का परिणाम था कि भारत ने तोलोलिंग पर कब्जा हासिल कर लिया। तत्कालीन जनरल वी पी मलिक के अनुसार तोलोलिंग विजय ही कारगिल का निर्णायक मोड़ था।

विपक्ष की मुस्लिमों के प्रति अंधश्रद्धा से भाजपा बनी मजबूत

मुस्लिमों का हितेषी बनने का नया मामला बांग्लादेश का है। पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि हिंसा प्रभावित बांग्लादेश के संकटग्रस्त लोगों के लिए पश्चिम बंगाल के दरवाजे खुले रखेंगी और उन्हें आश्रय देंगी।

योगेंद्र योगी

मुस्लिम वोटों के लिए विपक्षी नेता किसी भी हद तक जा सकते हैं। विपक्षी दलों को लगना चाहिए कि हितेषी बनने का दिखावा करने मात्र से मुस्लिम वोटों को बटोरा जा सकता है। इसके बाद इन दलों मे आपस में ही सच्चा हितेषी साबित करने की प्रतिस्पर्धा हो जाती है। वोटों की खातिर मुस्लिमों के प्रति इस अंधश्रद्धा का ही परिणाम है कि इसके प्रतिक्रियास्वरूप भाजपा ने न सिर्फ राष्ट्रीय पर संगठन की मजबूत पकड़ बना ली, बल्कि लगातार तीसरी बार केंद्र में सत्ता में भी आ गई। हालांकि इसमें काफी हद तक केंद्र सरकार के विकास कार्य भी शामिल हैं।

मुस्लिमों का हितेषी बनने का नया मामला बांग्लादेश का है। पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि हिंसा प्रभावित बांग्लादेश के संकटग्रस्त लोगों के लिए पश्चिम बंगाल के दरवाजे खुले रखेंगी और उन्हें आश्रय देंगी। आश्चर्य की बात यह है कि यह मुद्दा मुख्यमंत्री ममता के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। यह विदेश मंत्रालय के अधीन आता है। विदेश मंत्रालय केंद्र सरकार के अधीन काम करता है। यह जानते हुए भी ममता ने मुस्लिम वोट बैंक पर पकड़ बनाए रखने के लिए ऐसा बयान दिया। इससे पहले भी ममता बनर्जी सरेआम मुस्लिमों का पक्ष लेती रही हैं। इसके लिए बेशक कानून की मंजूरी हो या नहीं। बर्मा के रोहिंग्या शरणार्थियों का मसला भी केंद्र सरकार के अधीन था। केंद्र सरकार ही तय कर सकती है कि भारत में किसे शरण देनी और किसे नहीं।

रोहिंग्या शरणार्थी संकट पर केंद्र के दृष्टिकोण का विरोध करते हुए ममता ने कहा था कि सभी आम लोग आतंकवादी नहीं हैं और उन्होंने समुदाय का समर्थन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। गौरतलब है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा 40,000 रोहिंग्या शरणार्थियों को निर्वासित करने की योजना बनाई थी। ममता बनर्जी की शह पाकर कई मुस्लिम संगठनों से जुड़े हजारों प्रदर्शनकारियों ने कोलकाता में रैली

निकाली और प्रधानमंत्री मोदी की निर्वासन योजना का विरोध किया तथा रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए भारत में आश्रय की मांग की। यह मुद्दा मुस्लिमों के वोट बैंक से जुड़ा हुआ था। इसमें दूसरे विपक्षी दल भी कूद गए। मुस्लिमों के मामले में सभी विपक्षी दलों को लगता है कि कहीं दूसरा दल वोट बैंक का ज्यादा हिस्सा नहीं ले जाए, इसी वजह मुद्दा चाहे राज्यों का हो या फिर केंद्र सरकार से जुड़ा हो, बहती गंगा में हाथ धोने से कोई पीछे नहीं रहना चाहता।

मुस्लिम वोट की खातिर ममता किसी भी हद से गुजरने को तैयार रहती हैं। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के इमाम और मुआज्जिम को लेकर बुलाई कॉन्फ्रेंस पर भी राजनीतिक घमासान छिड़ गया था। विरोधी पार्टियों ने इस कॉन्फ्रेंस के मद्देनजर ममता पर खुलकर तुष्टिकरण और वोट की राजनीति का आरोप लगा दिए। समूचे बंगाल के इमाम और मुआज्जिम इसमें शामिल होने के लिए हजारों की संख्या में कोलकाता पहुंचे थे। गठबंधन की सहभागी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने ममता बनर्जी पर जमकर हमला बोलते हुए ममता से मुसलमानों के समग्र विकास के लिए श्वेतपत्र जारी करने की मांग कर दी। कांग्रेस नेता ने मुख्यमंत्री ममता से सवाल पूछते हुए कहा कि ममता बनर्जी को श्वेत पत्र देकर बताना चाहिए कि वक्फ संपत्ति को बेचकर कितने प्रमोटर करोड़पति हो गए और इनमें से कितने आपकी पार्टी के हैं। मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति में ममता बनर्जी कानून को भी ठेंगा दिखाने में पीछे नहीं रही। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने तृणमूल कांग्रेस शासन के तहत 2011 से बंगाल में जारी किए गए अन्य पिछड़ा वर्ग के सभी प्रमाण-पत्रों को अवैध बताते हुए रद्द कर दिया। इसमें 80 प्रतिशत से ज्यादा मुस्लिम समुदाय को इस आरक्षण का फायदा मिल रहा था। न्यायालय के इस निर्णय पर ममता बुरी तरह भड़क गई। उच्च न्यायालय के विशिष्ट न्यायाधीशों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने यहां तक कह डाला था कि एक न्यायाधीश कह रहा है मैं आरएसएस का व्यक्ति हूं, दूसरा भाजपा में शामिल हो गया... आप इस तरह से न्यायाधीश कैसे हो सकते हैं और अदालतों की अध्यक्षता कैसे कर सकते हैं? इतना ही नहीं ममता सरकार को संदेशखाली में महिलाओं के यौन शोषण और जमीन हथियाने व राशन घोटाले से जुड़े सभी मामलों में अभियुक्तों को बचाने के लिए पुरजोर पैरवी की।

सुप्रीम कोर्ट ने ममता सरकार के रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा था कि सरकार किसी शख्स को बचाने की कोशिश क्यों कर रही है। गौरतलब है कि ईडी अधिकारी तृणमूल कांग्रेस के निलंबित नेता शाहजहां शेख के यहां छापा मारने गए थे, जहां उन पर हमला किया गया था। ममता बनर्जी ही नहीं मुस्लिम वोट बैंक की खातिर अपराधी, आतंकी और देश विरोधी बयान देने वालों को गले लगाने के लिए राजनीतिक न सिर्फ आतुर रहते हैं बल्कि आपस में प्रतिस्पर्धा भी करते हैं। उत्तर प्रदेश में समाजवादी और बहुजन समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान मुस्लिम माफियाओं ओर अपराधियों को भरपूर संरक्षण दिया गया। माफिया अतीक अहमद और मुख्तार अंसारी की मौत पर सपा अध्यक्ष ने खूब घडियाली आसू बहाए थे। दरअसल भाजपा के बढ़ते प्रभाव के कारण क्षेत्रीय दलों के पास वोट बैंक बनाने के अवसर सीमित हो गए हैं। यही वजह है कि मुस्लिम वोट बैंक में ज्यादा हिस्सा बटोरने के लिए सही-गलत की विवेचना किए बगैर विपक्षी दल मुस्लिमों के समर्थन के लिए हर तरह के हथकंडे अपनाने से बाज नहीं आते।

कारगिल कैसे बना पाकिस्तान की सबसे बड़ी गलती

इस्लामाबाद

हर साल 26 जुलाई को भारतीय सेना के साथ ही पूरा देश कारगिल विजय दिवस मनाता है। यही वो तारीख है जिस दिन भारतीय जवानों ने पाकिस्तानी सेना को खदेड़कर कारगिल की सभी चोटियों पर तिरंगा फहराया था। इस जंग में भारत की निर्णायक जीत हुई थी। इस जंग का महत्व इसलिए भी बहुत बड़ा हो जाता है, क्योंकि उस समय तक पाकिस्तान ने परमाणु बम हासिल कर लिया था। इसके बावजूद भारत ने बिना किसी दबाव के पाकिस्तान के खिलाफ पूरी मजबूती से लड़ाई लड़ी और न सिर्फ उसे हराया बल्कि पूरी दुनिया में बेनकाब भी कर दिया। भारत के साथ कारगिल की जंग छेड़कर पाकिस्तान ने बहुत भारी गलती थी, जिसका खामियाजा वो आज तक भुगत रहा है। पाकिस्तान के विशेषज्ञ इस जंग के बारे में ऐसा ही मानते हैं।

पाकिस्तान की पत्रकार आरजू काजमी पर अपने यूट्यूब चैनल पर कारगिल की जंग के बारे में पाकिस्तानी विशेषज्ञ से डॉ. इश्तियाक अहमद से समझने की कोशिश की। डॉक्टर अहमद बताते हैं कि कारगिल की जंग एक ऐसी गलती है, जिससे पाकिस्तान आज तक उबर नहीं पाया है।

उन्होंने बताया कि 1998 में मई महीने में भारत और पाकिस्तान दोनों ने परमाणु परीक्षण किया। दोनों देश आधिकारिक रूप से परमाणु संपन्न हो गए थे। इसके बाद दोनों देशों के नेताओं ने तय किया कि अब परमाणु हथियार के साथ लड़ाई तो हो नहीं सकती, तो क्यों ने अमन की दिशा में काम शुरू किया जाए।

इश्तियात अहमद ने कहा कि ये बहुत बड़ा कदम था। इसका सबसे ज्यादा क्रेडिट भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को जाता है, लेकिन नवाज शरीफ को भी जाना चाहिए। वो बताते हैं कि जब फरवरी 1999 में वाजपेयी लाहौर आए तो उस समय ही पाकिस्तानी सेना के जनरल और बाद में तख्ता पलट करके शासक बने परवेज मुशर्रफ ने सैल्यूट करने से मना कर दिया था। उस समय ही साफ हो गया था कि पाकिस्तान की सरकार के साथ सेना नहीं है। यही नहीं, आईएसआई के इशारे पर जमात ए इस्लामी ने वाजपेयी के काफिले पर पत्थर भी फेंके। उन्होंने कहा कि वाजेपयी का दौरा बहुत कामयाब रहा था। दोनों देशों के बीच लाहौर समझौता हुआ, जिसमें रिश्तों की नए सिरे की शुरुआत हुई। लेकिन वाजपेयी के वापस जाने के कुछ ही महीनों बाद पता चला कि पाकिस्तान की सेना ने कारगिल के इलाके में घुसपैठ कर ली थी। कारगिल के इलाके में भारतीय सेना सर्दियों में वापस आ जाती थी, जिसका फायदा पाकिस्तान ने उठाया। इसका मतलब साफ है कि जब भारत के प्रधानमंत्री पाकिस्तान में दोस्ती का अध्याय लिख रहे थे, ठीक उसी समय पाकिस्तान की सेना भारत के खिलाफ कारगिल में साजिश कर रही थी।

डॉक्टर अहमद बताते हैं कि पाकिस्तानी जनरलों ने जो किया, उसने पूरी दुनिया में पाकिस्तान को एक गैर भरोसेमंद देश बना दिया। कोई भी ऐसे देश पर भरोसा नहीं कर सकता था, जो एक तरफ दोस्ती का नाटक कर रहा हो और दूसरी तरफ उसी दोस्त के इलाके पर कब्जा कर रहा हो। पाकिस्तान दुनिया में एक धूर्त देश के रूप में साबित हो गया। इसके साथ ही भारत ने अपनी तोप और एयर फोर्स भी जंग में उतार दी। इसके मुकाबले में पाकिस्तान ने कोई जवाब नहीं दिया, इससे यह भी साबित हो गया कि परमाणु बम होने के बाद भी पाकिस्तान में भारत से सीधा मुकाबला करने की हिम्मत नहीं है। पाकिस्तान सेना ने तो अपने सैनिकों को मुजाहिदीन बताकर उनसे पल्ला झाड़ लिया, जिससे ये भी साबित हुआ कि वह अपने सैनिकों का भी सम्मान नहीं कर सकती है।

इंडिया की गलियों में घसीटूंगा गुलाम हैदर की सीमा को खुली धमकी

इस्लामाबाद

गुलाम हैदर ने एक बार फिर सीमा और सचिन पर अपना गुस्सा निकाला है। गुलाम का कहा है कि सीमा गैरकानूनी तरीके से पाकिस्तान से भारत गई है। इतना ही नहीं वह चार बच्चों को भी ले गई है। सीमा हैदर के पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर ने कहा कि भारत की सरकार उसके बच्चों को वापस पाक भेजे। गुलाम ने एक वीडियो जारी करते हुए कहा है कि सीमा का भरोसा नहीं किया जा सकता और वह चाहता भी नहीं कि वह वापस पाकिस्तान आए। सीमा को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए और बच्चों को पाकिस्तान डिपोर्ट किया जाए। गुलाम ने कहा कि 10 साल से छोटे बच्चों को इस तरह दूसरे मुल्क ले जाना उनके साथ अत्याचार है।

गुलाम ने कहा कि भारत में मेरे वकील मोमिन मलिक ने जैसे-जैसे अदालती कार्रवाई बढ़ाई है, सीमा की फिक्र बढ़ गई है। वह खुद को बचाने के लिए उल्टी सीधी वीडियो जारी करने लगी है, जिनमें कोई सच्चाई नहीं है। गुलाम ने कहा, %सीमा इस बात से परेशान है कि लोगों के सामने सच्चाई आ रही है। सीमा अपने किए को ही छुपाना चाहती है लेकिन अब ये मुमकिन नहीं हो पाएगा।

गुलाम ने आगे कहा, सीमा के परिवार के लोग मेरे साथ वीडियो पर आकर उसकी पोल खोल रहे हैं। सीमा परेशान है कि क्यों उसके भाई बहन ही उसकी पोल खोल रहे हैं। सीमा अपने परिवार के लोगों को भी नकार रही है लेकिन उसका झूठ जल्दी ही पकड़ा जाएगा और वो बेनकाब होगी। उसे अगर लगता है कि मैं थक गया हूं तो ऐसा नहीं होने वाला है। वीजा मिलते ही मैं खुद इंडिया आऊंगा और भारत ही गलियों में घसीटते हुए सीमा को अदालत लाऊंगा। उसे ना सचिन बचा पाएगा और ना गी कोई दूसरा उसकी मदद करेगा। गुलाम ने कहा कि सीमा अपनी बातों से भारत और पाकिस्तान में दुश्मनी भड़काने की कोशिश कर रही है लेकिन वो इसमें कामयाब नहीं हो पाएगी। भारत हो या पाकिस्तान, दोनों ही देशों के लोग इतने पागल नहीं हैं कि उनको सीमा की बातों का झूठ समझ ना आए। सीमा के झूठ को अब सब समझ गए हैं और उसका खेल बहुत जल्दी ही खत्म हो जाएगा।

बसपा प्रमुख ने की नीट परीक्षा खत्म करके पुरानी व्यवस्था बहाल करने की मांग

लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने विवादों में घिरी राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) को खत्म करके पुरानी व्यवस्था बहाल करने की मांग की है। मायावती ने एक्स पर बृहस्पतिवार को कहा,'' नीट-स्नातक मेडिकल परीक्षा में हुई गड़बड़ी को लेकर यह मामला सड़क से लेकर संसद तक और उच्चतम न्यायालय तक में गर्माया रहा। अब नतीजा चाहे जो भी हो लेकिन लाखों परीक्षार्थियों व उनके परिवार वालों को इससे जो पीड़ा हुई उन्हें उसका दुख हमेशा सताएगा।'' उन्होंने कहा, ''मेडिकल की इतनी अहम परीक्षा सही से कराने के मामले में देश को अश्वस्त कर पाने में केन्द्र अभी तक विफल है जो समस्या को और गंभीर बना रहा है। नीट यूजी-पीजी परीक्षा को समाप्त कर पुरानी व्यवस्था बहाल की जाए।'' तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की सरकारों ने भी नीट की जगह पुरानी परीक्षा व्यवस्था बहाल करने की मांग की है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में इस सिलसिले में एक प्रस्ताव भी पारित किया गया है। प्रस्ताव में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की स्वतंत्र और निष्पक्ष परीक्षा आयोजित करने में कथित अक्षमता की निंदा की गई और राज्य में संयुक्त प्रवेश परीक्षा आयोजित करने का आग्रह किया गया है।

ऑस्ट्रेलिया में दो हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, दोनों पायलटों की मौत

सिडनी,(वार्ता) ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने गुरुवार सुबह देश के पश्चिमी हिस्से में दो हेलिकॉप्टरों के दुर्घटनाग्रस्त होने और दोनों के पायलटों की मौत की पुष्टि की है। यह घटना राज्य के किम्बरली क्षेत्र के एक छोटे से शहर कैम्बलिन में माउंट एंडरसन स्टेशन के पास हुई। आपातकालीन सेवाओं को स्थानीय समयानुसार गुरुवार सुबह लगभग 6:20 बजे दुर्घटना की सूचना दी गयी। शुरुआती संकेतों से पता चला है कि मवेशियों को इकट्ठा करने वाले दो हेलिकॉप्टर उड़ान भरने के तुरंत बाद टकरा गये। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया पुलिस बल ने कहा, दोनों हेलिकॉप्टरों में केवल एक-एक व्यक्ति सवार था। दुख की बात है कि दोनों पायलट - एक 29 वर्षीय पुरुष और एक 30 वर्षीय पुरुष- की दुर्घटना के दौरान लगी चोटों के कारण मौत हो गयी।

कमला हैरिस को समर्थन देने से क्यों परहेज कर रहे ओबामा

वॉशिंगटन

जो बाइडन ने इस साल होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से उम्मीदवारी वापस लेने के बाद कमला हैरिस का नाम आगे बढ़ाया है। डेमोक्रेटिक पार्टी से कई बड़े नेता कमला हैरिस के नाम पर सहमत नजर आ रहे हैं लेकिन पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा चुप हैं। बराक ओबामा ने अब तक उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को उनके अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए समर्थन देने से परहेज किया है। बताया जा रहा है कि ओबामा को इस बात पर शक है कि हैरिस रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को चुनाव हराने में कामयाब हो पाएंगी। जो बाइडन के अमेरिकी राष्ट्रपति पद की दौड़ से अप्रत्याशित रूप से हटने के बाद ज्यादातर डेमोक्रेटिक नेताओं ने कमला की उम्मीदवारी के लिए समर्थन दिया। बाइडन परिवार से जुड़े सोर्स के हवाले से न्यूयॉर्क पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि ओबामा इस बात को लेकर सहज नहीं हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि हैरिस चुनाव जीतने में कामयाब नहीं हो सकेंगी। सूत्र के मुताबिक हैरिस के लिए बाइडन के तत्काल समर्थन के ऐलान ने भी ओबामा को आश्चर्यचकित किया। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ओबामा कथित तौर पर अगले महीने डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन के लिए संभावित उम्मीदवार के तौर पर एरिजोना सीनेटर मार्क केली को समर्थन देना चाहते हैं।

न्यूयॉर्क टाइम्स पोस्ट की रिपोर्ट में ओबामा को नाराज बताया गया है। वहीं दूसरी ओर एनबीसी न्यूज ने दावा किया है कि ओबामा डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार के रूप में हैरिस का समर्थन करने की योजना बना रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि ओबामा ने निजी तौर पर हैरिस की उम्मीदवारी का समर्थन किया है और उनके साथ नियमित संपर्क में हैं। वह सार्वजनिक तौर भी हैरिस के नाम का समर्थन करेंगे। हालांकि ओबामा कब ऐसा करेंगे, इसकी कोई तारीख रिपोर्ट में नहीं दी गई है। जो बाइडन के अमेरिकी राष्ट्रपति पद की दौड़ से हटने के फैसले के बाद देश के राजनीतिक परिदृश्य में बड़ा बदलाव आया है। बाइडन के हटने के बाद इस बात की चर्चा है कि डेमोक्रेटिक पार्टी से अब डोनाल्ड ट्रंप को चुनौती देने के लिए कौन चुनाव मैदान में उतरेगा। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के नाम की सबसे ज्यादा चर्चा है। हाल ही में बराक ओबामा की पत्नी मिशेल ओबामा का नाम भी उछला है। हालांकि ये मीडिया रिपोर्ट ही हैं, बराक या मिशेल ने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है।

कोलंबिया में फुटबॉल मैदान पर ड्रोन हमले में 10 लोगों की मौत

बोगोटा,(वार्ता) दक्षिण-पश्चिम कोलंबिया के काउका विभाग में एक फुटबॉल मैदान पर मंगलवार रात हुए ड्रोन हमले में एक नाबालिग सहित 10 लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी सैन्य अधिकारियों ने बुधवार को दी। काउका में आर्मी स्पेसिफिक कमांड के प्रमुख जनरल फेडेरिको मेजिया के अनुसार, यह हमला अर्गेलिया शहर के एल प्लैटेडो जिले में कोलंबिया विद्रोही समूह के निष्क्रिय हो चुके क्रांतिकारी सशस्त्र बलों के असंतुष्टों द्वारा किया गया। उन्होंने स्थानीय मीडिया से कहा कि मैदान पर हमले से पहले, जहां बच्चे खेल रहे थे, विस्फोटकों से लैस ड्रोन द्वारा सेना पर 13 हमले हुए। उन्होंने कहा कि मंगलवार को स्थानीय समयानुसार रात लगभग 9ः00 बजे, फुटबॉल मैदान के पश्चिमी हिस्से में एक घर से भेजे गए आखिरी ड्रोन द्वारा मैदान पर एक विस्फोटक उपकरण गिराया गया, जिससे अज्ञात संख्या में लोग प्रभावित हुए और नाबालिग की दुर्भाग्यपूर्ण हत्या हुई। जनरल मेजिया ने कहा कि ये हमले गुरिल्ला विरोधी सैन्य अभियानों के जवाब में किए गए हैं।

हिमालय से चीन के परमाणु बम पर नजर रखना चाहता था अमेरिका

26000 फुट पर भेजी खतरनाक डिवाइस, आज तक लापता

बीजिंग

अमेरिका और भारत ने 60 के दशक में चीन के परमाणु कार्यक्रम पर नजर रखने के लिए एक खास प्लान बनाया था। दोनों देशों के जासूसों ने चीन के खिलाफ सीक्रेट मिशन को अंजाम देने के लिए पर्वतारोहियों की मदद ली थी। चीन पर नजर रखने के लिए एक प्रमुख पर्वत शिखर पर परमाणु ऊर्जा से चलने वाला निगरानी डिवाइस लगाया जाना तय किया गया। तिब्बती पठार के उत्तर में चीन के झिंजियांग प्रांत के नमक के रेगिस्तान थे। यहीं पर चीन सरकार ने अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम के लिए परीक्षण रेंज बनाए थे। इसी पर अमेरिका नजर रखना चाहता था। साल 1965 में ये प्लान जमीन पर उतारा जाना था।

यूरेशियन टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी वायु सेना के उस समय के चीफ ऑफ स्टाफ कर्टिस लेमे ने चीन के परमाणु परीक्षणों पर नजर रखने का प्लान तैयार किया था। अमेरिका ने भारत की मदद से चीन के परमाणु कार्यक्रम के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए हिमालय पर्वत के ऊपर निगरानी उपकरण की योजना बनाई। इस मिशन के लिए एक विशिष्ट भारतीय पर्वतारोही मनमोहन मोहन सिंह कोहली को भर्ती किया गया था। कोहली को 1962 के चीन युद्ध के दौरान उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सलाहकार के तौर पर नियुक्त किया गया था। कोहली के साथ 14 अमेरिकी और चार भारतीय पर्वतारोहियों का एक समूह था। अमेरिका की केंद्रीय खुफिया एजेंसी चाहती थी कि निगरानी डिवाइस को 27,500 फुट की ऊंचाई पर रखा जाए। कोहली ने पाया कि इसके लिए दुनिया का तीसरा सबसे ऊंचा पर्वत कंचनजंगा सही जगह थी। यह नेपाल और सिक्किम के सीमावर्ती क्षेत्र में स्थित है और निगरानी उपकरण लेकर चलना पर्वतारोहियों के लिए बहुत मुश्किल था। कोहली ने तत्कालीन भारतीय जासूस आर एन काओ से अपनी चिंता बताई। आखिर में तय हुआ कि पर्वतारोहियों का ये ग्रुप नंदा देवी पर चढ़ें। ये 25,645 फुट की ऊंचाई पर है और मध्य हिमालय में सुरक्षित जगह है।

परमाणु संचालित निगरानी सेंसर के चार प्रमुख घटक थे, जो सभी तारों और केबलों से जुड़े थे। दो टुकड़े धातु के बक्से थे जो उन्हें बर्फ और बर्फ से दूर रखते थे। इनमें ट्रांसीवर थे, जो जानकारी को भारत में एक बेस स्टेशन पर रिले करते। तीसरा घटक संग्रह एंटीना था जो चीनी मिसाइलों से टेलीमेट्री डेटा हासिल करता। चौथे घटक को SNAP 19C कहा जाता था, यह एक थर्मोइलेक्ट्रिक जनरेटर था जो दो साल तक चालीस वाट का आउटपुट दे सकता था।

इस मिशन में पहली बाधा तब आई जब चढ़ाई करने वाली टीम को नंदा देवी के कैंप-IV में खराब मौसम का सामना करना पड़ा। टीम ने उपकरण को सुरक्षित रूप से एक उपयुक्त पहाड़ी में रखने और अभियान को छोड़ने का फैसला किया। जिसे अगले साल 1966 में फिर से शुरू किया जाना था। टीम ने बक्सों को नायलॉन की रस्सी से लपेटा गया था और पिटोन और कैरबिनर का उपयोग करके सुरक्षित किया। जनरेटर को भी अच्छे से ढक पर रखा गया। टीम लौट गई और अगले साल लौटी तो इस जगह पर केवल कुछ तार मिले। टीम ने उपकरण के लापता होने की खबर सैटेलाइट फोन के जरिए दिल्ली तक पहुंचाई गई तो खलबली मच गई। भारत और अमेरिका की खुफिया एजेंसी के अधिकारियों के बीच बैठक हुई। तमाम कोशिशों के बावजूद इस उपकरण को ढूंढा नहीं जा सका।

अमेरिका में पनामा के डेरियन गैप को पार करते हुए 10 अवैध प्रवासी डूबे

पनामा सिटी, (वार्ता) लैटिन अमेरिका के पनामा में डेरियन गैप पैदल पार करते समय 10 अवैध प्रवासी नदी में अचानक आई बाढ़ में डूब गये। राष्ट्रीय सीमा सेवा ने बुधवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय सीमा सेवा के अनुसार, पीड़ितों के शवों को प्रवासी तस्करों से संबंध को छिपाने के लिए दफना दिये जाने के बाद सार्वजनिक मंत्रालय को इस घटना के बारे में जानकारी मिली। पूर्वी पनामा के डेरियन प्रांत का क्षेत्र दलदल जैसे जंगल और कीचड़ वाले रास्तों के कारण बेहद जोखिम भरा है। राष्ट्रीय सीमा सेवा ने एक बयान में कहा कि पनामा के अधिकारी प्रवासियों को अधिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए स्थापित एक वैकल्पिक मानवीय गलियारे के माध्यम से उन्हें बाहर निकालने कोशिश करते हैं, लेकिन कुछ प्रवासी अधिक खतरनाक मार्ग चुनते हैं। राष्ट्रीय प्रवासन सेवा के आंकड़ों के अनुसार, मध्य अमेरिका और मैक्सिको को पार करके अमेरिका पहुंचने के लिए इस साल जनवरी से 22 जुलाई के बीच 216,000 से अधिक अवैध प्रवासियों ने खतरनाक यात्रा की।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

महाराग्नि में दिखेगा काजोल का एक्शन अवतार

बाजीगर, कुछ कुछ होता है, गुप्त और फना जैसी फिल्मों से अभिनेत्री काजोल ने हिंदी सिनेमा में अपने 32 साल के पेशेवर सफर में अभिनय के कई रंग दिखाए हैं। हालांकि, इस दौरान उन्हें कभी एक्शन देखने को नहीं मिला। अब वह अपने पेशेवर सफर की पेंटिंग में भी एक्शन के रंग बिखेरने को तैयार हैं। काजोल तेलुगु निर्देशक चरण तेज उप्पलपति के साथ अपनी पहली पैन-इंडिया फिल्म महाराग्नि- क्वीन ऑफ क्वींस कर रही हैं। हाल ही में फिल्म का टीजर रिलीज हुआ था जिसमें काजोल खूंखार अंदाज में नजर आई थीं। इस फिल्म की कहानी का केंद्रीय विषय बच्चों का अपने माता-पिता के प्रति प्यार है। फिल्म के निर्देशक चरण तेज के मुताबिक, काजोल ने फिल्म के सेट पर उतरने से पहले खुद को एक्शन के लिए पूरी तरह से तैयार किया है। उनके एक्शन में इमोशन भी होगा। फिल्म में काजोल माया का किरदार निभाएंगी, जो मुंबई की सबसे बड़ी झुग्गी में पली-बढ़ी महिला है। जो झुग्गी से निकलकर महाराष्ट्र की सबसे ताकतवर महिला बनती है। इस फिल्म की कहानी का केंद्रीय विषय बच्चों का अपने माता-पिता के प्रति प्यार है। फिल्म की कहानी के जरिए यही संदेश देने की कोशिश की गई है। इस फिल्म की शूटिंग पिछले साल फरवरी में हैदराबाद में हुई थी। काजोल के साथ नसीरुद्दीन शाह, प्रभु देवा और जीसू सेनगुप्ता अभिनीत इस फिल्म को हिंदी में बनाया जा रहा है। हिंदी के साथ-साथ इस फिल्म को तेलुगु, तमिल, मलयालम और कन्नड़ में भी रिलीज करने की योजना है। इस फिल्म के आखिरी शेड्यूल की शूटिंग जल्द ही मुंबई में शुरू होगी। इस फिल्म की रिलीज डेट को लेकर अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

संजय दत्त-रवीना टंडन की फिल्म घुड़चढ़ी का ट्रेलर रिलीज

संजय दत्त और अभिनेत्री रवीना टंडन की आने वाली फिल्म घुड़चढ़ी का ट्रेलर रिलीज हो गया है। निधि दत्त और बिनॉय के गांधी निर्मित घुड़चढ़ी एक रोमांटिक ड्रामा है, जिसमें संजय दत्त,रवीना टंडन,पार्थ समथान और खुशाली कुमार की अहम भूमिका है। घुड़चढ़ी सिनेमाघरों की बजाय ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर 09 अगस्त से स्ट्रीम होगी। फिल्म घुड़चढ़ी का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। घुड़चढ़ी के ट्रेलर की शुरुआत पार्थ समथान के किरदार चिराग से होती है, जो खुद को इंट्रोड्यूस कराते हैं. और फिर चिराग की दादी अपने पोते की शादी की इछा जाहिर करती नजर आती हैं। चिराग का किरदार निभा रहे पार्थ अपनी दादी से कहते हैं कि जिसके हाथ में डोर बांधी होगी, वह खुद चलकर आएगी। और फिर खुशाली कुमार की स्टाइलिश अवतार में धांसू एंट्री होती है। पार्थ और खुशाली कुमार की लव स्टोरी का एंगल यहीं से शुरू होता है। संजय दत्त और रवीना टंडन घुड़चढ़ी में पार्थ और खुशाली कुमार के किरदारों के पैरेंट्स का किरदार निभा रहे हैं। इस बीच रवीना और संजय की मुलाकात होती है, तो वह भी आपस में प्यार में पड़ जाएंगे, और यहीं से फिल्म में कॉमेडी का जोरदार तड़का देखने को मिलेगा।

सन ऑफ सरदार 2 की शूटिंग शुरू

अजय देवगन और संजय दत्त स्टारर फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' की शूटिंग स्कॉटलैंड में शुरू हो गयी है।वर्ष 2012 में प्रदर्शित सुपरहिट फिल्म 'सन ऑफ सरदार' का सीक्वल बनाया जा रहा है। सन ऑफ सरदार 2 की शूटिंग स्कॉटलैंड में शुरू हो गयी है। इस फिल्म में अजय देवगन, संजय दत्त और मृणाल ठाकुर की मुख्य भूमिका होगी।इस कॉमेडी-ड्रामा फिल्म का निर्देशन विजय कुमार अरोड़ा कर रहे हैं। फिल्म सन ऑफ सरदार 2 के सेट से मृणाल ठाकुर की एक फोटो सामने आई है। फोटो से अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां बारात का सीक्वेंस शूट किया जा रहा है।मृणाल पंजाबी कुड़ी के लुक में बारात में ढ़ोल बजाकर डांस करती नजर आ रही हैं। उनके साथ में कई और डांसर्स भी मौजूद हैं। कहा जा रहा है इस फिल्म की शूटिंग स्कॉटलैंड में 50 दिनों तक चलेगी।

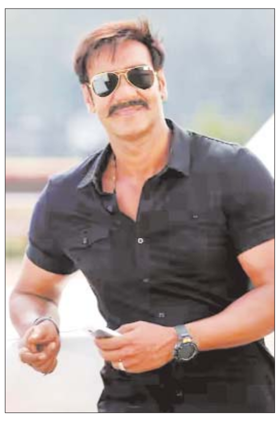

फिल्म घुसपैठिया का नया पोस्टर रिलीज

विनीत कुमार सिंह, उर्वशी रौतेला और अक्षय ओबेरॉय की आने वाली फिल्म घुसपैठिया का नया पोस्टर रिलीज हो गया है। घुसपैठिया के निर्माताओं ने फ़िल्म के सितारे विनीत कुमार सिंह, उर्वशी रौतेला और अक्षय ओबेरॉय की मौजूदगी वाला एक नया आकर्षक पोस्टर जारी किया है। हर कलाकार को एक अलग अंदाज़ में दिखाया गया है, जो फ़िल्म की दिलचस्प कहानी को और भी दिलचस्प बना रहा है।पोस्टर में उर्वशी रौतेला घबराई हुई नज़र आ रही हैं, उनके हाथ में एक फ़ोन है, जो रहस्य और जिज्ञासा की एक परत जोड़ता है। विनीत कुमार सिंह और अक्षय ओबेरॉय को उनके अनोखे अंदाज़ में दिखाया गया है, जो अपनी आकर्षक उपस्थिति से दर्शकों को आकर्षित कर रहे हैं। निर्देशक सुसी गणेशन ने बताया, हम एक ऐसा दृश्य बनाना चाहते थे जो न केवल हमारे मुख्य पात्रों का परिचय दे बल्कि घुसपैठिया में मौजूद तनाव और ड्रामा का भी संकेत दे।

स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण करने पहुँची कलेक्टर

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सिंहपुरबड़ा और मुंगवानी का आकस्मिक निरीक्षण किया और यहाँ मौजूद स्वास्थ्य विभाग के अमले को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने दवा वितरण केन्द्र, दवाईयों की उपलब्धता एवं उपकरण, टीकाकरण एवं कोल्ड चैन रूम, लेबर रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न संधारित रजिस्टरों का अवलोकन भी किया। कलेक्टर ने यहां हाई रिस्क महिलाओं की जानकारी ली। उन्होंने 19 हाई रिस्क महिलाओं का फॉलोअप करने के लिए कहा। अस्पताल से रेफर किये गये मरीजों की जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि हाई रिस्क महिलाओं के रिकार्ड सुरक्षित रखा जाये और एएनएम को सक्रिय किया जाये। कलेक्टर ने यहां मरीजों एवं उनके परिजनों से चर्चा भी की और यहाँ किए जा रहे इलाज व सुविधाओं की भी जानकारी ली।प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मुंगवानी के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विभिन्न रजिस्टरों का बारीकी से अवलोकन किया।

वीर शहीदों के सम्मान में युवा मोर्चा ने निकाला मशाल जुलूस

नरसिंहपुर।

भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला नरसिंहपुर द्वारा कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य पर मशाल जुलुस का आयोजन भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष प्रियांक जैन के नेतृत्व मे किया गया , मशाल जुलुस स्टेडियम ग्राउंड से प्रारंभ होकर सुभाष पार्क मे संपन्न हुआ, जिसमे महापुरुषों को माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की, कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल ने कहा कि शहीदों की वजह से आज हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। उनकी शहादत को कभी भुलाया नहीं जा सकता इस आजादी को पाने के लिए जाने कितने शहीदों ने अपना प्राणों को न्यौछावर कर दिया। हमें अपने देश की विशेषताओं को कायम रखते हुए सहेजना होगा। जब जब देश पर हमला हुआ तब तब हमारे वीर जबानो ने उसका कड़ा जबाब दिया, युवाओं को वीर जवानो के जीवन से प्रेरणा लेने की जरुरत है, भाजपा जिला महामंत्री डा हरगोबिंद पटेल ने कहा कि देश के जवान

किसी भी परिस्थिति से लड़ने के लिए सर्वदा तत्पर रहते हैं, चिलचिलाती गर्मी, मूसलाधार बारिश, जमा देने वाली ठंड में घर-परिवार से दूर सैनिक अपने लक्ष्य पर डटे रहते हैं। वीर जवानों के कारण ही हम और हमारा परिवार, समाज चैन की साँस लेता हैं, वे हैं इसलिए हम हैं। भाजयुमो जिलाध्यक्ष प्रियांक जैन ने कहा कि कारगिल की लड़ाई मां भारती के वीर सपूतों के शौर्य का प्रतीक है. भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस, शौर्य और समर्पण का मैं ह्रदय से वंदन करता हूं.आज का दिन हमारे सैनिकों की वीरता और पराक्रम की कहानियों से भावी पीढ़ियों को देश के लिए जीने मरने के लिए प्रेरित करता रहेगा.%मै सभी युवाओं से आग्रह करता हु देश के वीर शहीदों के जीवन को आत्मसात करें, और शहीदों का बलिदान व्यर्थ ना जाए इस लिए उनकी गाथाये नौजवानों तक ले जाये, और नौजवानों को नशे से दूर करने के लिए प्रेरित करें, उक्ताशय की जानकारी देते हुए युवा मोर्चा के जिला मीडिया प्रभारी प्रखर दुबे ने बताया कि कार्यक्रम का संचालन युवा मोर्चा के जिला महामंत्री चौधरी अभिषेक रघुवंशी, आभार मंडल अध्यक्ष शिवम श्रीवास्तव ने किया,कार्यक्रम मे भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष महंत प्रीतम पुरी गोस्वामी,भाजपा के जिला महामंत्री ठाकुर राजीव सिंह, नंदकिशोर ठाकुर, जिला मीडिया प्रभारी अभिनव शर्मा, जिला सह कार्यालय मंत्री शिशिर दुबे,सोशल मीडिया प्रभारी श्रीकांत श्रीवास्तव,राजेंद्र ठाकुर, अंशुल नेमा,महिला मोर्चा से रेखा पटेल, बबीता जाट, शक्ति बागरी, युवा मोर्चा से मनोज ठाकुर, नीलेश पटेल, सिद्धार्थ पटेल, नीरज कुशवाहा, श्रीकांत राय,आशीष राजपूत,अंकेश अग्रवाल, नीरज दुबे, श्रेयांश ताम्रकार, योगेश नौरिया, वीरेंद्र पटेल,उदित शर्मा,रचित चौरसिया,अंकित खत्री, गौरव तिवारी, लखन गुमास्ता,सहित कार्यकर्ता उपस्तिथ रहे।

कलेक्टर ने स्कूली छात्र छात्राओं से किया संवाद

उज्जवल भविष्य की दी शुभकामनाएँ

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिंहपुरबड़ा का औचक निरीक्षण कर बच्चों से संवाद किया और विभिन्न कक्षाओं का अवलोकन किया। इस दौरान कलेक्टर ने यहाँ खेल मैदान, आईसीटी लैब का भी निरीक्षण किया। कलेक्टर ने कक्षा 12 वीं की दुर्गा मलाह, हर्षित व कक्षा 11 वीं के अमन पटेल से संवाद के दौरान विषय संबंधी जानकारी ली और इसके बाद की तैयारियों के बारे में पूछा। विद्यार्थियों से खेलों के बारे में भी पूछा। उन्होंने बच्चों से कैरियर संबंधी चर्चा कर मार्गदर्शन दिया। ज़िले के वरिष्ठ अधिकारियों को अपने बीच पाकर विद्यार्थी प्रसन्न हुए।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। उन्होंने यहां विद्यालय परिसर में पुत्रजीवा का औषधीय पौधा रोपा। साथ में सहायक कलेक्टर श्री शुभम् कुमार यादव,जिला शिक्षा अधिकारी श्री अनिल व्यौहार ने भी पौधरोपण किया।

कलेक्टर ने किया मूंग उपार्जन केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण

नरसिंहपुर।

कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने मूंग उपार्जन केन्द्र पटेल वेयरहाउस मगरधा, उपार्जित सेवा सहकारी समिति लौकीपार का गुरूवार को आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां की व्यवस्थायें देखी और किसानों से चर्चा भी की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मूंग बेचने आये किसानों से बात कर उनकी समस्याओं को सुना। कलेक्टर ने यहां सर्वेयर से किसान द्वारा लाये मूंग का परीक्षण कराया, जो मानक स्तर की पाई गई। निरीक्षण के दौरान समिति में बारदानो की पर्याप्त उपलब्धता पायी गई। इसी तरह कलेक्टर ने वेयरहाउस करेली बस्ती देव वेयरहाउस कनवास और चौधरी वेयरहाउस का निरीक्षण किया। सभी जगह पर्याप्त बारदाने एवं मानक स्तर की मूंग उपार्जन करना पाया गया।निरीक्षण के दौरान सहायक कलेक्टर श्री शुभम कुमार यादव, उप संचालक कृषि श्री उमेश कुमार कटहरे, जिला विपणन अधिकारी श्री मन्नू लाल कुसरे, उपायुक्त सहकारिता श्री राजेन्द्र सिंह, जिला प्रबंधक वेयरहाउस श्री आकाश तिवारी और अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

छात्रावासों का औचक निरीक्षण एवं राजस्व महाभियान की समीक्षा

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने मुंगवानी एवं गोरखपुर में आदिवासी छात्रावास का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्रीमती पटले ने इन छात्रावासों में रह रही छात्राओं से बात की।उन्हें आज मिलें नाश्ते एवं भोजन की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान रसोईघर में जाकर खाद्य सामग्री को भी देखा। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत छात्रावासों में पौधरोपण भी किया। इसके उपरांत गोरखपुर पंचायत भवन में राजस्व महाअभियान 2.0 के तहत समीक्षा बैठक ली। राजस्व महाअभियान में नामांतरण, नक्शा तरमीम, बटांकन, अभिलेख दुरूस्ती जैसे अन्य राजस्व प्रकरणों का निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ कराना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने गोरखपुर में ग्रामीणों से चर्चा कर उनकी समस्यायें सुनी। ग्रामीणों ने बताया कि उनके आधार मोबाइल से लिंक नहीं हुए हैं।इस पर कलेक्टर श्रीमती पटले ने यहाँ आधार कैम्प लगाने के निर्देश मौक़े पर मौजूद अमले को दिये।

खैरलांजी बीआरसी को पाठ्यपुस्तक वितरण मामले में कलेक्टर का नोटिस

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा ने गुरुवार को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए मॉनिटरिंग व स्कूल में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने के लिए जनशिक्षकों व बीईओ बीआरसी के साथ पृथक-पृथक रूप से बैठक की। पहले सभी जनपदों के जनशिक्षकों और संकुल प्राचार्यो के साथ समस्या निवारण के लिए बैठक की। इसके बाद कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने बीईओ बीआरसी के साथ बैठक में पहली में दर्ज बच्चों की संख्या बड़ाने, 100 प्रतिशत पुस्तक वितरण,जीर्ण-शीर्ण शालाओं की जानकारी, शिक्षकों की नियमित उपस्थिति, शिक्षक विहीन स्कूल में शिक्षकों की व्यवस्था के लिए बैठक की। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्री एके उपाध्याय, डीपीसी डॉ. महेश शर्मा, ट्रेसरी अधिकारी रहें। साथ ही जनशिक्षकों की समस्या निवारण के लिए कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने बैठक के दौरान ही ट्रेजरी अधिकारी और संबधित विभाग के लेखपाल को भी मीटिंग में बुलाया गया।

जनशिक्षकों की समस्या के लिए सबको को सुना गया- बैठक में जनशिक्षकों ने बारी-बारी से वेतन विसंगति, एरियर्स, प्रतिनियुक्ति और संकुल निरीक्षण के दौरान आ रही समस्याओं से अवगत कराया। कलेक्टर डॉ.मिश्रा ने जनशिक्षकों व संकुल प्राचार्यो से कहा कि अगर आपको किसी प्रकार की भी समस्या है तो मुझसे सीधा संपर्क करें। मेरे द्वारा योग्य समस्याओं का निराकरण यथासमय किया जाएगा। साथ ही उन्होंने जनशिक्षकों से प्रशासन व शिक्षा में जनशिक्षक की आवश्यकता के बारे कहा कि कोई शिक्षक लगातार 10 या अधिक दिनों से छुट्टी पर है तो उसकी जानकारी जन शिक्षक को होनी चाहिए। साथ ही ऐसी विसंगति या समस्या के बारे में वरिष्ठ अधिकारी के संज्ञान में लाकर उसे त्वरित उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि समय पर स्कूल में शिक्षकों की उपस्थिति व अनुपस्थित के लिए जन शिक्षक एवं संकुल प्राचार्य उसके जिम्मेदार होंगे। वहीं बैठक में निर्देशित किया गया कि शिक्षक विहीन स्कूलों में या एक शिक्षक की उपस्थिति वाले स्कूल में संकुल प्राचार्य यथा स्थिति देखकर शिक्षकों की व्यवस्था करेंगे। बच्चों की समग्र आईडी बनाने में अपनी भूमिका निभाएंगे।

खैरलांजी बीआरसी को जारी होगा नोटिस- मानेगांव ,मंडई और पल्हेरा जन शिक्षक को जीरो दर्ज संख्या वाली शालाओं की पूर्ण जानकारी नही होने संबंध में नोटीस जारी करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर डॉ.मिश्रा ने डीपीसी डॉ.शर्मा से पहली कक्षा में जीरो पंजीयन वाली शालाओं की सूची मांगी। उन्होंने 2024 व 25 की पाठ्यपुस्तक वितरण एवं 0 दर्ज वाली शालाओं की संख्या अधिक पाई जाने पर खैरलांजी बीआरसी शंकरलाल भगत को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए है।

कलेक्टर ने किया आंगनबाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने गुरूवार को आंगनबाड़ी केन्द्र सिंहपुरबड़ा का औचक निरीक्षण किया। यहां उन्होंने बच्चों से संवाद कर आवश्यक जानकारी ली और यहाँ की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती पटले ने आंगनबाड़ी केन्द्र में मौजूद बच्चों से संवाद के दौरान मीनू के अनुसार मिलने वाले नाश्ते व भोजन के बारे में पूछा। बच्चों को आज दिये गये नाश्ते एवं भोजन का सैंपल भी चेक किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों से कविता भी सुनी और उन्हें दुलार किया। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केन्द्र के रिकॉर्ड का अवलोकन करते हुए यहां दर्ज बच्चों, उपस्थित बच्चों और प्राइवेट स्कूल में जाने वाले बच्चों की जानकारी ली। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से लाड़ली बालिकाओं की ई- केवायसी एवं डीबीटी की जानकारी ली। गर्भवती व धात्री महिलाओं की आभा आरडडी बनाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि बच्चों की भी आभा आईडी बनाई जाये। यहाँ मौजूद आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के विभागीय मोबाइल एप सम्पर्क एवं पोषण ट्रैकर की जानकारी भी ली। निरीक्षण के दौरान सहायक कलेक्टर श्री शुभम कुमार यादव, महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्रीमती मोहिनी जाधव सहित महिला बाल विकास विभाग का अमला मौजूद था।

डीपीसी ने किया स्कूलों एवं छात्रावास का निरीक्षण

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

गत दिवस जिला शिक्षा केंद्र से डीपीसी डॉ आर पी चतुर्वेदी ने गाडरवारा में शासकीय पूर्व माध्यमिक कन्या शाला, टाउन प्राथमिक शाला एवं बालिका छात्रावास आमगांव छोटा का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिये। इस दौरान उन्होंने स्कूलों में निर्धारित समय सारिणी अनुसार पढ़ाई कराने, 5 वी के बच्चों को जवाहर नवोदय एवं 8 वी के बच्चों को राष्ट्रीय मीन्स कम मैरिट परीक्षा के आवेदन फार्म भरवाने, मैपिंग

पूर्ण करने, स्कूल लगने वाले दिनों में मध्यान्ह भोजन लाभांवित बच्चों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने सहित अनेक निर्देश दिए। उन्होंने आमगांव छोटा छात्रावास मे छात्राओं से चर्चा कर व्यवस्थाओं संबंधी जानकारी लेते हुए कहा कि छात्राओं को यहां बेहतर सुविधाएं मिलें । निरीक्षण में एपीसी समीर त्यागी, एफएलएन जिला प्रभारी पीयूष चोपेवार एवं बीआरसी संदीप स्थापक ने गणित में परिमेय एवं पूर्ण संख्याओ से जुड़े प्रश्न पूछे जिनका जवाब बच्चों ने दिया। आमगांव छोटा बालिका छात्रावास में डीपीसी कार्यालय से छात्रावास प्रभारी योगिता शर्मा ने वार्डन लेखा साहू को छात्रावास संचालन से जुड़ी जानकारी दी । इस दौरान आमगांव छोटा में बीएसी पवन राजोरिया, विजेंद्र पटैल,मोहन मुरारी दुबे, मुकेश पटैल भी उपस्थित रहे

मंत्री सिंह 26 एवं 27 जुलाई को जिले के प्रवास पर

नरसिंहपुर।

प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह शुक्रवार 26 जुलाई व शनिवार 27 जुलाई को जिले के प्रवास पर रहेंगे और विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। जारी दौरा कार्यक्रम के अनुसार मंत्री श्री सिंह शुक्रवार 26 जुलाई को प्रात- 8 बजे गाडरवारा के पलोटनगंज में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर आयोजित मेराथन दौड़ में भाग लेंगे। इसके बाद यहां उनका समय आरक्षित रखा गया है। इसके पश्चात दोपहर दो बजे सालीचौका में स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होने के पश्चात रात्रि 8 बजे लोलरी आयेंगे। यहां उनका समय आरक्षित रखा गया है और यहां वे रात्रि विश्राम करेंगे।मंत्री श्री सिंह शनिवार 27 जुलाई को प्रात- 11 बजे ग्राम लोलरी से गाडरवारा के लिए प्रस्थान करेंगे। इसके पश्चात दोपहर 12 बजे गाडरवारा आयेंगे और यहां एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके पश्चात वे दोपहर एक बजे गाडरवारा से नरसिंहपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। तदुपरांत मंत्री श्री सिंह दोपहर दो बजे नरसिंहपुर आयेंगे और कलेक्ट्रेट में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ शिक्षा एवं परिवहन विभाग की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक लेंगे।

चार्तुमास कलश स्थापना आज

धर्म-साधना ओर प्रवाहना का वातावरण रहेगा

नरसिंहपुर। धर्मध्यान,साधना,सात्विक आचरण ओर संस्कारों के लिये कंदेली स्थित दिंगम्बर जैन मंदिर जी में संत शिरोमणि ब्रम्हलीन आचार्य 108विद्यासागर जी महाराज के प्रभावक शिष्य आचार्य समयसागर महाराज जी के आर्शीवाद से आ्यका मां 105 अनंतमति माता जी के ससंघ पावन अमृत वर्षायोग का पावन संयोग बना है। उक्त संबंध में मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रदीप मोदी ने जानकारी देते हुए बताया कि माता जी के ससंघ चार्तुमास कलश स्थापना समारोह 26 जुलाई को दोपहर 1:30बजे मंदिर जी परिसर में प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्र.तरूण भैया जी के निर्देशन में आयोजित है। कार्यक्रम में प्रतिभास्थली की बहनों की सहभागिता के साथ पाठशाला की बालिकाओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ उदबोधन ओर चार्तुमास के महत्व पर चर्चा होगी। चार्तुमास समिति के अध्यक्ष संजय सिंघई,संजय जैन संगम ने सभी से कार्यक्रम में उपस्थित होकर धर्म लाभ अर्जित करने की अपील की है।

उत्साह के साथ मनाया गया प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुजीत जैन जन्मदिवस

सिवनी सिवनी (स्वतंत्र मत)। सिवनी जिला भाजपा कार्यालय एवं सुजीत जैन जी के निवास में उनका जन्म उत्सव बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया बैतूल जिले के भाजपा संगठन प्रभारी एवं पूर्व जिला अध्यक्ष सुजीत जैन जी सिवनी नगर के सभी भाजपा कार्यकर्ताओं एवं मित्र गणों के साथ मिलनसार व्यवहार रखते हैं हंसमुख स्वभाव के एवं सभी की सहायता करने वाले कुशल संगठक हे जिसका उदाहरण उनके प्रशंसकों द्वारा निवास पर शुभकामनाएं देने के लिए सुबह से ही तांता लगा रहा संध्याकालीन में भाजपा कार्यालय में सुजीत जैन जी का जन्म दिवस मनाया।

पुस्तकालय में तिलक जयंती पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई

गाडरवारा (स्वतंत्र मत) । विगत दिवस स्थानीय श्री सार्वजनिक पुस्तकालय में तिलक जयंती के अवसर पर लोकमान्य तिलकजी का स्वतंत्रता आंदोलन में पुस्तकालय के योगदान पर पुस्तकालय समिति के अध्यक्ष अनिल गुप्ता की अध्यक्षता में विचार गोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने लोकमान्य तिलक की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि उन्हें भारत के स्वाधीनता संग्राम की एक महान शख्सियत के रूप में सदैव याद किया जाएगा। वे दूरदर्शी थे जिन्होंने राष्ट्रवाद की भावना प्रज्वलित करने के लिए अथक प्रयास किया और साथ ही शिक्षा और सेवा पर जोर दिया। वरिष्ट कवि सुरेश दुबे ने उनके जीवन चरित्र तथा पुस्तकालय और गणेश स्थापना को लेकर स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी भूमिका को रेखांकित किया। इस अवसर पर सेवानिवृत्ति प्रोफेसर डॉक्टर सुनीता गुप्ता, देव शांति नाथ मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष ज्ञानचंद डागा, राकेश गुप्ता, डॉक्टर सुनील शर्मा, नागेंद्र त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष आलोक अग्रवाल, आयुष कठल, अखिलेश श्रीवास्तव ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए तिलक जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का संचालन पुस्तकालय समिति के सचिव एडवोकेट बसंत तपा ने किया।

कांवड़ यात्रा की तैयारियों एवं रूपरेखा को लेकर हुई बैठक

5 अगस्त को नर्मदा तट थरेरी घाट से शिव धाम डमरू घाटी तक

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। श्रावण मास के पवित्र सावन सोमवार 5 अगस्त 2024 को आयोजित होने वाली विशाल सार्वजनिक कांवड़ यात्रा की तैयारियो एवं रूपरेखा को लेकर गाडरवारा के शिव धाम डमरू घाटी शिवांगन गार्डन में बैठक का आयोजन किया गया । जिसमें विधिवत कांवड़ यात्रा संपन्न कराने को लेकर मुख्य बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर सर्वसम्मति से निर्णय लए गए । जिसमें यह निश्चित किया गया कि सभी कावड़िया ,शिव एवं नर्मदा भक्त, नर्मदा तट के थरेरी घाट पर प्रात 7-00 तक पहुंच जायेंगे, तदोपरांत मां नर्मदा जी की पूजन अर्चना ,आरती, चुनरी भेंट कर मां नर्मदा का जल लेकर प्रात8-30 बजे कावड़ यात्रा शिव धाम डमरू घाटी के लिए प्रारंभ करेंगे । यह कावड़ यात्रा थरेरी घाट से प्रारंभ होकर बिछुआ, नरवारा, लिलवानी,

कोडिया के मुख्य मार्गो से होते हुए सायंकाल 4 बजे तक शिव धाम डमरुघाटी गाडरवारा पहुंचेगी जहां सभी भक्तगण भगवान नर्मदेश्वर महादेव भगवान भोलेनाथ का मां नर्मदा के पवित्र जल से जलाभिषेक एवं पूजन आरती कर पुण्य लाभ अर्जित करेंगे तदोपरांत सार्वजनिक कांवड़ यात्रा समिति के द्वारा आयोजित भंडारे में प्रसादी ग्रहण कर अपने घरों को प्रस्थान करेंगे । सार्वजनिक कावड़ यात्रा समिति ने सभी क्षेत्रवासियों तथा धर्म प्रेमी जनता एवं शिव भक्तों से यह आग्रह किया है कि विगत 12 वर्षों की भांति इस वर्ष भी 5 अगस्त 2024 दिन सावन सोमवार को आप हम सभी इस पवित्र श्रावण मास में अपनी कावड़ में जल लाकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर पुण्य लाभ अर्जित करें । आयोजित की गई इस महत्वपूर्ण बैठक में अस्सी जैन,सतीश लमानिया,रजत कौरव, राजा श्रीवास्तव, कैलास रजक, अतुल शर्मा,विजय आहूजा,यशवंत कीर, मनोज अवस्थी,आयुष कठल,अमित कुमार इत्यादि उपस्थित रहे ।

एलर्ट मोड पर रहना अति आवश्यक

कटनी नदी में लगातार बढ़ रहे जल स्तर का निगम अध्यक्ष ने देर रात मोहनघाट पहुंचकर लिया जायजा

कटनी, (स्वतंत्र मत)। नगरपालिक निगम कटनी सीमांतर्गत बहनें वाली जीवन दायनी कटनी नदी के मोहन घाट में देररात 02 बजे निगमाध्यक्ष मनीष पाठक नदी का जल स्तर देखनें पहुचें दो दिन से लगातार बारिश के दौरान कटनी नदी का जल स्तर बढ़ता जा रहा है । निगमाध्यक्ष मनीष पाठक नें बढ़ते जल स्तर पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि, कहा कि एलर्ट मोड में रहना आवश्यक बढ़ते हुए जल स्तर को नजरअंदाज करना हानिकारक हो सकता है । प्रभावित होने वाले क्षेत्रों की निगरानी करते हुए वैकल्पिक व्यवस्था पूर्व से तैयार रहनी चाहिए ।

अधिकारियों से की दूरभाष पर चर्चा सुरक्षा के लिए पूर्व से रहें तैयार-निगमाध्यक्ष मनीष पाठक नें देर रात 02 बजे मोहनघाट पहुंच कर नदी के बढते जल स्तर पर चिंता व्यक्त करते हुए सुरक्षा के इंतजाम के संबंध में कटनी एसडीएम श्री मिश्रा से दूरभाष पर चर्चा के दौरान आपदा प्रबंधन दल की जानकारी लेते हुए संबंधितों को तत्काल स्थल पर उपस्थित कराने की बात कही इसके उपरांत निगमायुक्त से दूरभाष पर चर्चा करते हुए बाढ़ प्रबंधंन और जन जीवन की सुरक्षा के दृष्टिगत जारी तैयारीयों के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए । बाढ़ की स्थिति निर्मित होने पर पूर्व से निगम प्रशसान को चौकन्ना रहने हेतु निर्देशित किया। वहीं कटनी कोतवाली टीआई श्री शर्मा से दूरभाष पर चर्चा करते हुए निचले स्तर की बस्तियों को आवश्यकता पडनें पर खाली करानें हेतु पूर्व से तैयार रहने की बात कहीं । श्री पाठक नें कहा बाढ़ जैसी स्थिति निर्मित होने पर जन.धन की सुरक्षा हमारी प्रथमिकता है इसके लिए हमें पूर्व से एलर्ट मोड में रहना आवश्यक है।

बाढ़ नियंत्रण कक्ष पहुंचकर कर्मचारियों से की चर्चा-नगरपालिक निगम कटनी द्वारा बारिस के मौसम में बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित कर कर्मचारियों की ड्यिटी लगाई जाती है, जो नदी के जल स्तर बढ़नें पर पूरी निगरानी रखते है, श्री पाठक देररात 02:30 पर मोहन घाट से सीधे नगर निगम कार्यालय में स्थित बाढ़ नियंत्रण कक्ष पहुंचे वहां उपस्थित कर्मचारियों से चर्चा करते हुए कहा की प्रभावित होने वाले क्षेत्रों की निगरानी लगातार करें । नदी के बढ़ते जल स्तर को अंदेखा करना हो सकता है हानिकारक । इस दौरान दानिश अहमद सहित स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही।

नदी के बढ़ते जल स्तर को देख महापौर ने लिया नदी घाटों का जायजा

शहर में लगातार वर्षा के चलते गाटर घाट, मोहन घाट में कटनी नदी का जल स्तर अत्यधिक बढ़ते देख महापौर प्रीति संजीव सूरीए नगर निगम आयुक्त विनोद कुमार शुक्ल एवं एमआईसी सदस्यों ने आज प्रभावित क्षेत्र गाटर घाट एवं मोहन घाट पहुँच कर स्थिति का जायजा लिया। महापौर श्रीमती सूरी ने सभी संबंधित अधिकारियों कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अगले 24 घंटे सतर्क रहते हुए सभी प्रभावित क्षेत्रों में जल स्तर पर निगरानी रखें एवं सभी जगह राहत बचाव कार्य हेतु निगम की आपदा प्रबंधन टीम के कर्मचारी सभी पर्याप्त संसाधनों के साथ उपस्थित रहें। महापौर श्रीमती सूरी ने कहा की बाढ़ संभावित क्षेत्रध्नादियोंए पुल में बेरिकेट अवश्य लगायें। जल स्तर बढ़ने की स्थिति पर आस पास क्षेत्र की बस्तियों स्थानीय जनों के सुरक्षित स्थलों में पलायन एवं उचित स्थानों पर ठहराने की संसाधन सहित समुचित व्यवस्थाओं को सुनिश्चित कर लें। महापौर सूरी एवं निगमायुक्त श्री शुक्ल ने आपदा संभावित स्थिति को देखते हुए स्थानीय जनों से नदियोंध्नालों से दूरी बनाए रखने एवं जल स्तर अधिक होने पर पुल पार न करने की अपील की है। इस दौरान एमआईसी सदस्य डॉक्टर रमेश सोनी, शिब्बू साहू, जयनारायण निषाद, अधिकारी वर्ग स्वास्थ प्रभारी संजय सोनी, इंजीनियर सुनील सिंह एवं अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

अति वर्षा बाढ़ से निपटने की पूर्व तैयारी विफल : कांग्रेस

बरसात के पूर्व मध्यप्रदेश शासन की तरफ से कटनी जिले में शासन प्रशासन द्वारा लगातार बाढ़ से निपटने की तैयारी की पोल खुल गई जब गत दो दिवस से कटनी जिले में लगातार बारिश हो रही है ढीमरखेड़ा के कई गांव डूब गए हैं शुक्ल पिपरिया की हालत बेहद खराब कांग्रेस जिला अध्यक्ष करण सिंह चौहान ने कहा कटनी जिले में बाढ़ से निपटने की कोई तैयारी नहीं थी ग्रामीण क्षेत्रों में राहत कैंप चिन्हित नहीं किए गए थे स्कूलों के प्रांगण में पानी भरा हुआ है पूरा कटनी जलमग्न हुआ ग्रामीण क्षेत्र में लाइट नहीं है भाजपा राज के वादे खोखले साबित हुए एबाढ़ प्रभावितों की हर संभव मदद करें प्रशासन अति वर्षा बाढ़ से निपटने की पूर्व तैयारी विफल कांग्रेस जिला अध्यक्ष करण सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव को पत्र लिखकर कटनी जिले का दौरा करने का आग्रह किया है आज पदभार ग्रहण कर रहे कलेक्टर दिलीप यादव से आग्रह है बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए तत्काल कदम उठाएं जाये ग्राम पंचायत को सहायता करने की दिशा निर्देश हो अति वर्षा से कटनी जिले में अत्यधिक मकान का नुकसान हुआ है। गरीबों के मकान गिर गए हैं। कलेक्टर कटनी से आग्रह की सर्वे कराकर मुआवजा दिया जाए।

पटरियों पर पानी, ट्रेनों के पहिए जाम

भारी बारिश के चलते स्लीमनाबाद में पटरियां पानी में डूब गईं, जिसके चलते 20 ट्रेनें प्रभावित रहीं। गेट नंबर 345 सिग्नल फेल हो गया था, जिसके कारण यह समस्या हुई। कॉसन ऑर्डर देकर गाड़ियों को आगे रवाना किया गया।

बाढ़ में फंसे लोगों को राहत शिविरों में पहुंचाया पुलिस ने

ढीमरखेड़ा, स्लीमनाबाद एवं उमरियापान थाना क्षेत्र के अंतर्गत भारी बारिश के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में जल भराव एवं बाढ़ की स्थिति निर्मित हो गई। सूचना मिलने पर एसपी अभिजीत कुमार रंजन ने एएसपी संतोष डेहरिया को टीम बनाकर मानवीय दृष्टिकोण रखते हुए संवेदनशीलता के साथ में बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में फंसे ग्रामीणों को सकुशल बचाकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए निर्देशित किया। एसपी ने कहा कि अन्य विभागों से समन्वय स्थापित कर उनके खान-पान एवं रुकने का प्रबंध किया जाए। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसडीओपी स्लीमनाबाद अखिलेश गौर के नेतृत्व में राहत एवं बचाव कार्य के लिए टीम का गठन किया, जिसमें थाना प्रभारी ढीमरखेड़ा शाहिद खान, स्लीमनाबाद थाना प्रभारी अखलेश दहिया एवं उमरियापान थाना प्रभारी सिद्धार्थ राय को शामिल करते हुए तत्काल उपलब्ध संसाधनों के साथ राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ करते हुए एसडीआरएफ एवं एनडीआरफ की टीम से भी संपर्क किया गया, इसके साथ ही राजस्व विभाग, जनपद तथा ग्राम पंचायत से समन्वय स्थापित कर बाढ़ प्रभावित लोगों के रूकने एवं खाने-पीने की व्यवस्था की गई। सुबह से अभी तक लगातार बचाव एवं राहत कार्य जारी है। इस दौरान स्लीमनाबाद थाना अंतर्गत ग्राम धरवारा, दाहुली और तिहारी अंतर्गत 9, थाना ढीमरखेड़ा अंतर्गत ग्राम पौड़ी, ठीरी, सिमरिया एवं ग्राम रिछाई के अंतर्गत 25, थाना उमरिया पान अंतर्गत ग्राम बरेली, गाड़ा, इटमा, घुघरी, टोपी, घुघरा, छोटा कछार, बहनरी, पौड़ी खुर्द, पिपरिया एवं सहलावन गांवों से 20 लोगों का रेस्क्यू किया गया। इसके अतिरिक्त पूरे बचाव एवं राहत कार्य के दौरान जन सहयोग के माध्यम से लगभग 450 लोगों को बाढ़ के पानी से बचाकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। अभी ग्राम घुघरी, टोपी, घुघरा, छोटा कछार गांव में राहत एवं बचाव कार्य जारी है। एसपी ने बताया कि बारिश को दृष्टिगत रखते हुए कटनी जिले की पुलिस को अलर्ट मोड पर रखा गया है और सभी राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना और चौकी प्रभारियों को क्षेत्र में बारिश से प्रभावित होने वाले गांवों पर नजर रखने हेतु निर्देशित किया गया है साथ ही किसी भी प्रकार की जन धन के हानि न हो इसे सुनिश्चित करने हेतु सभी प्रकार की व्यवस्थाएं की गई हैं और निगरानी तथा संवाद तंत्र स्थापित किया गया है।

फोटो : विकास गुप्ता

छोटा कछार गांव में सबसे अधिक मकान डूबे

उमरियापान और ढीमरखेड़ा क्षेत्र में लगातार 3 दिन से हो रही भारी बारिश से नदियों का रौद्र रूप देखकर पूरा क्षेत्र सहम उठा है। क्षेत्र के दर्जनों ग्रामों के अधिकतर मकान जलमग्न हो गए हैं, जिससे क्षेत्र के ग्रामीणों का जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। जानकारी के अनुसार उमारियापान और ढीमरखेड़ा क्षेत्र में सोमवार और मंगलवार को हुई लगातार भारी बारिश से उमरियापान से 6 किमी दूर ढीमरखेड़ा मार्ग पर पड़ने वाली बेलकुंड नदी कितने फिट पुल के ऊपर थी अंदाजा लगापाना भी मुश्किल था। इस वर्ष की बारिश में बेलकुंड नदी का पानी जहां तक पहुंचा है, इतिहास के पन्नों में बारिश दर्ज हो गई है। नगर के 70 से 80 वर्षीय बुजुर्गों का कहना है की क्षेत्र में 8 दिनों तक लगातार बारिश हुई है और नदियां भी उफान में आई है लेकिन इस वर्ष जैसे नदियों का रौद्र रूप इससे पहले कभी नहीं देखा है। आज गुरुवार को भी हो रही बारिश के कारण कटनी रोड की नदी का कुछ पानी कम होने के कारण रास्ता चालू हो गया है जबकि बीमारखेड़ा रोड और सिहोरा रोड नदिया अभी भी उफान में होने के कारण आवागवन पूरी तरह से बाधित है।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 27 को दिल्ली में

कटनी, (स्वतंत्र मत)। अखिल भारतीय अग्रहरि वैस्य समाज की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक नई दिल्ली में आयोजित की गई है, जहां पर भारतवर्ष के प्रत्येक प्रदेश के केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य बैठक में शामिल होंगे राष्ट्रीय अध्यक्ष विदुट अग्रहरि राष्ट्रीय महामंत्री कुल भास्कर अग्रहरि राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अनुरुदध अग्रहरि राष्ट्रीय प्रवक्ता अरुण अग्रहरी विधायक विकास अग्रहरि संरक्षक अजय अग्रहरि सोमचंद अग्रहरि सहित अन्य संरक्षक व वरिष्ठ जनों की मौजूदगी में बैठक का आयोजन किया गया है। जहां पर समाज के कार्यक्रमों की रूपरेखा और गतिविधियों पर चर्चा होगी कार्यकारिणी के सदस्यों को जो लक्ष्य दिए गए थे उन पर परिचर्चा की जावेगी ।

विद्युत विभाग की जनता से अपील

कटनी, (स्वतंत्रमत)। विद्युत लाईन एवं ट्रांसफार्मर आपको विद्युत उपलब्ध कराने हेतु लगाये गये हैं, जिनसे उचित दूरी बनाये रखना आवश्यक है। जरा सी असावधानी दुर्घटना का कारण बन सकती है। वर्षा ऋतु के दौरान वातावरण में नमीं होने के कारण लीकेज करेंट की संभावनायें बढ़ जाती है। अत: विद्युत विभाग जनहित में अपील करता है कि- विद्युत लाईनों ट्रांसफार्मरों एवं उपकरणों के साथ छेड़छाड़ न करें तथा सुरक्षित दूरी बनाये रखें। यदि आंधी तूफान में खंबे तार टूटे हों तो इसकी सूचना तत्काल समीप के वितरण केन्द्र कार्यालय के टोल फ्री नं. 1912 वं दूरभाष नं. 07622231915 एवं 07622230581 पर नोट करावें । जबरदस्ती जमीन पर पड़े तारो को छुने या पार करने का प्रयास न करें। पान टपरों दुकानों जिसमें लोहे की चादर का इस्तेमाल होता में वायरिंग को सुरक्षित ढंग से पीवीसी पाईप के द्वारा ही कराया जायें। किसी प्रकार की कटी फटी लूज वायरिंग से जान-माल का खतरा हो सकता है। बारिश के दौरान विद्युत खम्बे स्टे के पास पानी भराव वाले स्थान से निकलने की जल्दी न करेंए सावधानी बरतें क्योंकि बारिश के दौरान करंट लीकेज की संभावनाएं बढ़ जाती है। बच्चों और मवेशियों का विशेष ध्यान रखें। पने मवेशी बिजली के खम्बे, स्टे वायर इत्यादि से न बांधे।

कपड़े सुखाने लिये लोहे का तार अथवा रस्सी सर्विस लाईन के पाईप या बिजली के खम्बों से कभी न बांधे। इसमें करंट उतरने की संभावना बनी रहती है। घर की दीवार, उपकरण, नल आदि में लीकेज करंट आने पर प्रशिक्षित इलेक्ट्रिशियन से तत्काल ठीक करावें । खेतों में लोहे के कटीले तारों की फेंसिंग को आपसे में शार्ट कर कई स्थानों पर अर्थिंग करावें। इन तारों में असावधानीवश करंट आने की संभावना बनी रहती है। इससे जान-माल को खतरा रहता है। घरेलू विद्युत उपकरणों, वायरिंग, रवीच इत्यादि को स्वयं सुधारने के बजाय किसी प्रशिक्षित एवं अनुभवी इलेक्ट्रिशियन की सेवाएं लें। आपका जीवन अमूल्य है । बिजली के स्विच शाकिट विजली उपकरण बच्चों की पहुँच से दूर रखें। विद्युत पोल से ही कनेक्शन लें, वीच तारों में कटिया डालकर विद्युत उपयोग न करें। शादी धार्मिक,सामाजिक कार्यक्रमों में अतिरिक्त भार हेतु अस्थायी कनेक्शन लेवें तथा उचित क्षमता की उच्च गुणवत्ता की केवल का ही उपयोग करें। कटे फ्टे तारों का उपयोग कतई न करें।

स्वीकृत भार से अधिक कां लोड का उपयोग न करें। उचित क्षमता के एमसीसीबी कटआउट का ही उपयोग करें। वर्ष में 1 वार अपने परिसर की वायरिंग, फिटिंग, अर्थिंग अनुभवी एवं दक्ष इलेक्ट्रीशियन से अवश्य चैक करावें । विद्युत लाईन के नीचे या समीप कोई स्थाई अस्थाई निर्माण न करें। फ्सल इत्यादि का संग्रहण न करें। विद्युत लाईनों से समुचित दूरी बनाये रखें। खेतों की कटाई एवं गहाई की जा रही फ्सलों को बिजली के तारों के नीचेए बिजली के खम्बों एवं स्थापित ट्रांसफार्मरों स्टे तारों के पास एकत्रित न करें। खेतों में विद्युत उपभोग हेतु कटी फटी डोरी का उपयोग न करें। डोरी का उचित ऊंचाई की बल्ली से ही उपयोग करें। आपातकालीन परिस्थितियों में कंपनी के टोल फ्री नं. 1912 पर सूचना दें। यह नंबर 24 घंटे चालू रहता है। इस नंबर पर सूचना देने से तत्काल संबंधित अधिकारियों तक सूचना भेजी जाती है एवं शिकायत की समीक्षा भी की जाती है।

डिप्टी कलेक्टर ने किया पौधारोपण

कटनी, (स्वतंत्रमत)। डिप्टी कलेक्टर प्रमोद चतुर्वेदी ने आशा किरण बाल गृह के बच्चों के साथ एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया। श्री चतुर्वेदी ने आशा किरण बाल गृह परिसर मे आम का पौधा रोपा।

कलेक्टर ने आपदा नियंत्रण कक्ष का लिया जायजा

कटनी, (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने पदभार ग्रहण करने के पश्चात कार्यालय कलेक्ट्रेट स्थित आपदा नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण कर जिले में जलभराव से संबंधित प्राप्त शिकायत एवं उनके निराकरण की स्थिति की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश निर्देश दिए। कलेक्टर श्री यादव ने कहा कि कंट्रोल रूम को प्राप्त होने वाली बाढ़ व अति वर्षा की शिकायतों के निराकरण की स्थिति की भी जानकारी ली।

नवपदस्थ कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने किया पदभार ग्रहण

कटनी, (स्वतंत्र मत)।

नवपदस्थ कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने गुरूवार को अपरान्ह में कटनी जिले के कलेक्टर का पदभार ग्रहण कर लिया ।भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2014 बैच के अधिकारी दिलीप कुमार यादव इससे पूर्व मंदसौर जिले में कलेक्टर के पद पर पदस्थ थे। कटनी जिले के निवर्तमान कलेक्टर अवि प्रसाद ने नवपदस्थ कलेक्टर यादव को कार्यभार सौंप कर उन्हें नवीन दायित्व के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। राज्य शासन ने निवर्तमान कलेक्टर श्री प्रसाद की पदस्थापना मंत्रालय भोपाल में उपसचिव के पद पर किया है। श्री प्रसाद भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2014 बैच के अधिकारी हैं। कटनी जिले के 16 वें कलेक्टर के तौर पर कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात नवपदस्थ कलेक्टर श्री यादव का प्रशासनिक और विभागीय अधिकारियों ने क्रमबद्ध भेंटकर स्वागत किया। नवपदस्थ कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने सभी अधिकारियों का संक्षिप्त परिचय भी प्राप्त किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ शिशिर गेमावत, कलेक्ट्रेट कार्यालय में पदस्थ अपर कलेक्टर श्रीमती साधना कमलकांत परस्ते, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती संस्कृति लिटौरिया, डिप्टी कलेक्टर द्वय प्रमोद कुमार चतुर्वेदी एवं विवेक गुप्ता एवं अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

आधार कार्ड सेंटर बंद होने से लोग हो रहे परेशान

जाना पड़ रहा 30 से 40 किलोमीटर दूर आधार बनवाने, सुधरवाने

कटनी, (स्वतंत्रमत)। जिले की स्लीमनाबाद लोकसेवा केन्द्र में आधार कार्ड सेंटर संचालित हो रहा है लेकिन आधार सेंटर तकनीकि समस्या व आई ब्लाक होने की बजह से पिछले करीब एक से डेढ माह से बंद है जिससे प्रतिदिन सैकडों की संख्या में लोकसेवा केंद्र पर आधार बनवाने एवं आधार कार्ड में सुधार के लिए पहुँचने वाले ग्रामीण बडे बुढडे, बच्चे व महिलाएं मायूस होकर लौट रहे है। आधार सेंटर बंद होने से स्लीमनाबाद तहसील के आस पास के ग्रामीण क्षेत्र के लोग परेशान है।

20 से 25 किलोमीटर का सफर तय कर पहुँच रहे लोकसेवा केंद्र-स्लीमनाबाद तहसील में आधार सुधार, बनाने के लिए आधार सेंटर लोकसेवा केंद्र में ही संचालित हो रहा है लोकसेवा केंद्र के अलावा तहसील में कहीं भी आधार सेंटर नही है जिससे तहसील के ग्रामीणों को नया आधार बनवाना हो या अपने आधार में सुधार करवाना हो उनको स्लीमनाबाद लोकसेवा केंद्र ही जाना पड़ता है जिससे प्रतिदिन करीब 20 से 30 किलोमीटर तक का सफ्र तय कर ग्रामीण स्लीमनाबाद लोकसेवा केंद्र नया आधार बनवाने पुराने आधार में सुधार करवाने पहुँच रहे है लेकिन बीते करीब दो माह से लोकसेवा केंद्र में आधार कन्द्रे आई डी बंद होने से प्रतिदिन सैकड़ो की संख्या में लोकसेवा केंद्र स्लीमनाबाद आधार सुधार करवाने, नया आधार बनवाने पहुँचने वाले ग्रामीणों को मायूस होकर लौटना पड़ रहा है। आधार सेंटर के बंद होने से ग्रामीणों को आर्थिक नुकसान का भी सामना करना पड़ रहा है

जिला मुख्यालय कटनी व सिहोरा एवं बहोरीबंद के चक्कर लगा रहे लोग-स्लीमनाबाद लोक सेवा का आधार सेंटर बंद होने से जिन लोगों को आधार सुधरवाना है उनको मजबूरन स्लीमनाबाद जिला मुख्यालय या फ्रि सिहोरा व बहोरबंदी जाना पड़ रहा है क्योंकि आसपास ओर कही भी आधार सेंटर चालू नही है जिससे लोगो को आर्थिक नुकसान के साथ कई कई दिन चक्कर लगाने पड़ रहे है क्योंकि वहाँ पर भी सैकड़ों लोग आधार बनवाने, सुधरवाने पहुँच रहे है लेकिन प्रतिदिन एक तय सीमा में ही आधार कार्ड सुधार के साथ नए बनाने का कार्य हो पा रहा है जिससे लोग परेशान है। वही आधार सुधवाने के लिए पहुचे कुछ महिलाओ व व्यक्तियों से बात की गई पता चला की लोग बच्चों के आधार में त्रुटि होने की बजह से उनको शाला में प्रवेश नही दिला पा रहे और ऐसे में अब दिन का और नुकसान कर सिहोरा व कटनी जाना पडेगा। और एक दिन में काम भी नही हो पाता। ना ही हम लोग मजदूरी कर पा रहे ना ही कोई काम बस भटक रहे है। कोई सुनने वाला नही है।

इनका कहना है

आईडी ब्लाक होने से आधार केन्द्र का काम बंद हुआ है। ओर अभी प्रक्रिया है। भोपाल बात हुई है। आधार केन्द्र कब सुचारू रूप से संचालित होगा यह नही बता सकते है।

-दिनेश विश्वकर्मा, लोकसेवा प्रबंधक कटनी

महिलाओं के बाद पुरुष टीम भी क्वार्टरफाइनल में पहुंची

पेरिस (वार्ता)। भारतीय तीरंदाज रैंकिंग और क्वालिफाइंग राउंड के लिए लेस इनवालिडेस गार्डेंस में उतरे हैं। पेरिस ओलंपिक का आधिकारिक आगाज 26 जुलाई से होने जा रहा है, लेकिन तीरंदाजी के क्वालिफाइंग दौर एक दिन पहले शुरू हो गया है। पुरुष और महिला तीरंदाजी टीम आज क्वालिफाइंग/रैंकिंग दौर में उतरी है। इस दौर से तीरंदाजी की पांच स्पर्धाओं (पुरुष, महिला टीम और व्यक्तिगत मुकाबले और मिश्रित टीम स्पर्धा) का रास्ता तैयार हो जाएगा। क्वालिफाइंग दौर में प्रदर्शन के आधार पर तीरंदाजों की रैंकिंग तैयार होगी, जिसके आधार पर वे पदक के लिए नॉकआउट मुकाबलों में उतरेंगे।

भारतीय महिला तीरंदाजी टीम क्वाफा में- अंकिता भक्त, भजन कौर और दीपिका कुमारी की भारतीय महिला तीरंदाजी टीम ने पेरिस ओलंपिक 2024 में शानदार प्रदर्शन करते हुए रैंकिंग राउंड में हुई व्यक्तिगत रैंकिंग राउंड में क्वार्टरफाइनल में पहुंच गयी है। आज यहां लेस इनवालिडेस गार्डेंस में हुई व्यक्तिगत रैंकिंग राउंड में अंकिता 666 के अपने सत्र के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ 11वें स्थान हासिल किया, भजन 659 के स्कोर के साथ 22वें तथा दीपिका 658 के स्कोर के साथ 23वें स्थान पर रहीं। कोरिया की सिहयोन 694 के स्कोर के साथ पहले और सुहयोन नाम 688 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान हासिल किया तथा चीन की जियाओलेई यांग 673 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। अंकिता भक्त, भजन कौर और दीपिका कुमारी ने टीम स्पर्धा में 1983 के स्कोर के साथ सीधे क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। भारतीय टीम रैंकिंग राउड में चौथे स्थान पर रही। दक्षिण कोरिया 2046 के रिकॉर्ड स्कोर के साथ पहले स्थान पर, 1996 के स्कोर के साथ चीन दूसरे और 1986 के स्कोर के साथ मेक्सिको ने तीसरा स्थान हासिल किया।

धीरज बोम्मादेवरा चौथे स्थान पर रहे- महिलाओं के बाद पुरुष टीम ने भी क्वार्टरफाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया। धीरज बोम्मादेवरा पुरुष रैंकिंग राउंड में चौथे स्थान पर रहे। भारत तीसरे स्थान पर रहा और क्वार्टरफाइनल में पहुंच गया। इस मुकाबले में तरुणदीप राय 14वें स्थान पर रहे। उनका स्कोर 674 है। वहीं, प्रवीण रमेश जाधव 658 के स्कोर के साथ 39वें स्थान पर रहे।

36 तीर निशाने पर लगाए गए- पुरुष तीरंदाजों ने 72 में से 36 तीर निशाने पर लगा दिए हैं। इस इवेंट में भारत की ओर से तरुणदीप राय, धीरज बोम्मादेवरा और प्रवीण जाधव मैदान में हैं। तरुणदीप राय 337 स्कोर के साथ 14वें स्थान पर हैं। उनका प्रदर्शन अब तक सबसे अच्छा रहा है। वहीं, धीरज 335 स्कोर के साथ 24वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने अच्छी शुरुआत हुई, लेकिन वह इसे जारी नहीं रख सके। प्रवीण जाधव 328 स्कोर के साथ 37वें स्थान पर हैं।

बोम्मादेवरा विश्व रैंकिंग में 12वें स्थान पर- तीरंदाज धीरज बोम्मादेवरा विश्व रैंकिंग में 12वें स्थान पर हैं। अनुभवी तरुणदीप राय 31वें स्थान पर हैं। ओलंपिक में अपनी दूसरी उपस्थिति दर्ज करते हुए, भारत के प्रवीण जाधव पुरुषों की विश्व रैंकिंग में 114वें स्थान पर हैं।

नीता अंबानी दोबारा 'अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी' की सदस्य चुनीं गई

पेरिस,(वार्ता)।

नीता अंबानी को एक बार फिर सर्वसम्मति से अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी (आईओसी) का सदस्य चुना गया हैं। इसके लिए आज हुये मतदान में नीता अंबानी के पक्ष में शतप्रतिशत 93 वोट पड़े। वर्ष 2016 में रियो डी जेनेरियो ओलंपिक खेलों में नीता अंबानी पहली बार आईओसी सदस्य चुनी गई थी। वे रिलायंस फाउंडेशन की फाउंडर और चेयरपर्सन हैं। पुनर्निर्वाचन पर नीता अंबानी ने कहा, अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी के सदस्य के रूप में फिर से चुने जाने पर मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूँ। मैं प्रेसिडेंट बाख और आईओसी में अपने सभी सहयोगियों को मुझ पर विश्वास और भरोसे के लिए धन्यवाद देना चाहती हूँ। यह पुनर्निर्वाचन न केवल मेरे लिए एक व्यक्तिगत मील का पत्थर है, बल्कि वैश्विक खेल क्षेत्र में भारत के बढ़ते प्रभाव को भी दिखाता है। मैं हर भारतीय के साथ खुशी और गर्व के इस पल को साझा करना चाहती हूँ और भारत और दुनिया भर में ओलंपिक आंदोलन को मजबूत करने के लिए मैं तत्पर हूँ।

चोटिल तुषारा टी-20 सीरीज से हुए बाहर

पालेकेल (वार्ता) भारत के साथ होने वाली टी-20 श्रृंखला शुरू होने से पहले श्रीलंका के एक और तेज गेंदबाज नुवान तुषारा चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो गये हैं। गुरुवार को श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के मैनेजर महिंदा हलंगोदा ने इस बात की पुष्टि करते हुए बताया कि तुषारा के बाएं हाथ की एक उंगली में चोट लगी है। उन्होंने बताया कि तुषारा को बुधवार को अभ्यास के दौरान देर रात यह चोट लगी। उन्होंने कहा कि यह तुषारा की चोट गंभीर है इसलिये उन्हें सीरीज से बाहर होना पड़ेगा। तुषारा श्रीलंका टीम के दूसरे तेज गेंदबाज है जिन्हें टी-20 सीरीज बाहर होना पड़ा है।उल्लेखनीय है कि इससे पहले बुधवार को श्रीलंका को दुष्मंता चमीरा बीमार होने के कारण एकदिवसीय और टी-20 सीरीज से बाहर करना पड़ा था। चमीरा की जगह असिथा फर्नांडो को टीम में जगह दी गई है। तुषारा के स्थान पर अभी तक किसी का नाम नहीं लिया गया है। लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि बाएं हाथ के गेंदबाज दिलशान मदुशंका को टीम में शामिल किया जा सकता है।

15 अगस्त को होगी प्रो कबड्डी लीग के लिए खिलाड़ियों की नीलामी

मुंबई, (वार्ता) मुंबई में होने वाली प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 11 के लिये खिलाड़ियों की नीलामी 15 और 16 अगस्त को होगी। लीग के आयोजक मशाल स्पोर्ट्स के मुताबिक नए सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 15 और 16 अगस्त को होगी। मशाल स्पोर्ट्स ने प्रो कबड्डी लीग सीजन 11 से पहले एक नया लोगो भी जारी किया है। लोगो में केसरिया और हरा रंग भारतीय तिरंगे का प्रतीक है और यह कबड्डी को देश के गौरवशाली खेल के रूप में दर्शाता है। प्रो कबड्डी लीग के लीग कमिश्नर अनुपम गोस्वामी ने कहा, ''हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि प्रो कबड्डी सीजन 11 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी इस साल स्वतंत्रता दिवस पर हो रही है। कबड्डी कई सहस्राब्दियों से भारत का अनूठा और लोकप्रिय खेल रहा है और अब यह प्रो कबड्डी लीग के रूप में विश्व स्तरीय प्रतिस्पर्धी खेल के तौर पर अपना स्थान बनाता जा रहा है। यह प्रो कबड्डी के सभी हितधारकों के साथ-साथ एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एकेएफआई) की देखरेख में देश के कबड्डी पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

श्रीजा अकुला से ओलंपिक में पदक की आस

पेरिस, (वार्ता) भारतीय महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी श्रीजा अकुला के हालिया शानदार प्रदर्शन को देखते हुए पेरिस ओलंपिक 2024 में देश को उनसे पदक की आस है। पेरिस ओलंपिक में 27 जुलाई से शुरू होने वाले टेबल टेनिस स्पर्धा के महिला एकल वर्ग में 16वीं वरीयता प्राप्त श्रीजा अकुला राउंड ऑफ 64 में स्वीडन की क्रिस्टिना कल्बर्ग से मुकाबला करेंगी। श्रीजा अकुला ने पेरिस ओलंपिक के लिए टेबल टेनिस के एकल और महिला टीम स्पर्धा के लिए क्वालीफाई किया है। इस वर्ष श्रीजा अकुला ने अपने करियर में लंबी छलांग लगाते हुए देश की नंबर एक टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा को पीछा छोड़ते हुए नंबर वन का दर्जा हासिल किया हैं। अकुला ने वर्ष 2022 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में टेबल टेनिस के मिश्रित इवेंट में शरत कमल के साथ मुकाबले में स्वर्ण पदक जीता था। 25 वर्षीय खिलाड़ी अकुला को उनकी

शानदार उपलब्धियों के लिए वर्ष 2022 में अर्जुन पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। वहीं मनिका बत्रा पेरिस ओलंपिक 2024 में महिला एकल स्पर्धा के पहले दौर में ब्रिटेन की 18 वर्षीय अन्ना हर्सी से मुकाबला करेंगी। अन्ना हर्सी ओलंपिक में अपना पदार्पण करेंगी। इस बीच, पेरिस 2024 ओलंपिक में पुरुष टीम को इस बार जोरदार टक्कर मिलने वाली है क्योंकि भारतीय टीम का शुरुआती राउंड में चार बार के स्वर्ण पदक विजेता चीन मुकाबला होगा। भारत ने पहली बार ओलंपिक में टेबल टेनिस में टीम स्पर्धा के लिए क्वालीफाई किया है। पुरुष एकल में अनुभवी शरत कमल पहले राउंड में स्लोवेनिया के 27 वर्षीय डेनी कोजुल से मुकाबला करेंगे। कोजुल ने टोक्यो 2020 में भाग लिया था जबकि शरत कमल पांचवीं बार ओलंपिक में हिस्सा ले रहे हैं।

हरमीत देसाई अपने पुरुष एकल अभियान की शुरुआत प्रिलिमिनरी राउंड से करेंगे। देसाई का सामना 27 जुलाई को जॉर्डन के जैद अबो यमन से होगा। पुरुष और महिला एकल के प्रारंभिक राउंड में तीन-तीन मैच होंगे। प्रारंभिक दौर के विजेता राउंड ऑफ के लिए क्वालीफाई करेंगे। अगर हरमीत देसाई प्रारंभिक जीत जाते हैं, तो उनका सामना मुख्य ड्रॉ में दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी फ्रांस के फेलिक्स लेब्रन से होगा।

पेरिस 2024 ओलंपिक में भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों और टीमों ड्रॉ इस प्रकार ह

पुरुष टीम: राउंड ऑफ 16ः भारत बनाम चीन, महिला टीमः राउंड ऑफ 16ः भारत बनाम रोमानिया, पुरुष एकल

प्रारंभिक दौरः हरमीत देसाई बनाम जैद अबो यमन (जॉर्डन), राउंड ऑफ 64ः शरत कमल बनाम डेनी कोजुल (स्लोवेनिया), महिला एकलः राउंड ऑफ 64ः मनिका बत्रा बनाम अन्ना हर्सी (ब्रिटेन), राउंड ऑफ 64ः श्रीजा अकुला बनाम क्रिस्टिना कल्बर्ग (स्वीडन)

धामी ने किया राज्य बैडमिंटन चैंपियनशिप का शुभारंभ

देहरादून, (वार्ता)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को परेड ग्राउंड, देहरादून में आगामी 28 जुलाई तक आयोजित होने वाली 22वीं उत्तराखण्ड राज्य जूनियर एवं सीनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप का शुभारंभ किया और खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन भी किया। श्री धामी ने सभी खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि खिलाड़ियों के बीच आकर उनमें हमेशा उत्साह और ऊर्जा का संचार होता है। बैडमिंटन के क्षेत्र में उत्तराखंड, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशेष पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि लक्ष्य सेन सहित कई खिलाड़ी बैडमिंटन में इतिहास रचते हुए देश एवं प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। वर्तमान समय में खेल के बेहतर अवसर एवं संसाधन मौजूद हैं। युवा अपने प्रयासों से निरंतर प्रयास करते रहें, जिससे उन्हें भविष्य में निश्चित ही सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा खेल के प्रति लगन और अनुशासन, जीवन में नई ऊंचाइयां प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेल के क्षेत्र में कई ऐतिहासिक निर्णय लिए गये है। खिलाड़ियों को प्रोत्साहन दिया जाता है।

एयरटेल अफ्रीका का राजस्व 19 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली (वार्ता)

अफ्रीका के 14 देशों में दूरसंचार और मोबाइल मनी सेवाएं प्रदान करने वाली प्रमुख कंपनी एयरटेल अफ्रीका का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के मुनाफे में 19 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। कंपनी ने गुरुवार को यहां जारी बयान में बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में स्थिर मुद्रा में कंपनी के राजस्व में 19.0 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जिसे नाइजीरिया में राजस्व में 33.4 प्रतिशत और पूर्वी अफ्रीका में 22.3 प्रतिशत की वृद्धि से समर्थन मिला। इसी तरह समूह के स्थिर मुद्रा पर मोबाइल सेवाओं से प्राप्त राजस्व में 17.4 प्रतिशत और मोबाइल मनी से प्राप्त राजस्व में 28.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। ईंधन की कीमतों में पर्याप्त वृद्धि और नाइरा के अवमूल्यन के बाद समूह में नाइजीरिया के कम योगदान के कारण वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में उसका ईबीआईटीडीए मार्जिन 49.5 प्रतिशत से घटकर 45.3 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 46.5त्न तक कम कर दिया। हालांकि, स्थिर मुद्रा पर ईबीआईटीडीए में 11.3त्न की वृद्धि हुई जबकि रिपोर्ट की गई मुद्रा पर ईबीआईटीडीए 23.3 प्रतिशत घटकर 52.3 करोड़ डॉलर पर आ गई। कंपनी ने बताया कि तिमाही के दौरान 3.1 करोड़ डॉलर के कर-पश्चात लाभ पर आठ करोड़ डॉलर के एक्सेप्शनल डेरीवेटिव्स और विदेशी मुद्रा घाटे का प्रभाव पड़ा और ऐसा नाइजीरियाई नाइरा में और अधिक मूल्यह्रास के कारण हुआ।

लगातार पांचवें दिन भी गिरा शेयर बाजार

मुंबई (वार्ता)। विश्व बाजार की गिरावट के बीच स्थानीय स्तर पर तिमाही परिणाम कमजोर रहने से एक्सिस बैंक के शेयरों के पांच प्रतिशत से अधिक गिरने से आज शेयर बाजार लगातार पांचवें दिन भी गिरकर बंद हुआ। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 109.08 अंक टूटकर 80,039.80 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 7.40 अंक की मामूली गिरावट लेकर 24,406.10 अंक पर आ गया। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 0.22 प्रतिशत उतरकर 46,715.80 अंक और स्मॉलकैप 0.14 प्रतिशत फिसलकर 53,758.01 अंक रह गया। इस दौरान बीएसई में कुल 4023 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1812 में गिरावट जबकि 2097 में तेजी रही वहीं 114 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 25 कंपनियों में बिकवाली जबकि 25 में लिवाली हुई। बीएसई के 10 समूहों में बिकवाली का दबाव

रहा। इससे कमोडिटीज 0.52, एफएमसीजी 0.03, वित्तीय सेवाएं 0.60, आईटी 0.18, दूरसंचार 0.18, बैंकिंग 1.10, कंन्ज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.84, धातु 1.19, रियल्टी 0.80 और टेक समूह के शेयर 0.22 प्रतिशत कमजोर रहे।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गिरावट का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.78, जर्मनी का डैक्स 1.29, जापान का निक्केई 3.28, हांगकांग का हैंगसेंग 1.77 और चीन का शंघाई कम्पोजिट 0.52 प्रतिशत गिर गया। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 607 अंक लुढ़ककर 79,542.11 अंक पर खुला और बिकवाली होने से थोड़ी देर बाद ही 79,477.83 अंक के निचले स्तर तक गिर गया।

वहीं, लिवाली होने से कारोबार के अंतिम चरण में यह 80,143.10 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 80,148.88 अंक के मुकाबले 0.14 प्रतिशत टूटकर 80,039.80 अंक पर आ गया। इसी तरह निफ्टी 183 अंक गिरकर 24,230.95 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 24,210.80 अंक के निचले जबकि 24,426.15 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 24,413.50 अंक की तुलना में 0.03 प्रतिशत फिसलकर 24,406.10 अंक रह गया।

इस दौरान सेंसेक्स की नुकसान उठाने वाली कंपनियों में एक्सिस बैंक 5.19, नेस्ले इंडिया 2.49, आईसीआईसीआई बैंक 2.02, टाइटन 1.95, टाटा स्टील 1.78, इंडसइंड बैंक 1.21, आईटीसी 0.86, जेएसडब्ल्यू स्टील 0.79, एसबीआई 0.46, भारती एयरटेल 0.42, टेक महिंद्रा 0.28, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.28, रिलायंस 0.27, इंफोसिस 0.26, एशियन पेंट 0.24, एनटीपीसी 0.13 और फिन सर्व 0.09 प्रतिशत शामिल रही। वहीं, टाटा मोटर्स 6.17, एलटी 2.94, सन फार्मा 2.81, कोटक बैंक 1.67, एचडीएफसी बैंक 0.72, पावरग्रिड 0.61, बजाज फाइनेंस 0.59, टीसीएस 0.39, एचसीएल टेक 0.23, अदाणी पोर्ट्स 0.20, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.19, मारुति 0.06 और अल्ट्रासिमको ने 0.05 प्रतिशत का मुनाफा कमाया।

सोना में गिरावट

इंदौर (वार्ता) स्थानीय सराफा बाजार में सोना तथा चांदी गिरावट लिए रहे। चांदी सिक्का पूर्ववत मजबूत बताया गया। विदेशी बाजार में सोना 2375 डालर एवं चांदी 2775 सेन्ट प्रति औंस बिकी। उल्लेखनीय है कि सोना- चांदी के भाव में दैर रात तक फेरबदल होता रहता है। सोना 70300 रुपये प्रति 10 ग्राम। चांदी 83700 रुपये प्रति किलोग्राम।चांदी सिक्का 950 रुपये प्रति नग।

तेलों में नरमी, दलहन मजबूत दाल सस्ती, चावल सामान्य

इंदौर (वार्ता)।

सियागंज किराना बाजार में मांग से शक्कर बताई गई। खाद्य तेलों में नरमी दर्ज की गई। आज सोयाबीन रिफाइंड सस्ता होकर बिका। तिलहन में पूछपरख रही। दलहन मजबूत बताए गए। दालों में डिमांड घटने से भाव कम हुए। चावल में उठाव बना रहा। सियागंज किराना बाजार में लिवाली से शक्कर में मजबूती दर्ज की गई। आज शक्कर में चार गाड़ी आवक हुई। खोपरा गोला दिसावर के साथ ऊंचा रहा। खोपरा बूरा, हल्दी में खरीदी बताई गई। प्रोडक्शन रूके होने से साबूदाना महंगा बिका। खाद्य तेलों में नरमी रही। आज सोयाबीन रिफाइंड घटकर बिका। तिलहनों में लिवाली से सुधार दर्ज किया गया। आने वाले दिनों में खाद्य तेलों में मांग के साथ तेजी के आसार है। संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन जिन्सों में भाव मजबूत बने रहे। आज चना कांटा तेजी लिए बताया शक्कर 3900 से 3940 रुपये प्रति क्विंटल। खोपरा गोला 110 से 130 रुपये प्रति किलोग्राम। खोपरा बूरा 2350 से 4450 रुपये प्रति 15 किलोग्राम। हल्दी खडी 220 से 285 रुपये प्रति किलोग्राम। साबूदाना 6400 से 6900, पैकिंग में 7200 से 7300 रुपये प्रति क्विंटल।

सरसों निमाड़ी 5200 से 5700, सोयाबीन 4450 से 4500 रुपये प्रति क्विंटल। मूंगफली तेल इंदौर 1590 से 1610, सोयाबीन रिफाइंड 945 से 950, साल्वेंट 895 से 900, पाम तेल 955 से 960 रुपये प्रति 10 किलो। गया। दालों में मांग सुस्ती से नरमी रही।

बजाज फिनसर्व ने लार्ज कैप फंड लॉन्च किया

मुंबई (वार्ता)। बजाज फिनसर्व एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड ने कंज्र्टी रणनीति के तहत बजाज फिनसर्व लार्ज कैप फंड के लॉन्च की घोषणा की। कंपनी ने गुरुवार को बयान जारी कर बताया कि यह इस श्रेणी में एक अनूठा फंड है। इसमें उच्च सक्रिय शेयर और चुनिंदा 25-30 स्टॉक पर ध्यान केंद्रित करने वाली एक केंद्रित रणनीति है। इस अनूठे दृष्टिकोण के माध्यम से, फंड का लक्ष्य लंबी अवधि में बेहतर जोखिम-समायोजित रिटर्न प्रदान करना है। कंपनी के हालिया अध्ययन के अनुसार लार्ज कैप का वर्तमान मूल्यांकन उनके दीर्घकालिक औसत 23.1 के करीब है। इससे पता चलता है कि लार्ज कैप वर्तमान में अपने उचित मूल्यांकन के करीब हैं, जिससे वे दीर्घकालिक निवेश के लिए एक आकर्षक प्रस्ताव बन गए हैं।

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)

तृतीय निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
01	2024_UAD_359690_1 PRO 89 Date 25.7.2024	संभाग क्रमांक 06 के अंतर्गत डॉ. राम मनोहर लोहिया वार्ड में त्रिमूर्ति टाइल्स से जयपुर मार्बल तक नाली निर्माण एवं डामरीकरण कार्य।	04 माह 1109600.00	2,000 8322	9.08.2024

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाइट https://mptender.gov.in पर ही किया जावेगा पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम जबलपुर

सरकार का सहयोग और जनता का साथ औद्योगिक विकास का है आधार: डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने कोयम्बटूर में आयोजित इन्वेस्ट एमपी-इंटरेक्टिव सत्र को किया संबोधित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्य प्रदेश में निवेश को सुविधाजनक बनाने के लिए कोयम्बटूर तमिलनाडु में मध्यप्रदेश का एक उद्योग कार्यालय खोला जाएगा। यह कार्यालय मध्य प्रदेश और तमिलनाडु के बीच व्यापार और व्यवसाय बढ़ाने के लिए सेतु का काम करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कोयम्बटूर में इन्वेस्ट एमपी- इंटरेक्टिव सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इन्वेस्टर समिट का एक उद्देश्य यह भी है कि व्यापार और व्यवसाय के आधार पर विभिन्न प्रदेश परस्पर नजदीक आएं और हम मिलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत को दुनिया का नंबर वन देश बनाने की दिशा में संकल्पित होकर कार्य करें। यहाँ के उद्योगपतियों ने कोयम्बटूर और त्रिपुर को अपने बलबूते पर इंडस्ट्रियल हब के रूप में स्थापित किया है, अब मध्यप्रदेश आपको बुला रहा है, हम आपको व्यापार व्यवसाय बढ़ाने के नए अवसर देने और प्रेम बांटते हुए मध्यप्रदेश एवं तमिलनाडु के संबंधों को अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से यहां आए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दक्षिण भारत के प्रमुख औद्योगिक केंद्र कोयम्बटूर में आयोजित इन्वेस्ट एमपी-इंटरेक्टिव सत्र का दीप प्रज्वलित कर तथा तुलसी के पौधे में जल अर्पित कर शुभारंभ किया। कोयम्बटूर टैक्सटाइल एवं गारमेंट, इंजीनियरिंग और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे औद्योगिक सेक्टर के लिए जाना जाता है। प्रदेश में निवेश और औद्योगिक गतिविधियों के प्रोत्साहन के लिए भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में तमिलनाडु के उद्योगपतियों को आमंत्रित करने के उद्देश्य से कोयम्बटूर में रोड शो और निवेशकों व उद्योगपतियों के साथ इंटरेक्टिव सत्र आयोजित किया गया। सत्र में 1200 से अधिक प्रतिनिधियों ने भागीदारी की तथा मध्यप्रदेश में निवेश के लिए 3500 करोड़ रुपए से अधिक निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए।

वर्ष 2025 उद्योग वर्ष के रूप मनाया जाएगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में भी टैक्सटाइल एवं गारमेंट इंडस्ट्री, ऑटोमोबाइल एवं इंजीनियरिंग उद्योग तेजी से विकसित हो रहे हैं। मध्यप्रदेश में इन क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं। उद्योगपतियों के लिए मध्यप्रदेश में निवेश कर अपने व्यापार-व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का यह सबसे उपयुक्त समय है। मध्यप्रदेश में निवेश के हर पहलू का ध्यान रखा गया है। मध्यप्रदेश फ्यूचर रेडी प्रदेश है, यहाँ संभावनाओं के साथ सरकार का सहयोग एवं जनता का साथ है।

निवेश क्रांति का हिस्सा बनें तमिलनाडु के उद्योगपति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल में 7-8 फरवरी 2025 को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया जाएगा। मैं आपको प्रदेश में चल रही निवेश क्रांति का हिस्सा बनने का निमंत्रण देने आया हूँ। मुझे विश्वास है कि मध्यप्रदेश में उपलब्ध अपार अवसरों का लाभ उठाते हुए विकसित भारत के साथ ही विकसित मध्यप्रदेश के विजन को साकार करने में आप महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

राज्य का इको-सिस्टम अत्यंत अनुकूल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि टैक्सटाइल इंडस्ट्री के लिए राज्य का इको-सिस्टम अत्यंत अनुकूल है। वृहद श्रेणी के गारमेंट उद्योगों को आकर्षित करने के लिए प्रदेश में लागू विशेष रेडीमेड गारमेंट पॉलिसी में स्थाई पूंजी निवेश के 200 प्रतिशत तक की वित्तीय सहायता का प्रावधान है। टैक्सटाइल इंडस्ट्री की बदलती जरूरतों के अनुरूप मानव संसाधन तैयार करने के लिए जबलपुर शहर में अति आधुनिक स्किल डेवलपमेंट सेंटर की शुरुआत की जा रही है और स्किल एवं क्लस्टर डेवलपमेंट में सहायता के लिए तिरूपुर एक्सपोर्ट एसोसिएशन के साथ भी एमओयू किया गया है।

मशीनरी ट्रेनिंग एंड टेस्टिंग इंस्टीट्यूट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ऑटो इंडस्ट्रीज के 10 से अधिक ओईएम तथा 200 से अधिक ऑटो कंपोनेंट निर्माताओं की उपस्थिति मध्यप्रदेश में है। कमर्शियल व्हीकल्स निर्माण के लिए जरूरी ओईएम तथा एनसीलरीस की भी कई बढ़ी छोटी इकाइयां कार्यरत हैं। प्रदेश में ऑटो सेक्टर के लिए आवश्यक सपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे इंडो जर्मन टूल रूम, इंदौर, द सेंट्रल फार्म मशीनरी ट्रेनिंग एंड टेस्टिंग इंस्टीट्यूट, बुदनी में और पीथमपुर में ऑटो क्लस्टर ट्रेनिंग सेंटर एवं ऑटो टेस्टिंग ट्रैक नैट्रैक्स इत्यादि भी उपलब्ध है।

उद्योग स्थापना के लिए मध्यप्रदेश है पीपुल्स फ्रेंडली

डॉ. यादव ने कहा कि राज्य को खनिज-वन-जल और पर्यटन सम्पदा का भरपूर उपहार मिला है। उद्योगों की स्थापना और निवेश के लिए मध्यप्रदेश पीपुल्स फ्रेंडली, डेवलपमेंट फ्रेंडली और एनवायरनमेंट फ्रेंडली डेस्टीनेशन है। प्रदेश की अन्य राज्यों से कनेक्टिविटी अच्छी है, प्रदेश के इंडस्ट्रियल कोरिडोर्स से विभिन्न एक्सप्रेस-वे गुजर रहे हैं। प्रदेश विद्युत सरप्लस स्टेट है, उद्योगों के लिए पर्याप्त लैंड बैंक की भी उपलब्धता है और यहाँ क्लीन व ग्रीन एनर्जी का भंडार है।

तीन एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

इंटरेक्टिव सत्र में 25 से अधिक उद्योगपतियों तथा 4 प्रमुख उद्योग संगठनों के साथ वन-टू-वन बैठक की गई साथ ही राज्य के एक जिला-एक उत्पाद के संबंध में भी जानकारी का प्रसार किया गया। इसके साथ ही इंडियन कॉटन कारपोरेशन के साथ प्रदेश में इएलएस कॉटन के उत्पादन और रकबे को बढ़ावा देने के लिए नॉलेज शेयरिंग और प्रदेश में स्किलड मैन पॉवर की उपलब्धता को बढ़ाने तथा टैक्सटाइल क्लस्टर स्थापित करने के लिए तिरुपुर एक्सपोर्ट एसोसिएशन के साथ नॉलेज शेयरिंग संबंधी एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। मध्यप्रदेश में कपास की खेती को बढ़ावा देने और रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट शेयरिंग के लिए साउथ इंडिया मिल्स एसोसिएशन के साथ भी एमओयू हुआ।

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के संभागीय कार्यालय शुरू होंगे

अधिकारी-कर्मचारी संघ की मांग पर राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने दिया आश्वासन

भोपाल। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के संभाग स्तर पर संभागीय कार्यालय शुरू करने के लिये शासन स्तर पर पहल की जायेगी। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग सहायक संचालक एवं निरीक्षक संघ के प्रतिनिधि मण्डल को उक्त आशय का आश्वासन दिया। प्रतिनिधि मण्डल राज्यमंत्री श्रीमती गौर गुरूवार को उनके निवास पर भेंट कर विभिन्न मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि संघ द्वारा विभाग की संरचना से संबंधित विभिन्न तथ्यों को ध्यान में लाया गया है, इनमें अन्य विभागों की तरह पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के संभागीय कार्यालय शुरू करने, सहायक संचालक के पदनाम को सहायक आयुक्त किये जाने, विभाग के अधिकारियों को पाँच स्तरीय वेतनमान स्वीकृत किये जाने और विभाग की आवश्यकतानुसार जिला, संभाग और मुख्यालय स्तर पर अधिकारी-कर्मचारियों के पदों के सृजन पर विचार किया जायेगा। उन्होंने कहा कि संघ के द्वारा सौंपे गये मांग पत्र के बिन्दुओं पर विभागीय वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा की जायेगी और विभाग की आवश्यकताओं के अनुरूप तथा पिछड़ा वर्ग के कल्याण को ध्यान में रखते हुए जरूरी मांगों को पूरा करने पर विचार किया जायेगा। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने उनके भ्रमण के दौरान जबलपुर और इंदौर पिछ ड़ा वर्ग के छात्रावासों में दिये गये निर्देशों को पूरा करने पर इन जिलों के अधिकारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विभाग के सुदृढ़ीकरण के लिये वह पूर्व से प्रयासरत है। पिछड़ा वर्ग के छात्रावासों में लायब्रेरी, मेस और वाईफाई आदि की सुविधाएँ दिये जाने की कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक संभागीय मुख्यालय पर संभाग स्तरीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र भी शुरू किये जाने का कार्य किया जा रहा है। इससे पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक समुदाय के विद्यार्थियों को अपने संभाग पर प्रतियोगी परीक्षाओं का निश्शुल्क प्रशिक्षण मिल सकेगा।

शहीद चंद्रशेखर आजाद की 118 वी जयंती पर भारत माता पार्क में किया गया वृक्षारोपण

दमोह। मां भारती के वीर सपूत वीर क्रांतिकारी अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की 118 वी जयंती के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत जिला प्रशासन और जन अभियान परिषद दमोह के मार्गदर्शन में छात्र क्रांति दल एवं छात्र सर्वकल्याण समिति जिला दमोह द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन दमोह नगर स्थित भारत माता पार्क में किया गया, जहां उपस्थित जनों ने आम का पौधा रोपण कर प्रकृति संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लिया। इस अवसर पर जन अभियान परिषद जिला समन्वयक सुशील कुमार नामदेव, समन्वयक वंदना जैन, संस्था अध्यक्ष यूथ अचीवर्स कृष्णा पटेल, आशीष चौरसिया, रोहित जैन, दयाराम पटेल, राजकुमार सेन, राहुल खरे, नमन खरे सहित अनेक संस्था के पदाधिकारी सदस्यों की उपस्थिति रही।

तुलावटी संघ अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

दमोह। कृषि उपज मंडी दमोह में हम्माल और तुलावटी का ऑनलाइन आवेदन किया जा रहा है जिससे कई तुलावाटियों ने आवेदन जमा किए हैं जिससे पुराने कार्यरत तुलावाटियों पर रोजी-रोटी का संकट आ गया है, वह अपने बच्चों एवं परिवार वालों का भरण पोषण नहीं कर पा रहे हैं और मंडी प्रशासन के द्वारा नई तुलावाटियों को लेने के लिए दवाब डाला जा रहा है जिससे परेशान होकर तुलावटी संघ अध्यक्ष अशोक रावत ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया और समस्त तुलावाटियों का कहना है हमारे पिताजी का यह काम करते रहे हैं और सब 20-20 सालों से तुलावाटी का काम कर रहे हैं यदि हम लोगों की रोजी-रोटी छीनी जाती है तो हम सब परिवार सहित हड़ताल करेंगे जिसकी जवाबदारी मंडी प्रशासन की रहेगी। मंडी में 20 से 25 व्यापारी अनाज लेते हैं और तुलावाटी 44 है।

दुर्घटना में बमनाला चौकी प्रभारी की मृत्यु

खरगोन (वार्ता) मध्यप्रदेश के खरगोन जिले में आज तड़के एक सड़क दुर्घटना में बमनाला पुलिस चौकी प्रभारी की मृत्यु हो गई तथा एक पुलिसकर्मी समेत दो लोग घायल हो गए। पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीणा ने बताया कि सड़क दुर्घटना में 50 वर्षीय बमनाला पुलिस चौकी प्रभारी संजय पांडेय की मृत्यु हो गई तथा आरक्षक विशाल सोलंकी और डायल हंड्रेड का ड्राइवर हरीश सिंह घायल हो गया। उन्होंने बताया कि बीती रात भीकनगांव अनुविभाग क्षेत्र में संजय पांडेय आरक्षक विशाल और डायल 100 के ड्राइवर के साथ गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उनका वाहन सड़क पर खड़े एक ट्रक में पीछे से टकरा गया। तीनों को जिला अस्पताल लाया गया, जहां से संजय जोशी को प्राथमिक उपचार के बाद इंदौर रेफर किया गया। इंदौर स्थित अस्पताल में चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि जिला अस्पताल में भर्ती आरक्षक और ड्राइवर की स्थिति ठीक है। संजय पांडेय मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले थे। उनके एक नजदीकी रिश्तेदार खंडवा में निरीक्षक है।

मंत्री टेटवाल ने संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क का किया औचक निरीक्षण

भोपाल । कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री गौतम टेटवाल ने संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क (जीएसपी) का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों से रू-ब-रू चर्चा की। विद्यार्थियों के ट्रेड एवं ट्रेड की भविष्य में उपयोगिता के बारे में विस्तृत चर्चा की। मंत्री श्री टेटवाल ने जीएसपी के हॉस्टल में उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। विद्यार्थियों ने मंत्री श्री टेटवाल को अपने मध्य पाकर खुशी के साथ ट्रेनिंग एवं संस्थान की सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। मंत्री श्री टेटवाल ने क्लास रूम, कॉन्फ्रेंस हॉल सहित सम्पूर्ण परिसर का निरीक्षण किया। पार्क में प्रदेश से आये विद्यार्थी ट्रेनिंग ले रहे हैं। सिंगापुर से ट्रेनिंग लेकर आये प्रशिक्षकों द्वारा ट्रेनिंग दी जा रही है। भारतीय नौसेना के अधिकारियों के दल ने जीएसपी का भ्रमण किया। दल ने व्यस्थाओं की सराहना की। दल ने जीएसपी के विभिन्न एडवांस ट्रेड्स में स्किल्ड मैनपॉवर से संभावित सहयोग लेने और परीक्षण सुविधा स्थापित करने के लिए अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की।

मौसम के अनुरूप भोजन ग्रहण करें : न्यायाधीश

दमोह। मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत प्रिंसिपल जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आनंद कुमार तिवारी एवं जिला न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण धर्मेश भट्ट के मार्गदर्शन में वृद्धाश्रम दमोह में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में विशेष न्यायाधीश एट्रोसिटीज उदय सिंह मरावीए जिला विधिक सहायता अधिकारी रजनीश चौरसिया, वृद्धाश्रम प्रबंधक वीरेन्द्र असाटी, भैयाराम यादव, विधि छात्र ईशान चैरसिया एवं वृद्धजन उपस्थित रहे। विशेष न्यायाधीश एट्रोसिटीज उदय सिंह मरावी ने वृद्धों को बताया कि बदले हुये मौसम के अनुरूप भोजन ग्रहण करें अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें। हल्का व्यायाम एवं प्राणायाम करें जिससे आप निरोगी रहें। उन्होंने वृद्धों से कहा कि आप जिन भी परिस्थितियों के कारण वृद्धाश्रम में हैं उनको सकारात्मक रूप से लेते हुये एक-दूसरे के साथ खुशी से जीवन व्यतीत करें।जिला विधिक सहायता अधिकारी रजनीश चौरसिया ने वृद्धों को शासन की योजनाओं की जानकारी दी एवं कोई भी कानूनी समस्या होने पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दमोह में संपर्क करने हेतु कहा।

जो भक्त निष्काम भाव से प्रभु को भजता है उन्हें ही कृपा की पात्रता मिलती है

हटा। गायत्री शक्तिपीठ में श्रावण मास में चल रही चतुर्थ दिवस की कथा में कथावाचक प्रतीक मिश्रा ने कहा अग्नि स्तंभ से बड़वानल नामक अग्नि प्रज्वलित हुई। सभी के संताप को नष्ट कर देने वाला बड़वानल का रूप धारण किया फिर भगवान शिव ने ब्रह्मा जी को आदेश दिया कि आप उस अग्नि को समुद्र को समर्पित कर दो और उससे कहा कि हे सागर इससे आपको कोई हानि नहीं होगी। आप इसे शिव क्रोध अग्नि बढ़ावानल को प्रलय काल तक धारण करो और यह प्रतिदिन

तुम्हारे जल का आहार करता रहेगा। भगवान शिव के विवाह की चर्चा माता सती ने जब दक्ष के यज्ञ में प्राणान्त किया तब उस समय माता सती ने यह वरदान मांगा कि हे प्रभु मै हर जन्म में शिव की अर्धांगिनी बनूं जिसके फल स्वरुप हिमालय के यहां पर माता सती ने पार्वती के रूप में जन्म लिया। नारद जी महाराज ने हिमालय के पास जाकर माता सती की हस्त रेखा देखी। हिमालय ने नारद जी से पूछा कि हे प्रभु आप मेरी पुत्री का भाग्य बताएं और विवाह के संबंध में बताएं कि मेरी पुत्री का पति कैसा होगा तब नारद जी ने बताया कि इनका पति योगी, अनंग, गुणरहित, अकाम, माता-पिता से हीन, अमंगल वेष वाला होगा। ऐसा नारद जी ने माता पार्वती की हस्तरेखा को देखकर कहा। नारद जी के उपदेश अनुसार माता पार्वती ने तपस्या करके भगवान शिव के चरणों को प्राप्त किया। भगवान कहते हैं। अहं भक्त पराधीनम। मैं भक्ति के ही पराधीन हूं अगर कोई भक्त निष्काम मन से मुझे भजता है तो मेरी कृपा की पात्रता उसे अवश्य मिलती है।

कार्यालय आयुक्त
नगर पालिक निगम, जबलपुर
पत्र क्रमांक/ सहा.आ./ संपदा (लीज)/2024/195
दिनांक-25/07/2024
::- लीज होल्ड भूखण्ड को भूमि स्वामी अधिकार में संपरिवर्तन हेतु सूचना ::-
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम म्यु. लीज प्लाट क्रमांक- 193/ए, मदन महल हैल्थ कैम्प लीज होल्ड भूखंड क्षेत्रफल - 960 के श्री संजय जैन पिता श्री जे.पी. जैन पट्टेधारक हैं। लीज रहवास उपयोग हेतु दिनांक- 27-04-1995 से 30 वर्षों के लिए अर्थात् दिनांक- 26-04-2025 तक के लिए नवीनीकृत है। पट्टेधारी द्वारा उक्त लीज होल्ड भूखंड को भूमि स्वामी अधिकार (फ्री-होल्ड) में संपरिवर्तन किये जाने हेतु निर्धारित प्रारूप-3 में आवेदन सह शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः भूखंड को भूमि स्वामी अधिकार (फ्री-होल्ड) में संपरिवर्तन किये जाने के संबंध में जिस किसी को आपत्ति हो, तो इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के भीतर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित कमरा नंबर- 23, संपदा शाखा में प्रस्तुत करें।
उपायुक्त (संपदा)
नगर पालिक निगम
जबलपुर

विकसित भारत की ओर कदमताल करता मध्यप्रदेश

ई-कक्षाओं में पढ़ रहे हैं जनजातीय बच्चे,सरकारी स्कूल बने प्रभावकारी

भोपाल । मध्यप्रदेश के जनजातीय बाहुल्य खरगोन जिले के सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे जनजातीय बच्चे स्मार्ट क्लासेस मतलब ई-कक्षाओं से ज्ञानार्जन कर अपना भविष्य गढ़ रहे हैं। यहां ई-कक्षाओं के जरिये ऑनलाइन क्लासेस संचालित की जा रही है। इन ऑनलाइन क्लासेस में एक्सपर्ट टीचर्स बच्चों को सरल और सहज तरीके से पढ़ा रहे हैं और दुनिया में हो रहे नित नये नवाचारों की जानकारी भी दे रहे हैं। इन क्लासेस का लाभ जनजातीय कार्य विभाग द्वारा खरगोन जिले में चलाये जा रहे 64 हायर सेकेंडरी स्कूल्स में पढ़ रहे सभी विद्यार्थियों को मिल रहा है। विद्यार्थियों के प्रश्नों और जिज्ञासाओं के जवाब विषय विशेषज्ञों द्वारा सटीकता से लेक्चर्स के दौरान दिये जा रहे हैं। खरगोन जिले के सुदूरस्थ अंचलों के विद्यार्थियों को तो इन ऑनलाइन क्लासेस का सबसे ज्यादा लाभ मिल रहा है। विकसित भारत का सपना अब दूर नहीं। क्योंकि इसके लिए धरातल पर काम शुरू हो चुका है। बच्चे देश का भविष्य हैं और कर्णधार भी। भविष्य में जिन बच्चों के हाथों में देश की बागडोर आने वाली है, वे खुद जब आधुनिक माध्यमों से शिक्षित होंगे, तो अपनी भावी पीढ़ियों के लिये भी सुनहरे भविष्य की नींव रखेंगे। अच्छी बात है कि शुरुआत हो भी गई।

क्यूं चलाई जा रही है ई-कक्षायें ?

जनजातीय कार्य विभाग के 64 हायर सेकण्डरी स्कूल्स को

एडवांस टेक्निक से जोड़कर ई-कक्षाएं चलाई जा रही हैं। ई-कक्षाओं के जरिये विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा दी जा रही है। ई-कक्षाओं से शिक्षकविहीन शालाओं में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के अलावा सर्वश्रेष्ठ विषय विशेषज्ञों से लेक्चर्स दिलाकर परीक्षा के लिए उपयोगी प्रश्नों की तैयारी कराई जा रही है। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सकारात्मक वातावरण निर्माण सहित विद्यार्थियों का क्षमता एवं दक्षता संवर्धन भी किया जा रहा है।

कैसे चलाई जा रही हैं ई-कक्षायें ?

इस काम के लिए खरगोन जिले के एक्सपर्ट टीचर्स चुने गये हैं। निगरानी के लिए देवी अहिल्या उत्कृष्ट विद्यालय क्र. 01 खरगोन में एक कंट्रोल रूम भी बनाया गया है। नोडल अधिकारी एवं सहायक नोडल अधिकारी भी नियुक्त किये गये हैं। ई-कक्षाओ में कक्षा 10वीं के गणित, अंग्रेजी, विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान तथा कक्षा 12वीं के लिए गणित, भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, जीव विज्ञान एवं अंग्रेजी की पढ़ाई कराई जा रही है।

ई-कक्षाओं से विद्यार्थियों को लाभ

सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों से पढ़कर विद्यार्थियों की विषयगत शंकाओं का त्वरित समाधान हो रहा है। इससे उन्हें प्रतियोगी परिक्षाओं की तैयारी एवं उनमें चयन के अवसर भी मिलेंगे। जिन शालाओं में विषय विशेषज्ञ शिक्षक नहीं है, वहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों को संबंधित विषय को समझने में बेहद आसानी होगी। बोर्ड परीक्षाओं में प्राय: पूछे जाने वाले प्रश्नों (एफएक्यू) की भी बेहतर तरिके से तैयारी हो पायेगी।

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003
भवन नामांतरण हेतु सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा निर्मित बरेला कॉलोनी जबलपुर स्थित भवन क्रमांक RHS-20 श्री भोला प्रसाद बर्मन पिता स्व. श्री गोपीलाल बर्मन को आंवटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 26.10.2002 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। आवंटी श्री भोला प्रसाद बर्मन पिता स्व. श्री गोपीलाल बर्मन का निधन दिनांक 27.06.2024 को हो गया है। एवं उनकी पत्नी श्रीमति कलावती बर्मन की भी मृत्यु, दिनांक 24.05.2014 को हो चुकि है। श्री भोला प्रसाद बर्मन ने अपनी वसीयत दिनांक 03.02.2022 को उनके पोते श्री अनमोल बर्मन पिता श्री महेंद्र कुमार बर्मन के नाम नियुक्त की है। उनके पोते श्री अनमोल बर्मन पिता श्री महेंद्र कुमार बर्मन के द्वारा मृत्यु प्रमाण पत्र एवं शपथपत्र अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ उक्त भवन के नामांतरण हेतु आवेदन / दस्तावेज इस कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं, उसके आधार पर संपत्ति के नामांतरण की कार्यवाही इस कार्यालय में प्रचलन में है यदि किसी व्यक्ति / संस्था को उक्त भवन नामांतरण बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् नामांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003
भवन नामांतरण हेतु सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा निर्मित धनवंतरी नगर जबलपुर स्थित भवन क्रमांक Jr. HIG-13 श्री ठाकुर हरि सिंह पिता श्री एनू सिंह को आंवटित है। आवंटी श्री ठाकुर हरि सिंह पिता श्री एनू सिंह से प्राप्त आवेदन / संयुक्त शपथ पत्र एवं निधारित दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन श्री अभिनंदन चौधरी पिता स्व. जगन प्रसाद चौधरी के नाम हस्तांतरण कि कार्यवाही की जाना है। यदि किसी व्यक्ति / संस्था को उक्त भवन हस्तांतरण बावत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि में किसी भी प्रकार की आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर धनवंतरी नगर जबलपुर स्थित भवन क्र. Jr. HIG-13 श्री अभिनंदन चौधरी पिता स्व. जगन प्रसाद चौधरी के नाम हस्तांतरण की कार्यवाही की जावेगी एवं भविष्य में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति / दावा मान्य नहीं होगी।
संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

कारगिल युद्ध में हुए शहीदों को दी श्रद्धांजलि

भारत की विजय को किया याद

कारगिल विजय दिवस पर 2 दिवसीय शौर्य संध्या कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

कारगिल विजय दिवस की पूर्व संध्या पर नवनिर्मित नेताजी सुभाषचंद्र बोस कल्चरल एंड इनफार्मेशन सेंटर घंटाघर में ब्रिगेडिए, राजेश शर्मा, कमांडेंट छ्रय आरसी, ब्रिगेडिएर ललित शर्मा, शौर्य चक्र, सेना मैडल कमांडेंट जीआरसी, ब्रिगेडिर टी सुरेश, कमांडेंट वनएसटीसी, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, निगमायुक्त प्रीति यादव आदि की उपस्थिति में शौर्य संध्या का आयोजन किया गया। जिसमे हजारों की संख्या में उपस्थित विभिन्न शालाओं के छात्र-छात्राओं, नगर पालिक निगम के अधिकारी एवं कर्मचारियों एवं सेना के जवानों के परिवारों ने आर्मी के बैंड एवेंजर एवं सेना के जवानों के द्वारा दी गई।

आर्मी बेंड ने दी प्रस्तुति

रंगारंग प्रस्तुति के माध्यम से 26 जुलाई 1999 को हमारे आर्मी के जवानो द्वारा पकिस्तान को दी गई, पराजय और हमारी विजय को याद किया गया। साथ ही साथ नम आंखों से कारगिल युद्ध में शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं नगर निगम के अपर आयक्त व्हीएन बाजपेई ने बताया की कारगिल विजय दिवस के अवसर पर आर्मी एवं नगर निगम एवं जिला प्रशासन जबलपुर के संयुक्त तत्वाधान में 2 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया । गुरूवार को कार्यक्रम शौर्य संध्या में आर्मी के बेंड एवं जवानों के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। जिसमें सभी उपस्थित छात्र-छात्राओं, नगर पालिक निगम के अधिकारी एवं कर्मचारियों एवं सेना के जवानों के परिवारों ने कारगिल विजय दिवस जोश के साथ मनाया।

हितकारिणी डेंटल कॉलेज ने लगाया निशुल्क दंत परीक्षण शिविर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

हितकारिणी दंत चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल के पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग द्वारा एकीकृत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं संजीवनी क्लीनिक, पिपरिया में विगत 25 जुलाई को निशुल्क दंत परीक्षण एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर मे 300 से अधिक संख्या में विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं अन्य मरीजों का दंत परीक्षण कर उन्हें दांतों की उचित देखभाल, सही खान पान एवं ब्रश करने के सही तरीकों से संबंधित जानकारी भी प्रदान की गई। हितकारिणी दंत चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल के निदेशक डॉ. राजेश धीरावाणी एवं अधिष्ठाता डॉ. रोहित मिश्रा के मार्गदर्शन में आयोजित यह शिविर विद्यालय के प्राचार्य उमाशंकर दुबे, डॉ हरीश राज, दुर्गा मेहरा एवं संजीवनी क्लीनिक के अन्य सदस्यों की उपस्तिथि में सम्पन्न हुआ। इस दौरान हितकारिणी डेंटल कॉलेज से डॉ.निहारिका बेंजामिन, डॉ. अविनाश बोस सहित अन्य डाक्टरों की उपस्थिति रही।

शिक्षकों, छात्रों का दंत परीक्षण कर दिए देखभाल के टिप्स

हितकारिणी डेंटल कॉलेज में निम्न दरों पर होगा इलाज

वर्ल्ड ओरल हाइजीन डे के उपलक्ष्य पर 50 प्रतिशत की छूट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हितकारिणी दंत चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, डुमना जबलपुर में वर्ल्ड ओरल हाइजीन डे के उपलक्ष्य में आगामी एक अगस्त को पेरियोडॉन्टिक विभाग में किए जाने वाले उपचार जैसे की दातों की आधुनिक मशीनों द्वारा सफाई, इत्यादि निम्नतम दरों (50 प्रतिशत की छूट) में मरीजों को उपलब्ध कराया जाएगा। महाविद्यालय प्रबंधन ने अधिक से अधिक संख्या में लोगों से उपस्थित होकर सुविधा का लाभ उठाने की अपील की है।

11 सालों से धरना दे रहे अनुकंपा आश्रित परिवार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र विद्युत मंडल तकनीकी कर्मचारी संघ के नेतृत्व में शक्ति भवन के समक्ष बैरियर के पास अनुकंपा आश्रितों के परिवार के द्वारा विगत 11 मार्च 2013 से लगातार धरना दिया गया। साथ ही विधवा महिलाओं ने जबलपुर से भोपाल 340 किलोमीटर पैदल मार्च निकाला और 22 दिनों में मुख्यमंत्री से मिलने पहुंची। वहीं मध्य प्रदेश के मंत्रियों एवं सभी जिलों के सांसदों एवं विधायकों को ज्ञापन पत्र भी दिए गए। मप्र विद्युत मंडल तकनीकी कर्मचारी संघ के प्रांतीय महासचिव हरेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि मप्र विद्युत मंडल के द्वारा खराब वित्तीय स्थिति का हवाला देकर 1 सितंबर 2000 से अनुकंपा नियुक्ति पर रोक लगा दी गई थी। संघ ने ज्ञापनों और पत्रों के मध्यम से ऊर्जा विभाग से एक मांग की गई कि अनुकंपा नियुक्ति पर लगी रोक हटाई जाए और प्रदेश सरकार के अन्य विभागों की तरह बिना शर्त अनुकंपा नियुक्ति दी जाए। हरेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि लेकिन इसे विडंबना ही कहेंगे कि ऊर्जा विभाग के द्वारा वर्ष 2013-14 में नई अनुकंपा नीति लागू किए जाने का आदेश जारी किया गया, जिसमें मौतों का बंटवारा करते हुए कहा कि 15 नवंबर 2000 से 10 अप्रैल 2012 के बीच जिन बिजली कर्मियों की मृत्यु हार्ट अटैक या बीमारी के कारण हुई है, उनके आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति नहीं दी जावेगी, इसका आशय यही हुआ कि लगभग 12 वर्ष की इस अवधि के दौरान जिन बिजली कर्मियों की सामान्य मृत्यु सेवारत रहते हुई है, उनके आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति नहीं दी जायेगी। संघ के मोहन दुबे, राजकुमार सैनी, अजय कश्यप, लखन सिंह राजपूत आदि ने बिना शर्त अनुकंपा नियुक्ति देने मांग की है।

ईओडब्ल्यू कार्यालय में सेमीनार का आयोजन

नए एक्ट के संबंध में न्यायिक अधिकारियों ने दिया प्रशिक्षण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ इकाई जबलपुर में नये एक्ट के संबंध में एक दिवसीय सेमीनार का आयोजन आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ, इकाई जबलपुर में हुआ। सेमिनार में जबलपुर, रीवा, सागर के अधिकारियों ने भाग लिया। हाल ही में विगत 01 जुलाई से लागू हुये भारतीय न्याय संहिता भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम, के संबंध में आयोजित इस एक दिवसीय सेमीनार में मप्र न्यायिक एकेडमी जबलपुर के न्यायिक अधिकारी अमित सिंह सिसोदिया एवं मनीष शर्मा द्वारा भारतीय न्याय संहिता भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम तीनों विषयों पर सभी अधिकारियों को विस्तारपूर्वक बताते हुए प्रशिक्षण दिया गया। विशेषकर तीनों एक्टों में जोड़ी गई नवीन धाराओं एवं परिवर्तित धाराओं के संबंध में विस्तारपूर्वक बताया गया तथा अनुसंधान अधिकारी द्वारा प्रथम सूचना पत्र दर्ज करने से लेकर न्यायालय में चालान प्रस्तुत करने तक तकनीकी रूप से क्रमबद्ध किस किस प्रकार की कार्यवाही करना है, इस पर विस्तृत व्याख्यान प्रोजेक्टर के माध्यम से न्यायिक अधिकारियों द्वारा दिया गया। उक्त एक दिवसीय सेमीनार में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ इकाई जबलपुर के पुलिस अधीक्षक आरडी भारद्वाज एवं आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ इकाई जबलपुर, रीवा, सागर के उप पुलिस अधीक्षक, निरीक्षक, उप निरीक्षक स्तर के अधिकारियों ने भाग लिया।

सुरक्षा गार्डों को 4 माह से नहीं मिला वेतन, आयोग ने लिया संज्ञान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

एक सिक्योरिटी एजेन्सी द्वारा 28 सुरक्षा गार्डों को विगत 4 माह से वेतन नही दिया जा रहा है, जिससे गरीब गार्ड्स और उनके परिजन को खाना खाने के लाले पड़ गए हैं और वह दाने-दाने को मोहताज हो गए हैं। तीन साल में इनके पीएफ का भी कोई पता नहीं है। गार्डों ने जिला खेल अधिकारी पर आरोप लगाया है कि उन्हीं की मिली भगत से उन्हें वेतन से वंचित होना पड़ रहा हैं। मजबूरी में गार्डस् ने सीएम हेल्पलाइन में शिकायत की, तो एक माह का वेतन देकर खानापूर्ति कर ली गई। उधर, डीएसओ और ठेकेदार दलील दे रहे हैं कि बजट नहीं होने से यह परेशानी है, जबकि यह मामला आउटसोर्सेस का है। मप्र मानव अधिकार आयोग के क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा ने बताया कि समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार के आधार पर मामले में संज्ञान लेकर मप्र मानव अधिकार आयोग की मुख्य पीठ भोपाल में प्रकरण पर सुनवाई करते हुए, अध्यक्ष मनोहर ममतानी ने मानव अधिकारों के हनन का मामला मानकर, जबलपुर कलेक्टर एव जिला श्रम अधिकारी से मामले की जांच कराकर, आऊटसोर्स कर्मचारियों के वेतन समय पर, नियमित रूप से मिलने और पीएफ राशि कटौती एवं उसके अभिलेख के उचित संधारित के संबंध में की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन एक माह में मांगा है।

बीएसएनएल कर्मचारियों ने नारेबाजी कर किया प्रदर्शन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

बीएसएनएल एम्प्लाईज यूनियन जबलपुर के नेतुत्व में बीएसएनएल के कर्मचारियों द्वारा उपभोक्ताओं की समस्या एवं कर्मचारी विरोधी नितियों के खिलाफ गुरुवार को भोजनावकाश में प्रदर्शन किया गया। बीएसएनएल जबलपुर में संचार सेवाओं में सुधार एंव कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर बीएसएनएल जबलपुर के कर्मचारियों ने प्रबंधन के विरोध में जमकर नारेबाजी की। कर्मचारियों की मांग है कि बीएसएनएल की मार्केटिंग एवं उपभोंक्ताओं की सुविधाओं पर ध्यान दिया जाये, विभागीय कॉलोनियों के आवासों की मरम्मत एवं रख-रखाव सुनिश्चित किया जाए। नियम विरूद्ध एवं पक्षपात पूर्ण स्थानांतरण बंद किए जाए, एनईपीपी प्रमोशन के आदेश जारी किए जाये, पेंडिग मेडिकल बिल का हल किया जाए, कर्मचारियों को सेफ्टी सूज एवं टूल्स प्रदान किए जाए, ईपीएफ से संबंधित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण किया जाए, पार्किग-साफ-सफाई एवं पीने के स्वच्छ पानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये आदि। प्रदर्शन स्थल पर एक सभा का आयोजन किया गया। सभा की अध्यक्षता कॉमरेड शिव कुमार यादव ने की। सभा का संचालन कॉमरेड राघवेन्द्र अरजरिया ने किया। सभा को कॉमरेड राजेश यादव एवं कॉमरेड आर के स्थापक ने संबोधित किया। प्रदर्शन में रितू वर्मा, दूर्गा बाई, सुशीला रैकवार, भागवती रैकवार, मुन्नी बाई राजपूत, राजकुमारी बाई, मधुदेवी यादव सहित सैकड़ों कर्मचारी उपस्थित रहे।

पमरे के तीनों मण्डलों में जांच शिविर का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

रेलवे में स्वास्थ्य जांच के लिए रेलकर्मियो एवं उनके परिवारजनों हेतु पश्चिम मध्य रेलवे पर केन्द्रीय चिकित्सालय, मण्डल चिकित्सालय, उप मण्डल चिकित्सालय एवं स्वास्थ्य इकाईयां संचालित है। महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय के निर्देश पर पश्चिम मध्य रेल के केन्द्रीय चिकित्सालय के तत्वावधान में तीनों मंडलों के मण्डल चिकित्सालयों एवं स्वास्थ्य इकाइयों पर रेलकर्मियों एवं उनके परिवारजनों हेतु समय-समय पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम एवं स्वास्थ्य जांच शिवरों का आयोजन किया जाता है। इसी श्रृंखला में प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक के निर्देशन में पश्चिम मध्य रेलवे के चिकित्सा विभाग द्वारा पिछले सप्ताह विभिन्न स्थानों पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम एवं स्वास्थ्य जांच शिवरों का आयोजन किया गया।

रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया नगर निगम कर्मचारी

नल कनेक्शन के एवज में मांगी थी रकम, लोकायुक्त की कार्यवाही

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नगर निगम के एक कर्मचारी को लोकायुक्त की टीम द्वारा रंगे हाथों रिश्वत लेते पकड़ा गया है। आरोपी द्वारा नल कनेक्शन देने के एवज रिश्वत मांगी गई थी। जिसके बाद पीड़ित की शिकायत पर आरोपी को लोकायुक्त की टीम द्वारा रंगे हाथो रिश्वत लेते पकड़ा गया है। जानकारी के मुताबिक नगर निगम के गढ़ा जोन 1 में पदस्थ आरोपी सत्येंद्र मिश्रा टाइमकीपर जलप्रदाय विभाग में पदस्थ है। इस मामले में शिकायकर्ता 42 वर्षीय अमर देव पिता रामाधार यादव निवासी न्यू शास्त्री नगर लम्हेटा घाट रोड ने लोकायुक्त से शिकायत कर बताया कि उन्होंने अपने आईसीएमआर रोड मेडिकल जबलपुर स्थित किराए की दुकान के लिए जल कनेक्शन हेतु आवेदन किया था।

रूपए देने दुकान पहुंचा आरोपी - उक्त जल कनेक्शन करने के एवज में नगर निगम गढ़ा जोन में कार्यरत टाइम कीपर सत्येंद्र मिश्रा उर्फ बबलू द्वारा 4500 रिश्वत की मांग की गई थी । मामले की जानकारी लगते ही लोकायुक्त द्वारा आरोपी को रंगे हाथों पकड़ने योजना बनाई गई। इसके बाद जब आरोपी सत्येंद्र मिश्रा आवेदक की दुकान मेडिकल स्थित आईसीएमआर रोड बड़ा पत्थर रिश्वत की रकम लेने पहुंचा। तभी वहां पर पहले से मौजूद लोकायुक्त की टीम द्वारा उसे पकड़ लिया गया। टीम ने आरोपी से रिश्वत की रकम बरामद करते हुए पूछताछ शुरू कर दी है। इस कार्यवाही में लोकायुक्त उप पुलिस अधीक्षक दिलीप झरवडे, इंस्पेक्टर नरेश बेहरा, इंस्पेक्टर कमल सिंह उईके सहित 5 अन्य सदस्यों की टीम मौजूद रही।

हैंडपंप का गंदा पानी पीने से फैला डायरिया, एक की मौत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हैंड पंप से निकल रहे गंदा पानी पीने से विगत 2 दिनों में 3 लोगों की मौत हो गई। जिसमें एक 2 वर्षीय मासूम बालक एवं 2 बुजुर्ग शामिल है। वहीं डायरिया के प्रकोश से लगभग 48 लोगों अस्पताल में भर्ती है। जानकारी के मुताबिक कुंडम तहसील के हांडी-पानी गांव में डायरिया ने 3 की जान ले ली। मृतकों में 2 वर्षीय बालक एवं 2 बुजुर्ग शामिल हैं।

बताया जा रहा है कि हैंड पंप का गंदा पानी पीने से 48 ग्रामीणों को उल्टी - दस्त की शिकायत होने पर कुंडम स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने भी गांव पहुंचकर 24 घंटे के लिए कैम्प लगाया है। पीएचई विभाग ने पानी का सैंपल लिया है । बताया जा रहा है कि बुधवार को एक के बाद एक लोग बीमार पड़ने लगे । इसी दौरान एक बुजुर्ग की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। इधर मामले की जानकारी लगते ही बीएमओ, तहसीलदार ने गांव पहुंचकर जानकारी ली। वहीं विधायक संतोष बरकड़े भी ग्रामीणों को देखने के लिए हांडी-पानी गांव पहुंचे।

शिविर लगाकर चल रहा इलाज - इस मामले में सीएमएचओ डॉ. संजय मिश्रा ने बताया कि एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि अभी डायरिया होने से हुई है। उन्होंने बताया कि मामले की जानकारी लगते ही हांडी-पानी गांव में टीम को भेजा गया है। वहीं बीएमओ को निर्देश दिए गए हैं कि टीम शिविर लगाकर गांव में बीमार लोगों का इलाज करे। उन्होंने बताया कि फिलहाल स्थिति अभी कंट्रोल में है।

लबालब हुआ बरगी डैम, कभी भी खुल सकते हैं गेट

नर्मदा तटों से दूरी बनाने प्रशासन ने की अपील

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

रानी अवंति बाई लोधी सागर परियोजना बरगी बांध के जल स्तर को नियंत्रित करने इसके जलद्वारों को कभी भी खोला जा सकता है । बांध के जलद्वारों को खोले जाने की संभावनाओं के मद्देनजर परियोजना प्रशासन ने अलर्ट जारी कर निचले क्षेत्र के रहवासियों से नर्मदा तट से सुरक्षित दूरी बनाये रखने का आग्रह किया है। रानी अवंति बाई लोधी सागर परियोजना के मुख्य अभियंता एसबी सिंह के अनुसार बरगी बांध के 14 हजार 556 वर्ग किलोमीटर जलग्रहण क्षेत्र में पिछले 4 दिनों में 156 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है और इस वजह से इसका जलस्तर गुरुवार की शाम बजे तक 416.30 मीटर हो गया है । उन्होंने बताया कि विगत तीन दिनों में बरगी बांध में 465 मिलियन घन मीटर पानी की आवक दर्ज की गई है और अभी भी प्रति सेकेंड 1 हजार 432 घन मीटर (50 हजार 571 घन फुट) पानी की आवक बांध में हो रही है । मुख्य अभियंता के मुताबिक यदि बांध में वर्षा जल की आवक की यही रफ्तार बनी रही तो 28 जुलाई को इसका जलस्तर 418 मीटर के ऊपर पहुँचने की संभावना हैए जबकि बांध के ऑपरेशनल मैन्युल के मुताबिक 31 जुलाई तक इसे 417.50 मीटर रखा जाना निर्धारित है ।

418 मीटर पहुंचने पर खुलेंगें गेट

उन्होंने बताया कि वर्षा एवं पानी की आवक को देखते हुये बांध का जलस्तर 418 मीटर पहुंचने पर इसके गेट कभी भी खोले जा सकते हैं । मुख्य अभियंता श्री सिंह के अनुसार बांध के खोले जाने वाले गेट की संख्या एवं जल निकासी की मात्रा की जानकारी परियोजना प्रशासन द्वारा अलग से दी जायेगी । श्री सिंह ने बताया कि बांध से पानी छोड़े जाने से निचले क्षेत्र के नर्मदा घाटों में जल स्तर तेजी से बढ़ सकता है । उन्होंने बांध के निचले क्षेत्र के रहवासियों एवं नागरिकों से नर्मदा के तटीय एवं जलभराव क्षेत्रों से सुरक्षित दूरी बनाये रखने का आग्रह किया है।

हितकारिणी प्रकाशन लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा, स्थानीय सम्पादक- महेश महदेल** * *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी। ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2023-25, **RNI No. 64561/96.**